ISBN : 978-93-7029-113-3

अगस्त, 2025 | वर्ष - 05 | अंक - 08

आरोग्य पथ

मासिक ई-पत्रिका

प्रकाशक

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर-273007 (उ.प्र.)

सम्पादक

डॉ. विमल कुमार दूबे (प्रधान संपादक)

डॉ. साध्वी नन्दन पाण्डेय (संपादक)

संस्करण

संस्करण : 2025

पृष्ठ : 47

आकार : A4

प्रकाशन

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर

उत्तर प्रदेश – 273007

फोन : 9999764424, 8765005177

ईमेल : mguniversitygkp@mgug.ac.in

सम्पादकीय

युवाओं में जीवनशैली रोग और आयुर्वेदिक समाधान

आज के समय में युवा वर्ग सबसे अधिक ऊर्जावान, सृजनशील और प्रगतिशील माना जाता है। लेकिन आधुनिक जीवनशैली की तेज़ रफ्तार, अनियमित आहार-विहार, तनाव और डिजिटल जीवन के अत्यधिक प्रभाव ने युवाओं को भी जीवनशैली-जनित रोगों की चपेट में ला दिया है। इनमें मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, थायरॉयड असंतुलन, मानसिक तनाव, अवसाद और अनिद्रा जैसी समस्याएँ प्रमुख हैं। यह रोग अचानक नहीं आते, बल्कि वर्षों तक असंतुलित जीवनशैली, गलत आहार और व्यायाम की कमी के कारण धीरे-धीरे विकसित होते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, दुनिया में होने वाली मौतों का लगभग 70 प्रतिशत कारण जीवनशैली रोग हैं। भारत में भी युवाओं के बीच 30 वर्ष से पहले हार्ट अटैक, टाइप-2 डायबिटीज़ और स्ट्रोक जैसी बीमारियाँ देखने को मिल रही हैं। देर रात तक जागना, जंक फूड का सेवन, शारीरिक श्रम की कमी, अधिक समय तक मोबाइल का प्रयोग, स्क्रीन टाइम का अधिक होना और मानसिक तनाव इसकी प्रमुख वजहें हैं।

पश्चिमी चिकित्सा जगत ने अब यह स्वीकार किया है कि रोकथाम इलाज से बेहतर है। यही कारण है कि वहां पीपीपीएम मॉडल (Predictive, Preventive, Personalçed, Participatory Medicine) विकसित किया गया है। इस मॉडल का उद्देश्य यह है कि व्यक्ति की आनुवंशिक प्रवृत्ति, पर्यावरण और जीवनशैली के आधार पर रोग की संभावना का पूर्वानुमान लगाया जाए और रोग के विकसित होने से पहले ही उसकी रोकथाम की जाए।

जीनोमिक्स और आधुनिक तकनीकें इस मॉडल का आधार है, परंतु इनका व्यावहारिक लाभ तभी संभव है जब व्यक्ति स्वयं अपनी जीवनशैली में संतुलन लाए। यही वह बिंदु है जहाँ आयुर्वेद और पश्चिमी चिकित्सा एक.दूसरे के पूरक बन सकते हैं। स्वस्थस्य स्वास्थ्य रक्षणं आतुरस्य विकार प्रशमनं च अर्थात स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य का रक्षण और आतुर के विकार अर्थात रोग को ठीक करना ही आयुर्वेद का प्रयोजन है ऐसा चरक संहिता कहती है।

आयुर्वेद केवल रोग का उपचार नहीं, बल्कि स्वस्थ रहने की कला सिखाता है। इसमें आहार, विहार, आचार और विचार पर समान रूप से ध्यान दिया गया है। आयुर्वेद मानता है कि दैनिक दिनचर्या (दिनचर्या), ऋतुचर्या (मौसमी दिनचर्या) और मानसिक संतुलन बनाए रखना स्वास्थ्य का मूल आधार है।

1. **मधुमेह :** युवाओं में जंक फूड, शर्करा युक्त पेय और शारीरिक निष्क्रियता के कारण मधुमेह बढ़ रहा है। आयुर्वेदिक समाधान-मेथी, करेला, गुड़मार जैसी औषधियाँ रक्तशर्करा को संतुलित करने में सहायक हैं। भोजन में धान्य (जौ, कोदो, रागी) का उपयोग लाभकारी है। नियमित प्राणायाम और योगासन (विशेषकर सूर्य नमस्कार और मंडूकासन) पाचन और अग्नि को संतुलित करते हैं।

2. **उच्च रक्तचापः** तनाव, देर रात तक जागना और मानसिक दबाव इसके मुख्य कारण हैं। आयुर्वेदिक समाधान- अ□वगंधा, अर्जुन छाल, जटामांसी हृदय को मज़बूत करते हैं। सोने-जागने की निश्चित दिनचर्या अपनाना। ध्यान, प्राणायाम और नियमित व्यायाम से रक्तचाप नियंत्रित रहता है।

3. **मोटापाः** युवा पीढ़ी में सबसे तेज़ी से बढ़ती समस्या है। आयुर्वेदिक समाधान- त्रिफला, गुग्गुलु और हिंगुल जैसी औषधियाँ वसा चयापचय को संतुलित करती हैं। सुबह गुनगुना पानी पीना और उष्ण जल स्नान लाभकारी है। कपालभाति और सूर्य नमस्कार नियमित करने से मोटापा घटता है।

4. **मानसिक रोग :** तनाव, अवसाद, अनिद्रा) रूकैरियर की दौड़, असंतुलित जीवन और सोशल मीडिया का दबाव युवाओं को मानसिक रोगों की ओर धकेल रहा है। आयुर्वेदिक समाधन- ब्रह्मी, शंखपुष्पी और जटामांसी जैसी औषधियाँ स्मरण शक्ति और मानसिक शांति प्रदान करती हैं। ध्यान, योगनिद्रा और मंत्र-जप तनाव कम करते हैं। रात में देर तक मोबाइल का उपयोग न करना और पर्याप्त नींद लेना अनिवार्य है। भावनात्मक स्वास्थ्य का महत्व-आयुर्वेद मानता है कि मनःप्रसादः स्वस्थस्य मूलम् अर्थात मानसिक शांति ही स्वास्थ्य का आधार है। यदि व्यक्ति भीतर से प्रसन्न है, तो रोगों की संभावना कम हो जाती है। युवाओं को चाहिए कि वे सकारात्मक सोच, आत्मसंयम और सृजनात्मक गतिविधियों को जीवन का हिस्सा बनाएं। समन्वित चिकित्सा की दिशा-यदि पश्चिमी चिकित्सा का वैज्ञानिक निदान और तकनीकी प्रगति तथा आयुर्वेद का जीवनशैली.आधारित निवारक दृष्टिकोण साथ आ जाए तो युवाओं के लिए एक संतुलित, प्रभावी और दीर्घकालिक स्वास्थ्य मॉडल विकसित हो सकता है। यह मॉडल न केवल रोगों को रोकेगा, बल्कि भविष्य की पीढ़ी को भी स्वस्थ जीवन की दिशा देगा।

युवाओं में जीवनशैली रोग केवल चिकित्सा की समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक चुनौती भी है। यदि समय रहते जीवनशैली में सुधार नहीं किया गया तो आने वाले वर्षों में यह और गंभीर रूप धारण कर सकते हैं। आयुर्वेद हमें यह सिखाता है कि स्वास्थ्य केवल रोग का अभाव नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा का संतुलन है। अतः आवश्यकता है कि युवा वर्ग आयुर्वेदिक सिद्धांतों जैसे संतुलित आहार, नियमित दिनचर्या, मौसमी जीवनशैली, योग और ध्यान को अपने जीवन का हिस्सा बनाए। यही वह मार्ग है जो उन्हें जीवनशैली रोगों से बचाकर एक दीर्घायु, स्वस्थ और प्रसन्न जीवन प्रदान कर सकता है।

माह विशेष

श्रावणी पूर्णिमा और संस्कृत दिवस : एक सांस्कृतिक दृष्टि

भारतीय संस्कृति में श्रवणी पूर्णिमा का विशेष महत्व है। यह तिथि धार्मिक, सामाजिक, शैक्षिक और सांस्कृतिक दृष्टि से अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। श्रवण मास की पूर्णिमा को रक्षाबन्धन, यज्ञोपवीत संस्कार एवं ऋषि-तर्पण की परम्परा से जोड़ा गया है। वैदिक परम्परा के अनुसार इस दिन यज्ञेपवीत धारण कर वेदाध्ययन की पुनः शुरुआत की जाती है। यह दिवस न केवल अध्यात्म और विद्या की ओर उन्मुख करता है, बल्कि जीवन में अनुशासन, पवित्रता और संस्कारों को भी सुदृढ़ करता है।

इसी दिन रक्षा-बन्धन का पर्व विशेष रूप से लोकप्रिय है। बहनें अपने भाइयों की कलाई पर रक्षा-सूत्र बांधकर उनकी दीर्घायु और सुरक्षा की कामना करती हैं। भाई उन्हें सदा संरक्षण और स्नेह प्रदान करने का वचन देता है। यह पर्व केवल पारिवारिक संबंधों तक सीमित नहीं, बल्कि समाज में सुरक्षा, विश्वास और सौहार्द का संदेश भी देता है। आज के समय में यह पर्व सामाजिक एकता और भाईचारे की भावना को पुष्ट करने का माध्यम बन गया है।

इसी दिन संस्कृत दिवस भी मनाया जाता है। संस्कृत को देववाणी और भारतीय संस्कृति की जननी कहा जाता है। यह भाषा न केवल प्राचीन ज्ञान परम्परा का आधार है, बल्कि आज भी योग, ध्यान और आयुर्वेद जैसे शास्त्रों के वैश्विक प्रसार का माध्यम है। संस्कृत में निहित वैदिक साहित्य, उपनिषद, गीता, महाकाव्य और आयुर्वेदिक ग्रंथ भारतीय जीवन को दिशा प्रदान करते आए हैं। इस भाषा में केवल आध्यात्मिकता ही नहीं, बल्कि चिकित्सा, गणित, खगोल और विज्ञन से संबंधित गहन ज्ञान भी सुरक्षित है।

आज जब आधुनिक युग में लोग स्वास्थ्य, योग और प्राकृतिक चिकित्सा की ओर लौट रहे हैं, तब संस्कृत का महत्व और भी बढ़ जाता है। आयुर्वेद और योग की संहिताओं को संस्कृत भाषा के माध्यम से ही समझा जा सकता है। यही कारण है कि संस्कृत दिवस मनाकर हम न केवल एक भाषा का सम्मान करते हैं, बल्कि अपने ज्ञान-विज्ञान और आरोग्य परम्परा की जड़ों से जुड़ते हैं।

श्रवणी पूर्णिमा और संस्कृत दिवस का संगम अत्यंत प्रेरणादायी है। एक ओर रक्षा-बन्धन हमें कर्तव्य, सुरक्षा और प्रेम का संदेश देता है, वहीं संस्कृत दिवस हमें विद्या, संस्कृति और ज्ञान की धरोहर को संरक्षित करने का आह्वान करता है। यह पर्व हमें यह भी स्मरण कराता है कि यदि हम अपनी परम्पराओं और भाषा से जुड़े रहें तो जीवन अधिक संस्कारित, स्वास्थ्यप्रद और समृद्ध हो सकता है।

श्रवणी पूर्णिमा और संस्कृत दिवस भारतीय जीवन-दर्शन के दो ऐसे आयाम हैं जो परम्परा और प्रगति दोनों को एक सूत्र में बाँधते हैं। यह पर्व केवल धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि सामाजिक और आरोग्यपरक संदेश का वाहक है। आज आवश्यकता है कि हम इन अवसरों के महत्व को समझें और भावी पीढ़ियों तक इस ज्ञान और संस्कृति को पहुँचाएं। यही सच्चा उत्सव होगा और यही हमारी धरोहर की रक्षा भी।

हमारी विरासत

गार्गी : भारतीय दर्शन की अमर विदुषी

भारतीय ज्ञान परंपरा में गार्गी वाचक्नवी का नाम अत्यंत आदर और गौरव से लिया जाता है। वेदों और उपनिषदों में जिन स्त्री ऋषियों का उल्लेख है, उनमें गार्गी का स्थान सर्वश्रेष्ठ माना जाता है। वे केवल एक विदुषी ही नहीं, बल्कि वैदिक युग में स्त्री-शक्ति और जिज्ञासा का प्रतीक थीं।

गार्गी वाचक्नवी महर्षि वचक्नु की कन्या थीं। ऋग्वेद में गार्गी सहित कई ब्राह्मवादिनी स्त्रियों का उल्लेख मिलता है। 'ब्राह्मवादिनी' उपाधि उन स्त्रियों को दी जाती थी जो ब्रह्मविद्या में पारंगत होती थीं और शास्त्रार्थ में भाग लेती थीं। गार्गी की विशेषता यह थी कि उन्होंने न केवल वेदों का अध्ययन किया बल्कि दर्शन और ब्रह्मज्ञान में भी गहन योगदान दिया। गार्गी का सबसे प्रसिद्ध प्रसंग बृहदारण्यक उपनिषद (तृतीय अध्याय, अष्टम ब्राह्मण) में मिलता है। एक बार यज्ञ के समय राजा जनक ने एक विराट ब्रह्मविद्या-सभा का आयोजन किया था, जिसमें महर्षि याज्ञवल्क्य सहित उस समय के महान ऋषि सम्मिलित हुए। घोषणा की कि जो व्यक्ति स्वयं को सबसे महान् ज्ञानी सिद्ध करेगा, उसे स्वर्ण पत्रों में जड़े सींगों वाली एक हज़ार गायें उपहार में दी जाएंगी। कोई विद्वान् आगे नहीं आया। इस पर ऋषि याज्ञवल्क्य ने अपने शिष्य से उन गायों को आश्रम की ओर हांक ले जाने के लिए कहा। किसी उपस्थित विद्वान का याज्ञवल्क्य से शास्त्रार्थ करने का साहस न हुआ। तब उनसे प्रश्न पूछने वालों में गार्गी थीं। गार्गी ने पूछा है ऋषिवर जल के बारे में कहा जाता है कि हर पदार्थ इसमें घुलमिल जाता है तो यह जल किसमें जाकर मिल जाता है। याज्ञवल्क्य ने इस प्रश्न का उत्तर दिया इसके बाद वह बाकी प्रश्न करने लगीं। उसके पूछे हुए ब्रह्मविषयक प्रश्नों से गार्गी की विद्वता का पता चलता है। उसके एक प्रश्न से उत्तेजित याज्ञवल्क्य ने कहा- 'गार्गी अब तू प्रश्न की सीमां का अतिक्रमण कर रही है। अब आगे मत पूछ। अन्यथा कहीं तेरा सिर कटकर न गिर पड़े। परंतु फिर भी गार्गी ने दो प्रश्न किए और उनके उत्तर में याज्ञवल्क्य को अपने दर्शन का प्रतिपादन करना पड़ा।

गार्गी ने याज्ञवल्क्य से गहन प्रश्न पूछे-'याज्ञवल्क्य! एतस्मिन्नन्तरिक्षे अध्श्यं द्रष्टाविज्ञतं विज्ञता अस्ति किम्ध' बृहदारण्यक उपनिषद् (अर्थातध्श्हे याज्ञवल्क्य! इस आकाश के परे वह कौन है जो सबको देखता है पर स्वयं अध्श्य है, सबको सुनाता है पर स्वयं अश्रुत है, सबको ज्ञेय करता है पर स्वयं अज्ञेय है)' याज्ञवल्क्य ने उत्तर दिया। 'एष त आत्माण्ण्ण् अक्षरं ब्रह्।' (बृहदारण्यक उपनिषद्) अर्थात 'यह आत्मा ही अक्षर ब्रह्म है, जो न उत्पन्न होता है और न नष्ट होता है।' इस संवाद ने उपनिषदों में ब्रह्मज्ञान की नींव को और सुदृढ़ किया।

गार्गी का दर्शन प्रश्न और जिज्ञासा पर आधारित था। उन्होंने ब्रह्मांड की उत्पत्ति और उसकी अंतिम सत्ता पर प्रश्न किए। उनका विश्वास था कि ब्रह्मंड का आधार कोई परिवर्तनशील वस्तु नहीं, बल्कि एक अक्षर सत्ता है। गार्गी ने ब्रह्मंड को जल और आकाश जैसे तत्वों के आधार से परे जाकर 'अक्षर ब्रह्म' पर स्थापित माना। उनके प्रश्नों ने यह स्पष्ट कर दिया कि वे अद्वैत वेदांत की गहरी साधिका थीं। उन्होंने स्त्री-शक्ति को यह सिद्ध कर दिखाया कि दर्शन और ब्रह्मज्ञान केवल पुरुषों का क्षेत्र नहीं है। वह स्त्री शिक्षा की प्रतीक थीं गार्गी का जीवन यह सिद्ध करता है कि वैदिक युग में स्त्रियाँ भी ऋषि, मनीषी और दार्शनिक के रूप में प्रतिष्ठित हो सकती थीं। गार्गी मैत्रेयी और घोषा जैसी विदुषियों ने यह प्रमाण दिया कि भारतीय परंपरा में स्त्री-शिक्षा को सम्मान दिया जाता था।

आज जब स्त्री-शिक्षा और समानता की चर्चा होती है, गार्गी का आदर्श और भी प्रासंगिक हो उठता है। उन्होंने यह संदेश दिया कि
'ज्ञान किसी का विशेषाधिकार नहीं है। सत्य की खोज में पुरुष और स्त्री दोनों समान रूप से सक्षम हैं।' गार्गी वाचक्नवी भारतीय दर्शन और उपनिषद परंपरा की अमर विभूति थीं। उनके गहन प्रश्नों ने न केवल याज्ञवल्क्य जैसे महर्षि को चुनौती दी, बल्कि सत्य की खोज की दिशा भी स्पष्ट की। वे केवल एक ऐतिहासिक विदुषी नहीं, बल्कि ज्ञान-ज्योति की वह शिखा हैं जो युगों-युगों तक मार्गदर्शन करती रहेगी।

शिशु स्तनपान सप्ताह का शुभारंभ

गुरु गोरक्षनाथ चिकित्सा विज्ञान संस्थान

शिशु स्तनपान सप्ताह के दौरान आयुर्वेद कॉलेज के विद्यार्थीगण

दिनांकः 01 अगस्त, 2025 को गुरु गोरक्षनाथ चिकित्सा विज्ञान संस्थान के आयुर्वेद संकाय में शिशु एवं बाल रोग विभाग तथा स्त्री प्रसूति विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 1 से 7 अगस्त तक शिशु स्तनपान सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है।

इस सप्ताह के अंतर्गत वाद. विवाद प्रतियोगिता, पोस्टर एवं मॉडल प्रदर्शन, प्रश्नोत्तरी और वैज्ञानिक चर्चाओं के माध्यम से माँ के दूध व स्तनपान के महत्व पर जागरूकता फैलाई जा रही है।

सप्ताह के प्रथम दिन चौबेपुर स्थित डी. सी. एलिमेंट्री स्कूल में निदेशक श्री विमल चतुर्वेदी जी के सहयोग से लगभग 400 स्कूली बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। साथ ही, माताओं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और आशा कार्यकर्ताओं को स्वास्थ्य, स्तनपान और पोषण संबंधी विषयों पर जागरूक किया गया।

ग्रामीण क्षेत्रों में भी चिकित्सकों व छात्र–छात्राओं द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण एवं जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

यह संपूर्ण आयोजन संस्थान के प्राचार्य प्रो. श्री गिरिधर वेदांतम, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अवनीश कुमार द्विवेदी, शिशु रोग विभागाध्यक्ष डॉ. त्रिविक्रम मणि त्रिपाठी, स्त्री प्रसूति विभागाध्यक्ष डॉ. जितेन्द्र मिश्रा एवं सभी शिक्षकों व विद्यार्थियों के सक्रिय सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

दीक्षारंभ परिसंवाद

फैकल्टी ऑफ हेल्थ एंड लाइफ साइंस

दीक्षारंभ के शुभ अवसर पर विद्यार्थियों से संवाद स्थापित करते माननीय कुलपति, अधिष्ठाता

दिनांकः 01 अगस्त, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में फैकल्टी ऑफ हेल्थ एंड लाइफ साइंस एंड फैकल्टी ऑफ मेडिकल साइंस में नव विद्यार्थियों से कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह जी ने परिसंवाद कर दीक्षारंभ का शुभारंभ किया।

दीक्षारंभ से पूर्व कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह, अधिष्ठाता समन्वयक डॉ. मूर्ति, अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह जी ने मां सरस्वती के श्रीचरणों में पुष्प और दीप प्रज्वलन किया। अभिभावकों और विद्यार्थियों से परिसंवाद करते हुए कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह ने कहा कि

वैश्विक स्तर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर शिक्षा के क्षेत्र में नया अध्याय लिखेगा। चिकित्सा और शिक्षा के क्षेत्र में शोध और नए नवाचारों से महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर आगामी लक्ष्यों में 5 वर्षों में भारत और 10 वर्षों में वैश्विक स्तर पर विश्वविद्यालय शीर्ष स्तर पर स्थापित होगा।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर आयुर्वेद और विज्ञान के समन्वय से विकास की नई गाथा लिख रहा है। विश्वविद्यालय में ज्ञान, अनुसंधान और नवाचार की त्रिवेणी प्रवाहित होती है। आज का यह दीक्षारंभ केवल एक शैक्षणिक सत्र की शुरुआत नहीं, बल्कि आपके जीवन के एक नए अध्याय का आरंभ है।

नव प्रवेशार्थियों को शिक्षा के प्रति समर्पित रहने का संकल्प दिलाते हुए कहा कि सपने बंद आंखों से नहीं खुली आंखों से देखिए, अनुशासन की परिधि में रहिए, जीवन दर्शन के पीछे उद्देश्य होना आवश्यक है, सोशल मीडिया का सदुपयोग कीजिए।

2047 में विकसित भारत के स्वपन को नई दिशा देने में आपका सहयोग अमूल्य होगा। पहले दुनिया हमारी ओर उपहास करते थे लेकिन हमने हर चुनौतियों को स्वीकार किया और उपलब्धियों से नए भारत के साथ कंधा मिलाकर चल रहे हैं। अर्थव्यवस्था में हम किसी से कम नहीं, ड्रग के क्षेत्र में नए स्टार्टअप किया, भारतीय रचनात्मक एवं सृजनात्मक रूप से सशक्त है, अपने आपको कभी कमजोर मत समझिए नए चुनौती के लिए सदैव तैयार रहें।

भविष्य उज्ज्वल है, पांच साल में हमारा विश्वविद्यालय पूरे पूर्वांचल में शीर्षस्थ होगा, जो आने वाले समय में सभी को साथ लेकर चलेगा। लाइफ साइंस और संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान में अनंत संभावनाएं है।

व्यवहारिक रूप से अपने कौशल और ज्ञान को समृद्ध करें। नकारात्मक उर्जा से दूर रहकर सकारात्मक रूप से अपने बुद्धि कौशल को विकसित करें। आयुर्वेद और विज्ञान के समन्वय से स्वास्थ सेवा में क्रांतिकारी परिवर्तन आयेगा।

दीक्षारम्भ में अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह ने कहा कि बॉयोकेमिस्ट्री और मेडिकल बॉयोकेमिस्ट्री जीवन की सूक्ष्मतम क्रियाओं को समझने की कुंजी है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भारतीय ज्ञान परंपरा और विज्ञान को समृद्ध करने का लक्ष्य है जिससे विद्यार्थी भारतीय संस्कृति के गुण रहस्यो को आत्मसात कर विज्ञान की दृष्टि से नए नवाचार का अन्वेषण करें। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में बहुआयामी विकल्प के रास्ते खुल गया है। बीएससी बॉयोकेमिस्ट्री, माइक्रोबॉयोलॉजी, फोरेंसिक साइंस, मेडिकल बॉयोकेमिस्ट्री और एमएससी विषय न केवल विज्ञान की गहराइयों में उतरने का अवसर देंगे, बल्कि मानव सेवा, चिकित्सा, अपराध अनुसंधान, औषधि विकास और पर्यावरणीय स्वास्थ्य के क्षेत्र में आपको अग्रणी बना सकते हैं।

उद्घाटन सत्र का संचालन डॉ. अनुकृति राज ने किया। दीक्षारंभ में प्रमुख रूप से डॉ. अमित कुमार दुबे, डॉ. प्रेरणा अदिति, डॉ. रश्मि शाही, डॉ. अवैद्यनाथ सिंह, डॉ. पवन कुमार कन्नौजिया, डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव, डॉ. आशुतोष श्रीवास्तव, डॉ. रश्मि झा, सृष्टि यदुवंशी, अनिल कुमार, अनिल मिश्रा, धनंजय पाण्डेय, डॉ. धिरेन्द्र कुमार सिंह, डॉ. किरन कुमार, श्री अनिल कुमार पटेल, श्री जन्मेजय सोनी, सुश्री मिताली पटेल, श्री अनिल कुमार शर्मा उपस्थित रहे।

विश्व स्तनपान दिवस

फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल

विश्व स्तनपान दिवस पर उद्बोधन देतीं नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डी. एस. अजीथा एवं उपस्थित छात्राएं

दिनांकः 01 अगस्त, 2025

फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के नर्सिंग विभाग में 1 अगस्त से 7 अगस्त तक चलने वाले विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर आज उद्घाटन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जिसका थीम– स्तनपान को प्राथमिकता दें– स्थायी सहायता प्रणाली बनाएँ इसके अंतर्गत कार्यक्रम की शुरुआत सर्वप्रथम प्रधानाचार्य डॉ. डी.एस. अजीथा के द्वारा लैंपलाइटिंग के माध्यम से की गई, कार्यक्रम को आगे बढाते हुए

बीएससी नर्सिंग सातवें सेमेस्टर की छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना, स्वागत भाषण, और प्रधानाचार्या डॉ. डी. एस. अजीथा ने स्तनपान के महत्त्व, लाभ और उद्देश्य को विस्तार से बताया स्तनपान केवल एक माँ और बच्चे के बीच का रिश्ता नहीं है, यह बच्चे के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक विकास की नींव है। जन्म के तुरंत बाद दिया गया माँ का पहला दूध– जिसे 'कोलोस्ट्रम' कहा जाता है। बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाता है और उसे कई बीमारियों से बचाता है।

स्तनपान के लाभ जैसे की रोगों से सुरक्षा, शारीरिक और मानसिक विकास, पोषक तत्वों की पूर्ति, माँ के लिए गर्भावस्था के बाद जल्दी स्वस्थ होना, स्तन कैंसर और गर्भाशय कैंसर के खतरे में कमी, माँ और बच्चे के बीच भावनात्मक जुड़ाव आदि और हमारा कर्तव्य है की हमें समाज में यह जागरूकता फैलानी है कि स्तनपान केवल एक माँ की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि पूरे परिवार, समाज और सरकार की साझी जिम्मेदारी है।

हमें कामकाजी महिलाओं को पर्याप्त मातृत्व अवकाश और स्तनपान के लिए अनुकूल वातावरण देना चाहिए। इसके बाद वोट फॉर थैंक्स और वंदे मातरम से कार्यक्रम का समापन किया गया।

नर्सिंग स्टॉफ प्रोफेशनल डेवलपमेंट प्रोग्राम X नर्सिंग एवं पैरामेडिकल स्टॉफ

सतत व्यावसायिक विकास आयोजित नर्सिंग स्टॉफ प्रोफेशनल डेवलपमेंट प्रोग्राम में प्रशिक्षण प्राप्त करती छात्राएं

दिनांकः 01 अगस्त, 2025 को नर्सिंग एवं पैरामेडिकल स्टॉफ के सतत व्यावसायिक विकास हेतु आयोजित नर्सिंग स्टॉफ प्रोफेशनल डेवलपमेंट प्रोग्राम का द्वितीय चरण दिनांक 31 जुलाई से प्रारंभ होकर आज 01 अगस्त 2025 को अपने दूसरे दिन में प्रवेश कर चुका है। आज का प्रशिक्षण सत्र न केवल व्यावहारिक दक्षताओं को सशक्त करने हेतु केंद्रित रहाए बल्कि नवजात पुनर्जीवन (Neonatal Resuscitation Program - NRP) जैसी जीवन रक्षक प्रक्रियाओं पर भी विशेष बल दिया गया।

यह दिन सभी प्रतिभागियों के लिए अनुभवात्मक शिक्षाए टीम कोऑर्डिनेशन और नैदानिक निर्णय क्षमता को बढ़ाने के अवसर लेकर आया।

प्रमुख सत्रों का विवरण – 01 अगस्त 2025, तकनीकी सत्र, विषयः नर्सिंग कौशल दक्षता का परिचय, प्रशिक्षकः श्रीमती सारिका, नर्सिंग ट्यूटर, कॉलेज ऑफ नर्सिंगए IMS BHU, वाराणसी, इस सत्र में नर्सिंग पेशे में आवश्यक बुनियादी और उन्नत दक्षताओं का परिचय दिया गया। क्लिनिकल निर्णय लेने की योग्यता, रोगी मूल्यांकन की तकनीकें, संप्रेषण कौशल (कम्युनिकेशन स्किल्स), समय प्रबंधन एवं पेशेवर उत्तरदायित्व जैसे बिंदुओं पर गहराई से चर्चा की गई।

यह सत्र प्रतिभागियों को नर्सिंग के व्यावसायिक मानकों की स्पष्ट समझ प्रदान करने में सहायक सिद्ध हुआ।

तकनीकी सत्र : विषय–हैंड्स–ऑन ट्रेनिंग (डेमोंस्ट्रेशन एवं री–डेमोंस्ट्रेशन) प्रशिक्षकगणः श्रीमती गुड़िया, नर्सिंग ट्यूटर, कॉलेज ऑफ नर्सिंग, IMS BHU, वाराणसी, श्रीमती सारिका, नर्सिंग ट्यूटर, कॉलेज ऑफ नर्सिंगए IMS BHU, वाराणसी। इस सत्र में CPR, चेस्ट कंप्रेशन, एयरवे मैनेजमेंट, ऑक्सीजन सपोर्ट, एवं इमरजेंसी रिस्पांस जैसे क्लीनिकल कौशलों का डेमोंस्ट्रेशन और प्रतिभागियों द्वारा री–डेमोंस्ट्रेशन किया गया। प्रशिक्षकों ने प्रतिभागियों को मैनिकिन मॉडल पर अभ्यास कराने के साथ.साथ प्रत्येक स्टेप पर फीडबैक प्रदान किया।

तकनीकी सत्र : विषय– NRP (नवजात पुनर्जीवन कार्यक्रम): भाग II, प्रशिक्षक–श्रीमती गुड़िया, नर्सिंग ट्यूटर, कॉलेज ऑफ नर्सिंग, IMS BHU, वाराणसी।

इस सत्र में नवजात शिशुओं की आपातकालीन देखभाल की जीवनरक्षक प्रक्रियाओं पर गहन प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभागियों को नवजात श्वसन रुकावट, सुस्ती या हृदय गति में कमी जैसे परिदृश्यों में त्वरित और प्रभावशाली प्रतिक्रिया देने हेतु प्रशिक्षित किया गया।

यह सत्र Neonatal Airway Clearance, वेंटिलेशन टेक्निक्सए पल्स ऑक्सीमीटर का उपयोग और टीम रिस्पॉन्स सिस्टम पर केंद्रित रहा।

तकनीकी सत्र : विषय– हैंड्स–ऑन ट्रेनिंग (अभ्यास) प्रशिक्षकगणः श्रीमती गुड़िया,

नर्सिंग ट्यूटर, कॉलेज ऑफ नर्सिंग, IMS BHU, वाराणसी श्रीमती सारिका, नर्सिंग ट्यूटर, कॉलेज ऑफ नर्सिंग, IMS BHU, वाराणसी। दोपहर के सत्र में प्रतिभागियों को दिन भर में सीखी गई तकनीकों का पुनः अभ्यास (री–डेमोंस्ट्रेशन) कराया गया।

प्रतिभागियों ने अलग–अलग टीमों में विभाजित होकर बाल रोगियों में CPR, टीम वर्क आधारित इमरजेंसी रिस्पॉन्स, एवं री–असेसमेंट प्रक्रियाओं का व्यावहारिक अभ्यास किया।

यह सत्र न केवल तकनीकी ज्ञान के समेकन हेतु था, बल्कि प्रतिभागियों में आत्मविश्वास और टीम आधारित निर्णय क्षमता को भी बढ़ावा देने हेतु डिज़ाइन किया गया था।

इस दिन को प्रभावशाली एवं व्यवस्थित बनाने में चिकित्सा अधीक्षक डॉ. रोहित ऐलानी, डायरेक्टर (हॉस्पिटल प्रशासन) डॉ. हरिओम शरण, उप कुलसचिव (हॉस्पिटल प्रशासन) डॉ. रघुराम अचार, उप चिकित्सा अधीक्षक, डॉ. प्रतीक सिंह, असिस्टेंट चिकित्सा अधीक्षक, श्रीमती ममता रावत एवं श्रीमती रिंकी सिंह तथा अन्य स्टॉफ का विशेष सहयोग एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

यह कार्यक्रम एक बार पुनः यह सिद्ध करता है कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय अपने स्टॉफ की क्लीनिकल दक्षता, व्यावसायिक विकास और रोगी सुरक्षा के प्रति पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। नर्सिंग स्टॉफ का यह सतत प्रशिक्षण भविष्य में रोगियों को बेहतर, सुरक्षित एवं समयब देखभाल सुनिश्चित करेगा।

विश्व शिशु स्तनपान सप्ताह

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑ फ मेडिकल साइंसेस

'बेसिक लाइफ सपोर्ट एवं हृदयाघात प्रबंधन' विषय पर आयोजित कार्यशाला में उद्बोधन देते डॉ. संतोष कुमार त्रिपाठी

दिनांक: 02 अगस्त, 2025 को गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, आयुर्वेद संकाय, बालापार में विश्व शिशु स्तनपान सप्ताह के अंतर्गत आयुर्वेद संकाय के बीएएमएस छात्र–छात्राओं हेतु 'बेसिक लाइफ सपोर्ट एवं हृदयाघात प्रबंधन' विषयक कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया।

कार्यशाला में जिला अस्पतालए संतकबीरनगर के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. संतोष कुमार त्रिपाठी ने छात्रों को जीवन रक्षक प्राथमिक तकनीकों का प्रशिक्षण प्रदान किया।

यह आयोजन चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अवनीश कुमार द्विवेदी, शिशु व बाल रोग विभागाध्यक्ष डॉ. त्रिविक्रम मणि त्रिपाठी एवं उप.प्रधानाचार्य डॉ. सुमित कुमार नायर के निर्देशन में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. मिनी के. वी. द्वारा किया गया एवं उन्होंने ही धन्यवाद ज्ञापन भी प्रस्तुत किया।

नर्सिंग स्टॉफ प्रोफेशनल डेवलपमेंट प्रोग्राम

नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय

सतत व्यावसायिक विकास आयोजित नर्सिंग स्टॉफ प्रोफेशनल डेवलपमेंट प्रोग्राम में प्रशिक्षण प्राप्त करती छात्राएं

दिनांकः 02 अगस्त, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर द्वारा नर्सिंग एवं पैरामेडिकल स्टॉफ के लिए आयोजित नर्सिंग स्टॉफ प्रोफेशनल डेवलपमेंट प्रोग्राम का द्वितीय चरण आज, दिनांक 02 अगस्त 2025 को अपने अंतिम दिवस में संपन्न हुआ।

इस चरण का उद्देश्य प्रतिभागियों को व्यावसायिक कौशल में दक्षता प्रदान करना, नवजात शिशुओं की आपातकालीन देखभाल में उनकी क्षमता को सुदृढ़ करना तथा रक्त संक्रमण जैसे महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं में उनकी व्यवहारिक समझ को विस्तार देना था।

प्रमुख सत्रों का विवरणः
तकनीकी सत्र : विषय– नवजात पुनर्जीवन कार्यक्रम (एनआरपी) भाग द्वितीय– प्रशिक्षक : श्रीमती गुड़िया, नर्सिंग ट्यूटर, कॉलेज ऑफ नर्सिंग, IMS BHU, वाराणसी।

इस सत्र में नवजात शिशु के आपातकालीन स्थितियों जैसे –श्वसन रुकावट, मंद हृदय गति अथवा जन्म के समय प्रतिक्रिया न देने की स्थिति में किस प्रकार की चिकित्सकीय प्रतिक्रिया दी जाती है, इस पर गहन चर्चा हुई।
प्रमुख बिंदुः नवजात श्वसन मार्ग की सफाई, थैली और मास्क द्वारा वेंटिलेशन हृदय गति का मूल्यांकन एवं आवश्यकता अनुसार सीपीआर टीम समन्वय एवं शीघ्र हस्तक्षेप की प्रक्रियां
तकनीकी सत्र : II, विषय – हैंड्स ऑन ट्रेनिंग (डेमोंस्ट्रेशन एवं री–डेमोंस्ट्रेशन) प्रशिक्षकगण : श्रीमती गुड़िया, श्रीमती सारिका, कॉलेज ऑफ नर्सिंग, IMS BHU, वाराणसीं

इस सत्र में प्रतिभागियों ने मैनिकिन पर नवजात पुनर्जीवन से संबंधित प्रत्येक चरण का व्यावहारिक अभ्यास किया। प्रशिक्षकों ने डेमोंस्ट्रेशन के पश्चात प्रतिभागियों से पुनः प्रदर्शन भी कराया।
प्रमुख प्रशिक्षण बिंदुः श्वसन सहायता पद्धतियाँ सीने पर दबाव देने की तकनीक उपकरणों का सही उपयोग टीम वर्क एवं त्वरित निर्णय लेने की क्षमता।
सत्र -III, विषय : रक्त संक्रमण एवं क्रॉस मैचिंग प्रशिक्षक– श्रीमती सारिका, कॉलेज ऑफ नर्सिंग, IMS BHU, वाराणसी।

इस सत्र में प्रतिभागियों को रक्त चढ़ाने की प्रक्रिया, रक्त के विभिन्न घटकों की पहचान, रक्त समूह की संगतता, क्रॉस मैचिंग के चरण और संभावित दुष्प्रभावों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

तकनीकी सत्र : IV, विषय – हैंड्स ऑन ट्रेनिंग (पुनरावृत्ति अभ्यास) प्रशिक्षकगण रू श्रीमती गुड़िया, श्रीमती सारिका, कॉलेज ऑफ नर्सिंग, IMS BHU, वाराणसी।
इस सत्र में प्रतिभागियों को पुनरावृत्ति अभ्यास कराया गयाए जिसमें उन्होंने नवजात पुनर्जीवन एवं रक्त संक्रमण जैसी स्थितियों का वास्तविक जीवन परिदृश्य के रूप में अभ्यास किया।

समापन सत्र : मूल्यांकन एवं फीडबैक दिन के अंत में प्रतिभागियों से लिखित एवं मौखिक रूप में फीडबैक लिया गया तथा एक लघु परीक्षण के माध्यम से उनके प्रशिक्षण के प्रभाव का मूल्यांकन किया गया। प्रतिभागियों ने बताया कि यह प्रशिक्षण न केवल ज्ञानवर्धक रहा, बल्कि उन्हें अपने कार्यस्थल पर अधिक आत्मविश्वास से कार्य करने के लिए प्रेरित करेगा।

कार्यक्रम की विशेष उपलब्धि के रूप में, दोनों प्रशिक्षकों कृ श्रीमती गुड़िया एवं श्रीमती सारिका (नर्सिंग ट्यूटर, कॉलेज ऑफ नर्सिंग, IMS BHU, वाराणसी) को उनके उत्कृष्ट प्रशिक्षण, मार्गदर्शन एवं योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान कर चिकित्सा अधीक्षक डॉ. रोहित ऐलानी तथा उप कुलसचिव (हॉस्पिटल प्रशासन) डॉ. रघुराम अचार द्वारा सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनके समर्पण एवं व्यावसायिक दक्षता की सराहना का प्रतीक है।

इस संपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम को प्रभावशाली, व्यवस्थित एवं उद्देश्यपूर्ण स्वरूप प्रदान करने में चिकित्सा अधीक्षक डॉ. रोहित ऐलानी के कुशल नेतृत्व, डायरेक्टर (हॉस्पिटल प्रशासन) डॉ. हरिओम शरण एवं उप कुलसचिव (हॉस्पिटल प्रशासन) डॉ. रघुराम अचार के दूरदर्शी मार्गदर्शन, उप चिकित्सा अधीक्षक डॉ. प्रतीक सिंह के समन्वयात्मक सहयोग तथा असिस्टेंट चिकित्सा अधीक्षक श्रीमती ममता रावत एवं श्रीमती रिंकी सिंह एवं अन्य सदस्यों संदीप कुमार सिंह, अमिता सिंह आदि के सक्रिय परिश्रम एवं संगठनात्मक दक्षता की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिसके कारण यह कार्यक्रम अपने सभी लक्ष्यों को

सफलतापूर्वक प्राप्त कर सका। उनकी प्रतिबद्धता, नेतृत्व क्षमता एवं प्रशिक्षार्थियों के प्रति सहयोगी दृष्टिकोण ने इस आयोजन को एक प्रेरणादायक एवं अनुकरणीय रूप प्रदान किया।

नर्सिंग स्टॉफ के इस व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम ने प्रतिभागियों को केवल ज्ञानवर्धन का अवसर ही नहीं प्रदान किया, बल्कि उन्हें अपने दैनिक चिकित्सकीय उत्तरदायित्वों के प्रति अधिक सजगए दक्ष और संवेदनशील भी बनाया है। व्यवहारिक प्रशिक्षण, जीवन रक्षक उपायों का सजीव अभ्यास, आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित निर्णय क्षमता का विकास तथा नैतिक एवं मानवतावादी सेवा भावना का सुदृढ़ संचार– इन सभी पहलुओं को इस कार्यक्रम ने एकीकृत रूप से सशक्त किया।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय का यह प्रयास यह दर्शाता है कि संस्था न केवल चिकित्सा शिक्षा प्रदान करने में अग्रणी है, बल्कि वह स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, दक्ष मानव संसाधन निर्माण और मानवीय मूल्यों को साथ लेकर चलने वाली चिकित्सा व्यवस्था के विकास हेतु भी प्रतिबद्ध है।

इस प्रकार के सुदृढ़ प्रशिक्षण कार्यक्रम विश्वविद्यालय की उस प्रतिबद्धता को मूर्त रूप देते हैं, जिसके अंतर्गत वह 'नैतिकता एवं दक्षता आधारित स्वास्थ्य सेवाष् को जन–जन तक पहुंचाने का ध्येय लेकर निरंतर अग्रसर है।

अतिथि व्याख्यान

फैकल्टी ऑफ हेल्थ एंड लाइफ साइंस

महिला हिंसा, रैगिंग, उत्पीड़न, शारीरिक स्पर्श के प्रति जागरूकता विषय पर उद्बोधित करतीं श्रीमती चारु चौधरी

दिनांकः 04 अगस्त, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में फैकल्टी ऑफ हेल्थ एंड लाइफ साइंस एंड फैकल्टी ऑफ मेडिकल साइंस में नव विद्यार्थियों से राज्य महिला आयोग उत्तर प्रदेश की उपाध्यक्ष श्रीमती चारु चौधरी ने दीक्षारंभ में विद्यार्थियों से संवाद कर महिला उत्पीड़न, रैगिंग और अच्छे और बुरे स्पर्श पर चुप्पी तोड़ने के लिए प्रेरित किया ।

श्रीमती चारु चौधरी ने कहा कि समाज में महिला उत्पीड़न के खिलाफ संवेदनशील बनें सहानुभूति से सुनें, साहस से बोलें और न्याय के लिए खड़े होने की आवश्यकता है। महिला सशक्तिकरण के लिए शिक्षित होना आवश्यक है, एक शिक्षित नारी पूरे समाज और परिवार को संबल दे सकती है।

महिला हिंसा, रैगिंग, उत्पीड़न, शारीरिक स्पर्श के प्रति जागरूकता (गुड टच–बैड टच) और लिंग संवेदनशीलता (जेंडर सेंसिटिविटी) जैसे विषय आधुनिक युग में अत्यधिक प्रासंगिक हैं और इन पर खुली चर्चा तथा जागरूकता अत्यंत आवश्यक है।

जेंडर सेंसिटिविटी का विकास समाज को अधिक न्यायपूर्ण, समतामूलक और सुरक्षित बनाता है। सामाजिक बदलाव केवल कानूनों से नहीं आते, बल्कि वह हमारी चेतना, दृष्टिकोण और व्यवहार में बदलाव से आते हैं।

महिला हिंसा, रैगिंग, उत्पीड़न, गुड टच–बैड टच और जेंडर सेंसिटिविटी जैसे विषय केवल चर्चा के नहीं, बल्कि कार्यान्वयन और अभ्यास के क्षेत्र हैं। हमें शिक्षा संस्थानों, परिवारों, सामाजिक संगठनों और सरकार के संयुक्त प्रयासों से ऐसे वातावरण का निर्माण करना होगा जिसमें हर व्यक्ति विशेषकर महिलाएं, बच्चे और समाज के हाशिए पर खड़े लोग स्वयं को सुरक्षित, सम्मानित और आत्मनिर्भर महसूस करें।

महिला उत्पीड़न में घरेलू हिंसा, दहेज प्रताड़ना, यौन उत्पीड़न, मानसिक उत्पीड़न, बाल विवाह, भ्रूण हत्या आदि महिला सशक्तिकरण में बाधा है।

रैगिंग में सीनियर छात्र नवागंतुक छात्रों को अपमानितए प्रताड़ित या भयभीत न करे उन्हें अनुज और मित्रवत व्यवहार कर उनका मार्गदर्शन करे। भारत सरकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) ने रैगिंग को अपराध घोषित किया है। रैगिंग रोकने हेतु हेल्पलाइन, निगरानी कमेटियाँ और सख्त दंड की व्यवस्था की गई है। महिला आयोग पीड़ित व्यक्ति या महिला की पहचान गोपनीय रखता है, उन्हें कानूनी सहायता दी जाती है। बाल यौन शोषण की बढ़ती घटनाएं आज चिंता का विषय हैं।

बच्चे सरलए निश्छल और अबोध होते हैं। उन्हें सही और गलत स्पर्श की पहचान कराना आवश्यक है। जिससे बच्चे को

सुरक्षाए स्नेह और विश्वास का अनुभव होता है। 'ना' कहने की आदत डाले और चुप्पी तोड़े और गलत का विरोध करें।

दीक्षारंभ में अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

सत्र का संचालन डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने किया।

दीक्षारंभ में प्रमुख रूप से डॉ अमित कुमार दुबे, डॉ. प्रेरणा अदिति, डॉ. रश्मि शाही, डॉ. अवैद्यनाथ सिंह, डॉ. पवन कुमार कन्नौजिया, डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव, डॉ. आशुतोष श्रीवास्तव, डॉ. अखिलेश दुबे, डॉ. रश्मि झा, सृष्टि यदुवंशी, अनिल कुमार, अनिल मिश्रा, धनंजय पाण्डेय, डॉ. धिरेन्द्र कुमार सिंह, डॉ. किरन कुमार, श्री अनिल कुमार पटेल, श्री जन्मेजय सोनी, सुश्री मिताली पटेल, श्री अनिल कुमार शर्मा उपस्थित रहे।

विश्व स्तनपान सप्ताह 2025

फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एण्ड पैरामेडिकल

स्तनपान के प्रति जागरूक करतीं छात्राएं

दिनांकः 04 अगस्त, 2025 को फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर में नर्सिंग विभाग के बीएससी नर्सिंग सातवी सेमेस्टर द्वारा अपनी शिक्षिकाओं (मिस सुमन यादव, श्रीमती रिंकी सिंह, डॉ. शालिनी एमडी माइक्रोबायोलॉजी) के मार्गदर्शन में विश्व स्तनपान सप्ताह 2025 के तीसरे दिन का शुभारंभ प्रातः 12:30 बजे महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय के ओपीडी परिसर में किया गया, जिसमें छात्राओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत परिचय और विषय प्रस्तुति के साथ हुई, जिसके बाद छात्राओं ने जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से एक प्रभावशाली नाटक प्रस्तुत किया। इस वर्ष के विषय 'स्तनपान को प्राथमिकता दें। सतत समर्थन प्रणाली बनाएं' के अंतर्गत उन्होंने स्तनपान की प्राथमिकताओं जैसे जन्म के तुरंत बाद स्तनपान शुरुआत, छह माह तक केवल स्तनपान और परिवार एवं स्वास्थ्यकर्मियों के समर्थन को दर्शाया।

नाटक में माताओं को आने वाली सामाजिक व पारिवारिक चुनौतियों और उन्हें दूर करने के उपायों को भी जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गयाए जिसे उपस्थित जनसमूह ने सराहा। नाटक के उपरांत छात्राओं ने चार्ट पेपरों की सहायता से स्तनपान से संबंधित महत्वपूर्ण पहलुओं को समझाया।

उन्होंने स्तनपान की परिभाषा, उद्देश्य, लाभ, तकनीक और महत्व को सरल भाषा में प्रस्तुत किया। बताया गया कि स्तनपान शिशु के लिए पूर्ण आहार है जो न केवल पोषण देता है बल्कि रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाता है और मां–बच्चे के बीच भावनात्मक संबंध मजबूत करता है। तकनीकों में सही लैचिंग, आरामदायक स्थिति और डकार दिलाने की प्रक्रिया को समझाया गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य था जनसमुदाय में स्तनपान के प्रति सकारात्मक सोच को बढ़ावा देना तथा एक सहयोगात्मक वातावरण तैयार करना जिससे माताएं सहजता से स्तनपान करवा सकें।

इस आयोजन से छात्राओ ने सामुदायिक जागरूकता, संवाद कौशल, टीम वर्क, तथा स्वास्थ्य शिक्षा में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया और उन्हें मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में नर्स की भूमिका की गहन समझ भी विकसित हुई। तथा कार्यक्रम के अंत में वहाँ उपस्थित सभी लोगों को जलपान वितरित किया गया।

जटिल-दुर्लभ कैंसर का इलाज

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

असाध्य कैंसर रोग का निदान करते डॉ. संजय माहेश्वरी एवं टीम

दिनांकः 05 अगस्त, 2025 को कैंसर पीड़ितों को अब दुरूह सर्जरी के लिए मुंबई या अन्य बड़े महानगरों की भागदौड़ नहीं करनी पड़ेगी। जटिल और दुर्लभ कैंसर का इलाज अब गोरखपुर के महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय में ही हो जाएगा। कम समय में ही एक के बाद कैंसर की सफल सर्जरी करने वाले इस चिकित्सालय में कन्याकुमारी से आए बुजुर्ग मरीज का विश्व प्रसिद्ध कैंसर सर्जन डॉण् संजय माहेश्वरी के नेतृत्व वाली मेडिकल टीम ने ऑपरेशन कर रेयर पैरोटिड ग्लैंड कैंसर को सफलता पूर्वक हटाया है। यह

चिकित्सालय जटिल कैंसर सर्जरी करने वाले देश के चुनिंदा संस्थानों में शामिल हो गया है।

एमजीयूजी के परिसर में पिछले साल इसके संबद्ध मेडिकल कॉलेज को एमबीबीएस की 100 सीटों की मान्यता मिलने के साथ ही परिसर में महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय भी पूर्ण रूप से क्रियाशील है। अनेक अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से युक्त इस चिकित्सालय में दुनिया के जाने–माने कैंसर सर्जन और एमपी बिरला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. संजय माहेश्वरी की सेवा भी मिलती है।

डॉ. माहेश्वरी महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय में पिछले कुछ महीनों से हो रहे कैंसर के इलाज की जानकारी सुदूर दक्षिण भारत के कन्याकुमारी निवासी 76 वर्षीय एक मरीज को भी हुई थी। (निजता के कारण मरीज के नाम का उल्लेख नहीं किया जा रहा है)। उसकी लार ग्रंथि में जटिल और दुर्लभ रूप से पाए जाने वाले कैंसर की बीमारी थी।

वह कई जगह इलाज कराने के बाद एक नया विश्वास लेकर एमजीयूजी परिसर के महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय आया था।

कन्याकुमारी से आए इस मरीज का गत दिनों सुप्राहायॉइड ब्लॉक विच्छेदन के साथ आरटी साइडेड रेयर पैरोटिड ग्लैंड कैंसर को हटाने के लिए एक जटिल कैंसर की सफल सर्जरी की गई।

सर्जरी करने वाली टीम का नेतृत्व डॉ. संजय माहेश्वरी ने किया जबकि इस मेडिकल टीम में डॉ.सीएम सिन्हा, डॉ. तिवारी, डॉ. नेहा, ओटी व अन्य स्टॉफ शुभ, दीपक, रवि, रघुराम आदि शामिल रहे।

महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय में दुर्लभ किस्म के जटिल कैंसर की सफल सर्जरी पर एमजीयूजी के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने प्रसन्नता की है।

कुलपति ने कहा है कि कन्याकुमारी से आए मरीज का सफल इलाज यह दर्शाता है कि इस चिकित्सालय की ख्याति पूरे देश में विस्तारित हो रही है। गौरतलब हो कि पूर्व में इस चिकित्सालय में कैंसर की मॉडिफाइड रेडिकल मास्टेक्टॉमी (एमआरएम) सर्जरी भी सफलतापूर्वक हो चुकी है।

देश के पूर्वी और दक्षिणी क्षेत्र तक के मरीजों का ससम्मान इलाजः महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय उत्तर प्रदेश के साथ ही देश के अन्य राज्यों के मरीजों के लिए भी विश्वास का बड़ा केंद्र बन रहा है। यहां देश के पूर्वी और दक्षिणी क्षेत्र तक के मरीजों का भावपूर्ण स्वागत और ससम्मान इलाज हो रहा है। कन्याकुमारी से आए मरीज के इलाज से पहले गुवाहाटी के एक आईआईटी छात्र का भी सफल इलाज हो चुका है।

सीएम योगी के विजन से मेडिकल हब बन रहा गोरखपुर : डॉ. माहेश्वरीः सुविख्यात कैंसर सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी का कहना है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन से गोरखपुर देश का ऐसा मेडिकल हब बनने की ओर अग्रसर है जहां भौगौलिक सीमाओं से परे लोगों का विश्वास बढ़ रहा है। सीएम योगी की देखरेख में सरकारी क्षेत्र के साथ ही महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय में चिकित्सा की विश्व स्तरीय सुविधाएं उपलब्ध हैं।

दीक्षारंभ : अतिथि व्याख्यान

तनाव प्रबंधन एवं मानसिक स्वास्थ्य विषय पर ज्ञानार्जन करतीं डॉ. अनुभूति दुबे

दिनांकः 05 अगस्त, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य एवं जीवन विज्ञान संकाय द्वारा आयोजित नवप्रवेशित छात्र उन्मुखीकरण कार्यक्रम के अंतर्गत तनाव प्रबंधन एवं छात्रों का मानसिक स्वास्थ्य विषय पर एक महत्वपूर्ण व्याख्यान का आयोजन किया गया।

मुख्य वक्ता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग की प्रोफेसर एवं डीन, छात्र कल्याण, डॉ. अनुभूति दुबे ने विद्यार्थियों को तनाव से मुक्ति का मंत्र दिया। प्रभावशाली एवं व्यावहारिक प्रस्तुतीकरण में छात्रों को तनाव के कारण, उसके प्रभाव और उससे निपटने की प्रभावी तकनीकों के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

प्रो. अनुभूति दुबे ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में विद्यार्थी जीवन केवल पढ़ाई तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह अनेक मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक चुनौतियों से घिरा हुआ है।

स्वास्थ्य एवं जीवन विज्ञान संकाय

परीक्षा का दबाव, करियर की चिंताए पारिवारिक अपेक्षाए, सामाजिक तुलना और डिजिटल युग की व्यस्तता ये सभी विद्यार्थियों में तनाव को जन्म देते हैं। यदि इस तनाव का समय रहते प्रबंधन नहीं किया जाएए तो यह उनके मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डाल सकता है। तनाव के मुख्य कारण परीक्षा और अंकों का दबाव, समय प्रबंधन में कठिनाई, साथियों के साथ प्रतिस्पर्धाए आत्म–विश्वास की कमी, करियर को लेकर असमंजस, पारिवारिक विवाद, सोशल मीडिया की लतए और नींद या भोजन की अनियमितता शामिल हैं।

विद्यार्थियों को तनाव से मुक्ति के लिए नियमित योगा, रचनात्मक सृजन, आध्यात्मिक संस्कारों और सकारात्मक कार्यों को करने के लिए प्रेरित किया।

स्वस्थ छात्र आत्मविश्वासी, सकारात्मक सोच वाला और सामाजिक रूप से सक्रिय होता है। मानसिक रूप से संतुलित विद्यार्थी न केवल शिक्षा में अच्छा प्रदर्शन करता है, बल्कि जीवन के अन्य क्षेत्रों में भी सफल रहता है।

तनाव प्रबंधन में विद्यार्थी को समय प्रबंधन कर योजनाबद्ध दिनचर्या से तनाव को कम किया जा सकता है।

डॉ. दुबे ने बताया कि कैसे तनाव व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। उन्होंने विद्यार्थियों को यह समझाया कि कैसे सही समय प्रबंधनए सकारात्मक सोच, आत्म–अभिव्यक्ति, डिजिटल डिटॉक्स और मनोवैज्ञानिक प्रतिरक्षा जैसी तकनीकों को अपनाकर तनाव को नियंत्रित किया जा सकता है।

कार्यक्रम के दौरान 'आइस ब्रेकिंग एक्टिविटी' और श्रेड फ्लैग पहचानने जैसे इंटरैक्टिव सत्रों ने छात्रों को आत्मचिंतन और समूह सहभागिता के माध्यम से अपने अनुभव साझा करने का अवसर प्रदान किया।

डॉ. दुबे ने डिजिटल युग में सोशल मीडिया के सकारात्मक और नकारात्मक प्रभावों पर भी रोशनी डाली और बताया कि कैसे 'डिजिटल डिटॉक्स' अपनाकर विद्यार्थी अपने मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं।

इस अवसर पर संकाय के अधिष्ठाता डॉ. सुनील कुमार, शिक्षकों एवं नवप्रवेशित छात्रों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को विश्वविद्यालय जीवन में उत्पन्न होने वाले मानसिक दबाव को समझना और उनसे निपटने के लिए आवश्यक व्यवहारिक ज्ञान और कौशल प्रदान करना था। डॉ. अनुभूति दुबे को उनकी प्रेरणादायक प्रस्तुति और योगदान के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से जैव प्रौद्योगिकी विभाग के डॉ. अमित कुमार दुबे द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव, धनंजय पांडेए, डॉ. आशुतोष श्रीवास्तव, डॉ. प्रेरणा अदिति आदि उपस्थित रहीं।

विश्व स्तनपान सप्ताह 2025

फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एण्ड पैरामेडिकल

स्तनपान के प्रति आम जनमानस को जागरूक करतीं छात्राएं

दिनांकः 05 अगस्त, 2025 को फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर में नर्सिंग विभाग के जीएनएम तृतीय वर्ष के छात्राओं द्वारा अपनी शिक्षिकाओं (मिस श्रद्धा और श्रीमती सुमिता) के मार्गदर्शन में विश्व स्तनपान सप्ताह 2025 के चौथे दिन का शुभारंभ प्रातः 4 बजे महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय के ओपीडी परिसर में किया गया, जिसमें छात्राओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत परिचय और विषय प्रस्तुति के साथ हुई, जिसके बाद छात्राओं ने जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से एक प्रभावशाली नाटक (स्किट) प्रस्तुत किया।

इस वर्ष के विषय 'स्तनपान को प्राथमिकता दें: सतत समर्थन प्रणाली बनाएं' के अंतर्गत उन्होंने स्तनपान की प्राथमिकताओं जैसे जन्म के तुरंत बाद स्तनपान शुरुआत, छह माह तक केवल स्तनपान और परिवार एवं स्वास्थ्य कर्मियों के समर्थन को दर्शाया। नाटक में माताओं को आने वाली सामाजिक व पारिवारिक चुनौतियों और उन्हें दूर करने के उपायों को भी जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया, जिसे उपस्थित जनसमूह ने सराहा।

नाटक के उपरांत छात्राओं ने चार्ट पेपरों की सहायता से स्तनपान से संबंधित महत्वपूर्ण पहलुओं को समझाया।

उन्होंने स्तनपान की परिभाषाए उद्देश्य, लाभ, तकनीक और महत्व को सरल भाषा में प्रस्तुत किया।

बताया गया कि स्तनपान शिशु के लिए पूर्ण आहार है जो न केवल पोषण देता है बल्कि रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाता है और मां–बच्चे के बीच भावनात्मक संबंध मजबूत करता है।

तकनीकों में सही लैचिंग, आरामदायक स्थिति और डकार दिलाने की प्रक्रिया को समझाया गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य था जनसमुदाय में

स्तनपान के प्रति सकारात्मक सोच को बढ़ावा देना तथा एक सहयोगात्मक वातावरण तैयार करना जिससे माताएं सहजता से स्तनपान करवा सकें।

इस आयोजन से छात्राओ ने सामुदायिक जागरूकता, संवाद कौशल, टीम वर्क, तथा स्वास्थ्य शिक्षा में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया और उन्हें मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में नर्स की भूमिका की गहन समझ भी विकसित हुई।

कार्यक्रम के अंत में वहाँ उपस्थित सभी लोगों को जलपान वितरित किया गया।

विभिन्न क्लीनिकों का आयोजन फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एण्ड पैरामेडिकल,

गामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण करतीं छात्राएं

दिनांकः 07 अगस्त, 2025 को फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के नर्सिंग विभाग में अध्ययनरत जीएनएम प्रथम वर्ष के 100 छात्राओं ने अपनी शिक्षिकाओं मिस गरिमा पांडेयएमिस सुधा, मिस प्रिया रायएमिस सुमन एवं श्रीमती सुमिता के कुशल मार्गदर्शन में विभिन्न आयु वर्ग (पांच वर्ष से कम, किशोर, वयस्क एवं बुजुग) के लिए विभिन्न क्लीनिकों का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम में सभी आयु वर्गों के लगभग 35–40 लोग उपस्थित रहे। छात्राओं ने पाँच वर्ष से कम आयु के बच्चों में मानवमितीय माप (जैसे – ऊंचाई, वजन, सिर की परिधिए छाती की परिधिए मध्य ऊपरी भुजा की परिधि एवं पेट की परिधिद्ध का आकलन किया। वयस्कों में सामान्य शारीरिक परीक्षण ;सिर से पांव तकद्ध एवं विभिन्न प्रणालियों से संबंधित प्रणालीगत परीक्षण किए गए। साथ हीए छात्राओं ने सभी आयु वर्गों को स्वस्थ आहार पद्धतिए जीवनशैली में बदलाव एवं व्यक्तिगत स्वच्छता के विषय में भी स्वास्थ्य शिक्षा दी। बच्चों को यह सिखाया गया कि भोजन से पहलेए शौचालय के उपयोग के बादए बाहर से आने पर तथा बीमार महसूस करने पर हाथ धोने की आदत अपनानी चाहिए। हाथ धोने के लिए स्वच्छ पानी का उपयोग करें और कम से कम 20 सेकंड तक हाथों को धोएं। दांतों को दिन में दो बार ब्रश करनाए नाखूनों को नियमित रूप से काटनाए स्वच्छ पानी पीनाए तथा साफ और ताजे खाद्य पदार्थों का सेवन करने पर भी जोर दिया गया। बुजुर्गों को स्वास्थ्य शिक्षा देते समय बताया गया कि उनकी शारीरिक और मानसिक भलाई के लिए संतुलित आहार और स्वच्छता अत्यंत आवश्यक है। उन्हें प्रोटीनए फाइबरए विटामिन और मिनरल्स से भरपूर भोजन लेना चाहिए जिससे वे एक बेहतर और गुणवत्तापूर्ण जीवन जी सकें।

विभिन्न क्लीनिकों का आयोजन फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एण्ड पैरामेडिकल,

दिनांकः 07 अगस्त, 2025 को गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, गोरखपुर के आयुर्वेद संकाय में 1 से 7 अगस्त तक विश्व शिशु स्तनपान सप्ताह एवं संस्कृत सप्ताह का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर जनजागरूकता कार्यक्रम, प्रशिक्षण, प्रतियोगिताएँ एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ आयोजित की गईं।

स्तनपान सप्ताह के अंतर्गत वाद–विवाद, प्रश्नोत्तरी, पोस्टर–मॉडल प्रदर्शनी, Basic Life Support (BLS) प्रशिक्षण तथा कुल पाँच स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन हुआ। गर्भवती महिलाओं, आशा व आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को माँ के दूध के लाभों पर प्रशिक्षण दिया गया। BLS प्रशिक्षण डॉण् संतोष कुमार त्रिपाठी (वरिष्ठ चिकित्सक, जिला अस्पताल, संतकबीर नगर) द्वारा प्रदान किया गया।

'अगस्त को मुख्य प्रेक्षागृह में भव्य समापन समारोह एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुआए जिसमें माननीय कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहें। उनके साथ प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम, उप प्रधानाचार्य डॉ. सुमित नायर एवं चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अवनीश द्विवेदी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

समस्त कार्यक्रमों का संचालन एवं पर्यवेक्षण डॉ. त्रिविक्रम मणि

त्रिपाठी, विभागाध्यक्ष, शिशु एवं बाल रोग विभाग (आयुर्वेद) के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ।

सप्ताह के दौरान संस्कृत सप्ताह भी मनाया गया। डॉ. साध्वी नंदन पाण्डेय के मार्गदर्शन में BAMS प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने भाग लिया तथा मुख्य प्रेक्षागृह में संस्कृत कजरी एवं गीतों की उत्कृष्ट प्रस्तुतियाँ दीं।

माननीय कुलपति महोदय ने इस अवसर पर छात्रों, शिक्षकों एवं आयोजन समिति को बधाई दी तथा आयुर्वेद एवं संस्कृत के समन्वय को मातृ–शिशु स्वास्थ्य संवर्धन की दिशा में एक प्रभावी प्रयास बताया।

विभिन्न क्लीनिकों का आयोजन

फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एण्ड पैरामेडिकल

गामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण करतीं छात्राएं

दिनांकः 11 अगस्त, 2025 को फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के नर्सिंग विभाग में अध्ययनरत बीएससी नर्सिंग सप्तम सेमेस्टर और पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग द्वितीय वर्ष के कुल 50 छात्राओं ने अपनी शिक्षिकाओं मिस गरिमा चौधरी, मिस साक्षी गुप्ता एवं मिस सौम्या के कुशल मार्गदर्शन में विभिन्न आयु वर्ग (पांच वर्ष से कम, किशोर, वयस्क एवं बुजुर्ग) के लिए विभिन्न क्लीनिकों का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम में सभी आयु वर्गों के लगभग 35–40 लोग उपस्थित रहें। छात्राओं ने पाँच वर्ष से कम आयु के बच्चों में मानवमितीय माप (जैस– ऊंचाई, वजन, सिर की परिधि, छाती की परिधि, मध्य ऊपरी भुजा की परिधि एवं पेट की परिधि) का आकलन किया। वयस्कों में सामान्य शारीरिक परीक्षण (सिर से पांव तक) एवं विभिन्न प्रणालियों से संबंधित प्रणालीगत परीक्षण किए गए। साथ ही, छात्राओं ने सभी आयु वर्गों को स्वस्थ आहार पद्धति, जीवनशैली में बदलाव एवं व्यक्तिगत स्वच्छता के विषय में भी स्वास्थ्य शिक्षा दी। बच्चों को यह सिखाया गया कि भोजन से पहले, शौचालय के उपयोग के बाद, बाहर से आने पर तथा बीमार महसूस करने पर हाथ धोने की आदत अपनानी चाहिए। हाथ धोने के लिए स्वच्छ पानी का उपयोग करें और कम से कम 20 सेकंड तक हाथों को धोएं। दांतों को दिन में दो बार ब्रश करना, नाखूनों को नियमित रूप से काटना, स्वच्छ पानी पीना, तथा साफ और ताजे खाद्य पदार्थों का सेवन करने पर भी जोर दिया गया। बुजुर्गों को स्वास्थ्य शिक्षा देते समय बताया गया कि उनकी शारीरिक और मानसिक भलाई के लिए संतुलित आहार और स्वच्छता अत्यंत आवश्यक है। उन्हें प्रोटीन, फाइबर, विटामिन और मिनरल्स से भरपूर भोजन लेना चाहिए जिससे वे एक बेहतर और गुणवत्तापूर्ण जीवन जी सकें तथा जीएनएम प्रथम वर्ष के कुल 50 छात्राओं ने 2 समूह में 2 शिक्षिकाओ (मिस सुमन यादव मिस सुधा यादव) के मार्गदर्शन में खत्रीपुरा गाँव, गोरखपुर में स्थित सामुदायिक क्षेत्र में जन स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम प्रस्तुत किया। जिसमें उन्होंने रोल प्ले, कठपुतली शोए चार्ट पेपर और फ्लैश कार्ड के माध्यम से सुपरफूड्स स्वास्थ्य और कल्याण, नशीली पदार्थों के दुरुपयोग और रोकथाम पर जागरूकता फैलाई। इसमें गाँव के बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएँ और वयस्क उपस्थित थे, पहले समूह ने रोल प्ले के माध्यम से सुपरफूड्स स्वास्थ्य और कल्याण पर बड़े पैमाने पर जानकारी प्रस्तुत की, सुपरफूड्स वे खाद्य पदार्थ होते हैं जो पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं– जैसे कि विटामिन, मिनरल्स, फाइबर, एंटीऑक्सीडेंटए और ओमेगा.3 फैटी एसिड। ये शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं और कई बीमारियों से बचाव करते हैं, सुपरफूड से कई प्रकार के स्वास्थ्य लाभ हैं जैसे की आंवलाविटामिन ब् से भरपूरए रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है, हल्दी एंटी–इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुण अदरकपाचन तंत्र को मजबूत करता है, सर्दी.–जुकाम में लाभकारी तुलसी इम्युनिटी बढ़ाती है, संक्रमण से लड़ने में सहायक होती है, मूंग दालप्रोटीन का अच्छा स्रोत, आसानी से पचती है, बाजराध्रागीफाइबर और आयरन से भरपूर, डायबिटीज में फायदेमंद, अखरोट और अलसी के बीजओमेगा–3 फैटी एसिड, दिल के लिए फायदेमंद, पत्तेदार सब्जियाँ (जैसे पालक) आयरन, कैल्शियम और विटामिन का अच्छा स्रोत है, सुपरफूड्स हमें बीमारियों से बचाने और संपूर्ण स्वास्थ्य बनाए रखने में मदद

करते हैं। लेकिन याद रखें कृ यह कोई चमत्कारी इलाज नहीं है। संतुलित आहारए नियमित व्यायामए और पर्याप्त नींद भी उतने ही जरूरी हैं।

दूसरे समूह ने कठपुतली नाटक के जरिए नशे के दुरुपयोग के दुष्प्रभावों को प्रदर्शित कियाए जहाँ एक परिवार में पिता की शराब की लत के कारण रोज़ झगड़े होते थे। उन्होंने बताया कि नशे की लत से याददाश्त की कमीए मानसिक अस्थिरताए लीवर की बीमारियाँ और सामाजिक समस्याएँ उत्पन्न होती हैं। इसकी रोकथाम के लिए जागरूकता अभियानए परिवार का सहयोगए नशामुक्ति केंद्रों की सहायता और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने पर ज़ोर देना चाहिए। अंतिम समूह ने संक्रामक रोगों की रोकथाम पर रोल प्ले प्रस्तुत कियाए जिसमें गंदे वातावरण में खेलने से बच्चों में डेंगू फैलने की संभावना को दिखाया गया। उन्होंने बताया कि डेंगू के लक्षणों में तेज़ बुखारए सिरदर्दए शरीर पर लाल चकत्ते और कमजोरी शामिल हैं। इसकी रोकथाम के लिए पानी जमा न होने देनाए घर और आसपास की सफाई बनाए रखनाए मच्छरदानी का उपयोग और व्यक्तिगत स्वच्छता का ध्यान रखना आवश्यक है। इस कार्यक्रम का समापन विषयों के संक्षेपण से हुआ जिसमें उन्होंने बताया की स्वच्छताए नशामुक्ति और संक्रामक रोगों की रोकथाम से स्वस्थ जीवन संभव है। छोटे. छोटे सकारात्मक बदलाव लाकर हम अपने समाज को सुरक्षित और खुशहाल बना सकते हैं।

स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम

नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय

स्कूल स्वास्थ्य कार्यकम के दौरान बाल किशोर से स्वास्थ्यवर्धक भोज्य पदार्थ के बारे में मार्गदर्शन करतीं छात्राएं

दिनांकः 12 अगस्त, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंर्तगत संचालित नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय के नर्सिंग विभाग में अध्ययनरत जीएनएम प्रथम वर्ष के कुल 50 छात्राओं ने 2 समूह में 2 शिक्षिकाओ (मिस प्रिया राय, मिस गरिमा पांड) के मार्गदर्शन में खत्रीपुरा गाँव, गोरखपुर में स्थित सामुदायिक क्षेत्र में स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

जिसमें उन्होंने रोल प्लेए कठपुतली शोए चार्ट पेपर और फ्लैश कार्ड के माध्यम से कुपोषण की रोकथाम और नेत्र स्वास्थ्य पर जूही स्मृति बाल विद्या महाविद्यालय में स्वास्थ्य शिक्षा प्रस्तुत की तथा बीएसण्सीण् नर्सिंग सप्तम सेमेस्टर और पोस्ट बेसिक बीएसण्सीण् नर्सिंग द्वितीय वर्ष के कुल 50 छात्राओं ने शिक्षिकाओं मिस गरिमा चौधरी एमिस साक्षी गुप्ता एवं मिस सौम्या के कुशल मार्गदर्शन में विभिन्न आयु वर्ग ;पांच वर्ष से कमए किशोरए वयस्क एवं बुजुर्गद्ध के लिए विभिन्न क्लीनिकों का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम में सभी आयु वर्गों के लगभग 35ृ40 लोग उपस्थित रहे। छात्राओं ने पाँच वर्ष से कम आयु के बच्चों में मानवमितीय माप ;जैसे दृ ऊंचाईए वजनए सिर की परिधिए छाती की परिधिए मध्य ऊपरी भुजा की परिधि एवं पेट की परिधिद्ध का आकलन किया। वयस्कों में सामान्य शारीरिक परीक्षण (सिर से पांव तक) एवं विभिन्न प्रणालियों से संबंधित प्रणालीगत परीक्षण किए गए। स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम में छात्रों ने बताया की जब शरीर को आवश्यक मात्रा में पोषक तत्व ;जैसे प्रोटीनए विटामिनए मिनरल्स आदिद्ध नहीं मिलतेए तो उसे कुपोषण कहते हैंएऔर इसके लक्षणएकमज़ोरी और थकानए वज़न और लंबाई का सही से न बढ़नाएबालों का झड़ना या रुखापनएसूजी हुई पेटएबार. बार बीमार पड़ना आदि हो सकते हैं और इसकी रोकथाम के लिए संतुलित आहार लें दृ जिसमें प्रोटीनए कार्बोहाइड्रेटए वसाए विटामिन और खनिज होंएहरी सब्ज़ियांए फलए दूधए अंडाए दालें और साबुत अनाज खाएंए स्वच्छ पानी पीएं और स्वच्छता का ध्यान रखेंए आंगनवाड़ी और मिड–डे मील योजना का लाभ लें, दैनिक स्वास्थ्य जांच कराएं और आँखों के स्वास्थ्य देखभाल के लिए प्रतिदिन हरी पत्तेदार सब्ज़ियां और गाजर खाएं (विटामिन के लिए), आंखों की सफाई रखें और दिन में दो बार पानी से धोएं, अत्यधिक मोबाइल या टीवी देखने से बचें, पढ़ते समय, पर्याप्त रोशनी का उपयोग करें, धूप में निकलते समय धूप का चश्मा पहनें, अगर आँखों में जलन, धुंधलापन या पानी आता है तो डॉक्टर से सलाह लें। अंत में छात्रों ने बच्चों को पुरस्कार और फल वितरित किया।

रैगिंग के खिलाफ युवा

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेस

एंटी रैगिंग दिवस पर विद्यार्थियों को सम्बोधित करती आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरीधर वेदान्तम

दिनांकः 12 अगस्त, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज आयुर्वेद कॉलेज में रैगिंग के खिलाफ युवा विषय पर एक प्रेरणादायी अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में रैगिंग जैसे अमानवीय और अवैध कृत्य के प्रति जागरूकता फैलाना तथा आपसी सम्मानए भाईचारे और सुरक्षित शिक्षण वातावरण को बढ़ावा देना था। अतिथि वक्ता डॉ. रघु राम आचार, डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर, एमजीयूजी ने अपने संबोधन में रैगिंग के दुष्परिणामो, कानूनी प्रावधानों और पीड़ितों पर पड़ने वाले मानसिक एवं शारीरिक प्रभावों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि रैगिंग केवल एक मज़ाक नहींए बल्कि यह अपराध हैए जो छात्रों के भविष्य और जीवन पर गंभीर असर डाल सकता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ गिरिधर वेदांतम ने की। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को सकारात्मक नेतृत्वए सहयोगी वातावरण और आपसी संवाद को बढ़ावा देना चाहिएए ताकि शिक्षा संस्थान भयमुक्त और सौहार्दपूर्ण बने रहें। कार्यक्रम का संयोजन और संचालन डॉ दीपू मनोहर और नितेश ने किया और आभार ज्ञापन डॉ. मिनी महोदया ने किया।

कार्यक्रम में डॉ. सुमित, डॉ. साध्वी नन्दन पाण्डेय, डॉ. गोपीकृष्ण डॉ. रश्मि सहित सभी प्राध्यापक और सभी विद्यार्थी उपस्थित रहें।

संस्कृत सप्ताह समारोह

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेस

संस्कृत सप्ताह समारोह के दौरान डॉ. प्रांगेश मिश्र को स्मृति ग्रंथ भेंट करते डॉ. रघुराम एवं डॉ. पुरोहित

दिनांकः 13 अगस्त, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर अन्तर्गत गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेजए आयुर्वेद कॉलेज में आज संस्कृत क्लब व संहिता सिद्धांत विभाग द्वारा संस्कृत सप्ताह समारोह के अन्तर्गत विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण के रूप में भारतीय ज्ञान परंपरा में तर्कशास्त्र विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन हुआए जिसे श्री गोरक्षनाथ संस्कृत विद्यापीठ स्नातकोत्तर महाविद्यालयए गोरखनाथ मंदिरए गोरखपुर के दर्शनशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. प्रांगेश मिश्र ने प्रस्तुत करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में संस्कृतमय वातावरण सुखद और

प्रशंसनीय है। तर्कशास्त्र की परंपरा इसके दार्शनिक आधार तथा चिकित्सा एवं आयुर्वेद में इसके व्यावहारिक महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। आचार्य ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में तर्कशास्त्र का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह केवल विचार की शुद्धता और युक्ति का अभ्यास नहीं कराताए बल्कि सत्य और असत्य में भेद करने की क्षमता भी प्रदान करता है।

महर्षि गौतम द्वारा रचित न्यायसूत्र तर्कशास्त्र का मूल आधार माना जाता हैए जिसमें प्रमाणए प्रतिज्ञा हेतु दृष्टांत, उपनय और निगमन जैसे तर्क के अंग स्पष्ट रूप से वर्णित हैं।आज के युग में भी तर्कशास्त्र का महत्व उतना ही है जितना प्राचीन समय में था चाहे वह वैज्ञानिक शोध होए न्यायिक निर्णय हो या हमारे दैनिक जीवन में विवेकपूर्ण निर्णय लेना हो। अतः तर्कशास्त्र का अध्ययन केवल पांडित्य के लिए नहीं, बल्कि सही और सार्थक जीवन दृष्टि के लिए भी आवश्यक है। डॉ. रघुराम आचार ने भी संस्कृत भाषा में अध्यक्षीय भाषण देते हुए संस्कृत भाषा का महत्त्व और आयुर्वेद में उसकी भूमिका पर प्रकाश डाला।

संस्कृति के विविध रंग प्रस्तुत करते हुए विद्यार्थियों ने संस्कृत गीत और संस्कृत नाटक की मनमोहक प्रस्तुति दीए जिसमें भारतीय संस्कृतिए ज्ञान और नैतिक मूल्यों का सुंदर चित्रण हुआ। समारोह के अंत में विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरण किया गया।

प्राचार्य महोदय ने सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए संस्कृत भाषा और भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए निरंतर प्रयास करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम का संयोजक आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय ने मुख्य अतिथि, डॉ रघुराम आचार्य डॉ. मधुसूदन पुरोहित और सभी संकाय और विद्यार्थियों के प्रति आभार ज्ञापित करते हुए कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में हमारे जीवन में अनादि काल से प्रेरणा प्रदान कर रहा है। यह चारों पुरुषार्थ धर्म अर्थ काम और मोक्ष का प्रदाता है।

कार्यक्रम में डॉ. गिरिधर वेदांत, डॉ. शांति भूषण, डॉ. सुमित, डॉ. देवी नायर, डॉ. प्रिया नायर, डॉ. नवीन, डॉ. गोपीकृष्ण आचार्य. डॉ. दीपू मनोहर, डॉ. अर्पित, डॉ. श्रीधर सहित सभी बीएएमएस विद्यार्थी उपस्थित रहें।

नशा मुक्ति अभियान

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज

नशा मुक्ति अभियान पर विद्यार्थियों को उद्बोधन देते डॉ. अवनीश दुबे

दिनांकः 13 अगस्त, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर अन्तर्गत गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, आयुर्वेद कॉलेज में आज अगद तंत्र विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना अष्टावक्र इकाई, आत्रेय इकाई और भारद्वाज इकाई के संयुक्त तत्वावधान में नशा मुक्ति अभियान के अन्तर्गत विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ नशा मुक्ति शपथ के साथ हुआए जिसमें आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय ने नशामुक्ति शपथ सभी विद्यार्थियों और संकाय दिलाते हुए कहा कि

युवा किसी भी राष्ट्र की ऊर्जा होते हैं तथा युवाओं की शक्ति का समाज एवं देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान है। अतः यह अति आवश्यक है कि नशामुक्त भारत अभियान में सर्वाधिक संख्या में युवा जुड़े। देश की इस चुनौती को स्वीकार करते हुए हम आज नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत एक जुट होकर प्रतिज्ञा करते हैं कि न केवल समुदाय, परिवार, मित्र, बल्कि स्वयं को भी नशामुक्त कराएँगे क्योंकि बदलाव की शुरुआत अपने आप से होनी चाहिए।

इसलिए आइए हम सब मिलकर अपने ज़िले गोरखपुर और राज्य उत्तर प्रदेश को नशामुक्त कराने का दृढ निश्चय करें।

मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि अपने देश को नशामुक्त करने के लिए अपनी क्षमता के अनुसार हर सम्भव प्रयास करूँगा।

दिग्विजयनाथ चिकित्सालय के निदेशक डॉ. अवनीश दूबे ने कहा हम सभीस्वयं नशे से दूर रहेंगे तथा समाज में नशा मुक्ति के प्रति जनजागरण करेंगे।हम सभी चिकित्सक अहम भूमिका इसमें निभा सकते हैं।

इसके पश्चात् काय–नशे के

दुष्प्रभाव एवं निवारणष् विषय पर प्रेरक व्याख्यान दिया गया। उन्होंने नशे से होने वाले शारीरिकए मानसिक एवं सामाजिक दुष्परिणामों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए युवाओं को स्वस्थ एवं संयमित जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने नशा मुक्ति अभियान को सफल बनाने के लिए अपने विचार प्रस्तुत किए अंत में प्राचार्य महोदय ने सभी को नशा मुक्त समाज निर्माण हेतु सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मुस्कान ने किया। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम, उप प्राचार्य डॉ. सुमित, अगद तंत्र विभागाध्यक्ष डॉ. रश्मि पुष्पन, डॉ. शांति भूषण, डॉ. अर्पित, सहित सभी प्राध्यापक, चिकित्सक कर्मचारी एवं सभी छात्र–छात्राओं ने भाग लिया।

सामूहिक स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम

फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल

सामूहिक स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम की सुखद अनुभूति

दिनांकः 14 अगस्त, 2025 को फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के अंतर्गत ग्राम खत्रीपुरा में नर्सिंग विभाग के बीएससी नर्सिंग सप्तम सेमेस्टर और जीएनएम प्रथम वर्ष के कुल 110 छात्राओं ने तीन समुहों में अपनी शिक्षिकाओं मिस गरिमा चौधरी, मिस साक्षी गुप्ता एवं मिस सुमन के कुशल मार्गदर्शन में सामूहिक स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में जीएनएम प्रथम वर्ष के 50 विद्यार्थियों ने ग़ैर. संचारी रोग पर भूमिका–नाटक और चार्ट पेपर प्रस्तुति दी।

उन्होंने बताया की ग़ैर–संचारी रोग वे रोग हैं जो एक व्यक्ति से दूसरे में नहीं फैलते, जैसे मधुमेह, उच्च रक्तचाप, कैंसर, हृदय रोग, अस्थमा आदि। इनका मुख्य कारण अस्वास्थ्य कर जीवनशैलीए असंतुलित आहार, शारीरिक निष्क्रियता, तनाव और तंबाकू/मद्यपान जैसे हानिकारक पदार्थों का सेवन है। इस स्वास्थ्य शिक्षा का उद्देश्य समुदाय को इन रोगों के कारण, लक्षण, रोकथाम के उपाय और समय पर जांच के महत्व से अवगत कराना था। कार्यक्रम के दौरान संतुलित आहार, पर्याप्त नींद, नियमित व्यायाम, तनाव प्रबंधन और नशामुक्त जीवन की महत्ता पर विशेष जोर दिया गया। बीएससी नर्सिंग सप्तम सेमेस्टर के 60 विद्यार्थियों ने व्यक्तिगत स्वच्छता और नशा करने के दुष्प्रभाव पर प्रस्तुति दी। उन्होंने रोल प्ले की मदद से बताया किए व्यक्तिगत स्वच्छता में दाँत, बाल, नाखून, त्वचा और कपड़ों की सफाई, स्वच्छ पानी का सेवन और साफ वातावरण बनाए रखने के उपाय आटे है। यह भी बताया गया कि व्यक्तिगत स्वच्छता न केवल रोगों की रोकथाम में सहायक है, बल्कि आत्मविश्वास और सामाजिक स्वीकार्यता भी बढ़ाती है। नशे के दुष्प्रभावों में शारीरिक क्षति, मानसिक असंतुलन, आर्थिक हानि और पारिवारिक–सामाजिक रिश्तों का टूटना शामिल है। छात्रों ने स्लोगन और चित्रों के माध्यम से नशा छोड़ने और स्वस्थ जीवन अपनाने का संदेश दिया।

इस कार्यक्रम से विद्यार्थियों ने समुदाय में प्रभावी संचार, जन –जागरूकता की तकनीक और टीमवर्क के कौशल सीखें। वहीं, ग्रामीण जनता ने यह सीखा कि ग़ैर–संचारी रोगों से बचने के लिए जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव, व्यक्तिगत स्वच्छता और नशा मुक्त रहना बेहद ज़रूरी है। अंत में, कार्यक्रम ने जागरूकता फैलाने के साथ–साथ लोगों में स्वास्थ्य सुधार का उत्साह भी पैदा किया।

स्वतंत्रता दिवस समारोह

फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल

विद्यार्थियों को सम्बोधित करते डॉ. अनुराग श्रीवास्तव

दिनांकः 15 अगस्त, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में 79वां स्वतंत्रता दिवस बड़े उत्साह और देशभक्ति के वातावरण में मनाया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय परिसर में मुख्य अतिथि डॉ. अनुराग श्रीवास्तव प्राचार्य गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल कॉलेज के द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ।

राष्ट्रीय कैडेट् कोर 102 यू पी बटालियन गोरखपुर द्वारा बाघा बॉर्डर रिट्रीट परेड, गार्ड ऑफ आनर और राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों के द्वारा प्रस्तुत परेड आकर्षण का केंद्र

रहा।

ध्वजारोहण के उपरांत मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बलिदान को स्मरण करते हुए कहा कि हम नया एमजीयूजी बनाएंगे जो राष्ट्र प्रथम की भावना से युक्त नए राष्ट्र का निर्माण करेगा।आज का दिन हमें न केवल आज़ादी के महत्व की याद दिलाता है, बल्कि राष्ट्र निर्माण में हमारे कर्तव्यों और योगदान के लिए प्रेरित भी करता है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे शिक्षाए सेवा और अनुशासन के माध्यम से देश की प्रगति में सक्रिय भूमिका निभाएं। हम डिजिटल, हरित, स्वच्छ और स्वस्थ भारत बनाएंगे ।

मुख्य अतिथि डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में स्वतंत्रता सेनानियों के अदम्य साहस, त्याग और राष्ट्र–निर्माण में प्रत्येक नागरिक की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, 'स्वतंत्रता केवल अधिकार नहीं, बल्कि जिम्मेदारी भी है। हमें संविधान के मूल्यों कृन्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्वकृ को जीवन में उतारना होगा। नई पीढ़ी से मेरा आह्वान है कि वे तकनीक, कृषि, शिक्षा और नवाचार के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी करें।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में देशभक्ति गीत, नृत्य, कविताएं एवं नाट्य मंचन प्रस्तुत किए गए, जिनमें स्वतंत्रता संग्राम के प्रेरक प्रसंगों का सजीव चित्रण किया गया। विश्वविद्यालय के सभी राष्ट्रीय सेवा योजना और एनसीसी इकाइयों के स्वयंसेवकों और विभिन्न संकायों के छात्र–छात्राओं ने रंगारंग प्रस्तुतियों के माध्यम से दर्शकों को भावविभोर कर दिया। जहां विश्वविद्यालय के एंटी रैगिंग विभाग द्वारा नाट्य मंचन सभी को एंटी रैगिंग के प्रति प्रेरित किया। वहीं एनसीसी कैडेट्स के द्वारा पहलगाम हमला और आपरेशन सिंदूर सभी में अदम्य साहस और देशभक्ति से ओत–प्रोत किया। सांस्कृतिक प्रस्तुति में लोक एवं शास्त्रीय नृत्य, लघु नाटक/स्किट, रैगिंग मुक्त विश्वविद्यालय परिसर, किसान की जीवन यात्रा के माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम, स्वच्छता, भ्रष्टाचार–निरोध, जल–संरक्षण जैसी समसामयिक विषय–वस्तु पर सशक्त संदेश दिया

कार्यक्रम का संचालन और संयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना और राष्ट्रीय कैडेट कोर द्वारा किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. अखिलेश दुबे के नेतृत्व में सभी इकाइयों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति में प्रतिभाग कर स्वतंत्रता दिवस समारोह को भव्यता दिया। समारोह का धन्यवाद ज्ञापन एसोशिएट एनसीसी ऑफिसर लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप श्रीवास्तव ने किया। सांस्कृतिक प्रस्तुति का संचालन राशि, सृष्टि, सिद्धार्थ, अश्वनी यादव, आशीष और इशानी ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति, गणमान्य अधिकारी, विभिन्न संकायों के डीन, प्राचार्य, प्राध्यापकगण, कर्मचारी, विद्यार्थी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहें।

एंटी रैगिंग : व्याख्यान कार्यक्रम

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज

एंटी रैगिंग व्याख्यान कार्यकम

दिनांकः 18 अगस्त, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय अन्तर्गत गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, आयुर्वेद कॉलेज में सोमवार को रैगिंग मुक्त परिसर बनाए और मित्रता की ओर हाथ बढ़ाए विषय पर आयोजित व्याख्यान कार्यक्रम के साथ एंटी रैगिंग सप्ताह का समापन समारोह संपन्न हुआ।

समारोह की मुख्य अतिथि वरिष्ठ अधिवक्ता सुश्री रूपल त्रिपाठी ने अपने उद्बोधन में कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर का परिसर रैगिंग मुक्त है और आगे भी रहे ऐसा मनसा वाचा कर्मणा प्रयास करना चाहिए।

रैगिंग न केवल दंडनीय अपराध है, बल्कि यह विद्यार्थियों की मानवीय गरिमा और शैक्षिक वातावरण को भी ठेस पहुँचाती है। विद्यार्थियों को मित्रताए सहयोग और आपसी सम्मान की भावना के साथ शिक्षा के लक्ष्य की ओर बढ़ना चाहिए।

अध्यक्षीय भाषण देते हुए डा गोपीकृष्ण आचार्य ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन सदैव रैगिंग की रोकथाम के लिए कृतसंकल्प है और किसी भी शिकायत पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

विद्यार्थियों ने ऐंटी रैगिंग विषय नाट्य मंचन और पोस्टर भी प्रस्तुत किए। सप्ताह कार्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त किए विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र भेंट किए गए।

डॉ. प्रिया नायर ने आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम का संयोजन और संचालन क्रमशः डॉ. दीपू मनोहर, डॉ. मिनी और और खुशी उपाध्याय ने किया। समारोह में डॉ. टी. एम. त्रिपाठी, डॉ. अवनीश, डॉ. साध्वी नन्दन पाण्डेय, डॉ. देवी, डॉ. अर्पित सहित सभी प्राध्यापकगण चिकित्सक और बीएमएस विद्यार्थी उपस्थित रहें।

रोल प्ले और चार्ट प्रदर्शन

फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल

विश्वविद्यालय की छात्राओं द्वारा नौनिहालों को 'गृह दुर्घटना एव उनके रोकथाम' हेतु आयोजित कार्यक्रम

दिनांकः 18 अगस्त, 2025 को फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के नर्सिंग विभाग में अध्ययनरत जीएनएम प्रथम वर्ष के शेष 50 छात्राओं ने दो समूहों में अपनी शिक्षिकाओं मिस सुधा यादव एवं मिस सुमन के मार्गदर्शन में ओंकार नगर स्थित जूही बाल विद्या महाविद्यालय में 'गुड टच और बैड टच' तथा 'गृह दुर्घटना की रोकथाम' विषय पर नाटक (रोल–प्ले) और चार्ट प्रस्तुति द्वारा विद्यालय स्वास्थ्य कार्यक्रम का आयोजन कर ग्रामीणों एवं बच्चों को जागरूक किया।

कार्यक्रम का उद्देश्य समुदाय और विद्यालय के बच्चों को स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं व्यवहार संबंधी सही जानकारी देना था। गुड टच और बैड टच विषय के अंतर्गत छात्रों ने बताया कि गुड टच वह स्पर्श है जो सुरक्षा, स्नेह और विश्वास जगाता है जैसे माता–पिता या शिक्षक का प्यार भरा स्पर्श, जबकि बैड टच वह स्पर्श है जिसमें असहजताए डर और गुप्तता छिपी हो।

इस विषय का उद्देश्य बच्चों को जागरूक करना था ताकि वे किसी भी असुरक्षित परिस्थिति को पहचानकर अपने माता.पिताए शिक्षक या भरोसेमंद व्यक्ति को तुरंत बता सकें। इससे बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ता है और यौन शोषण जैसी समस्याओं की रोकथाम संभव होती है। गृह दुर्घटना की रोकथाम विषय में छात्रों ने बताया कि घर में होने वाली सामान्य दुर्घटनाएँ जैसे बिजली का करंट लगनाए सीढ़ियों से गिरना, आग से जलना, गैस रिसाव, या नुकीली वस्तुओं से चोट लगना बहुत आम हैं। इनकी रोकथाम के लिए सतर्कता और सावधानी आवश्यक है, जैसे – बिजली उपकरणों को सुरक्षित रखना, बच्चों की पहुँच से माचिस, गैस व दवाइयाँ दूर रखना, फर्श को सूखा रखना और प्राथमिक उपचार (फर्स्ट एड) की जानकारी रखना।

इस विषय का उद्देश्य समुदाय को सुरक्षित वातावरण बनाने की शिक्षा देना था ताकि अनचाही दुर्घटनाओं से बचाव हो सके। विद्यार्थियों ने समूह कार्यए संचार कौशल और स्वास्थ्य शिक्षा देने का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया।

वहीं, विद्यालय के बच्चों ने सीखा कि उन्हें अपने शरीर की सुरक्षा स्वयं करनी चाहिए और गलत स्पर्श की जानकारी तुरंत किसी बड़े को देनी चाहिए। यह कार्यक्रम सबके लिए अत्यंत लाभकारी और ज्ञानवर्धक सिद्ध हुआ।

सुवर्णप्राशन

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

सुवर्णप्राशन संस्कार करते चिकित्सक

दिनांकः 21 अगस्त, 2025 को गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, आयुर्वेद संकाय, शिशु एवं बाल रोग विभाग द्वारा चौबेपुर स्थित डी सी एलिमेंट्री स्कूल सहित अन्य बच्चों को सम्मिलित करते हुए कुल लगभग 250 बच्चों का सुवर्णप्राशन (आयुर्वेदिक टीकाकरण) सम्पन्न कराया गया।

इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक श्री विमल चतुर्वेदी ने अपनी प्रेरणादायी पहल से अभिभावकों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया।'आयुर्मेधाबलवान भव'– स्वस्थ, मेधावी और बलवान बाल पीढ़ी की ओर सशक्त कदम। सुवर्णप्राशन, जो प्रत्येक माह पुष्य नक्षत्र के दिन किया जाता है, बच्चों को बार–बार होने वाली बीमारियों से बचानेए उनकी बुद्धि व स्मरणशक्ति को बढ़ाने में अत्यंत उपयोगी माना जाता है।

कार्यक्रम वैदिक मंत्रोच्चार एवं पूर्वाभिमुख विधि से सम्पन्न हुआ।

शैक्षणिक व्याख्यान

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज

मातृ–शिशु स्वास्थ्य और स्वस्थ समाज की परिकल्पना विषय पर सम्बोधित करतीं डॉ. विष्णुमाया

दिनांकः 22 अगस्त, 2025 का महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर अन्तर्गत गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, आयुर्वेद कॉलेज में संहिता सिद्धांत विभाग द्वारा एक शैक्षणिक व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान का विषय चरक संहिता के शारीर स्थान अन्तर्गत जाति सुत्रीय अध्याय रहा।

इस अवसर पर स्त्री एवं प्रसूति तंत्र विभागाध्यक्ष डॉ. विष्णुमाया ने मुख्य वक्ता के रूप में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आयुर्वेद की प्राचीन संहिताएँ केवल चिकित्सा–विज्ञान तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि जीवन की उत्पत्ति, संतति की शुद्धता, मातृ–शिशु स्वास्थ्य और स्वस्थ समाज की परिकल्पना तक का गहन विवेचन प्रस्तुत करती हैं। उन्होंने बताया कि जाति सुत्रीय अध्याय में गर्भ की उत्पत्ति, मातृ एवं पितृ योगदान, आहार–विहार, मानसिक स्थिति तथा पर्यावरणीय प्रभावों का अत्यंत सूक्ष्म और वैज्ञानिक वर्णन मिलता है। यह अध्याय बताता है कि संतानोत्पत्ति केवल जैविक प्रक्रिया नहीं हैए बल्कि इसमें आचार, विचार और भावनाओं का भी महत्वपूर्ण योगदान होता है।

उन्होंने यह भी कहा कि चरक संहिता का यह अध्याय आधुनिक प्रसूति विज्ञान और स्त्री–रोग विज्ञान की अवधारणाओं से मेल खाता है। गर्भावस्था के समय माता के आहारए दिनचर्या और मनोभाव का शिशु के शारीरिक एवं मानसिक विकास पर गहरा प्रभाव पड़ता है। इसीलिए आयुर्वेद में 'गर्भिणी परिचर्या' का विशेष उल्लेख किया गया है, जिसका उद्देश्य स्वस्थ संतान एवं निरोगी समाज का निर्माण है। डॉ. विष्णुमाया ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि आयुर्वेद की शाश्वत शिक्षाओं को आधुनिक चिकित्सा दृष्टिकोण के साथ जोड़कर अध्ययन करना चाहिए, ताकि समाज को लाभ मिल सके।

कार्यक्रम में संहिता सिद्धांत के विभागाध्यक्ष डॉ. शांति भूषण ने विषय की महत्ता पर प्रकाश डाला और विद्यार्थियों को इस ज्ञान के व्यावहारिक पक्ष को समझने के लिए प्रोत्साहित किया।

इस अवसर पर आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय आभार ज्ञापन करते हुए कहा कि आयुर्वेद की प्राचीन ज्ञान आज भी वैज्ञानिक दृष्टिकोण से उतनी ही प्रासंगिक हैं और इन्हें चिकित्सा शिक्षा के प्रत्येक स्तर पर अध्ययन करना आवश्यक है।

कार्यक्रम का संचालन शगुन ने किया। कार्यक्रम में उप–प्राचार्य डॉ. सुमित सहित सभी प्राध्यापक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विशेष व्याख्यान

फैकल्टी ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेस

दिनांकः 22 अगस्त, 2025 का महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के फैकल्टी ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेस के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा 'Bachelor of Pharmacy provides a wide array of career paths' विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया।

इस व्याख्यान में मुख्य वक्ता कॉग्निजेंट बिजनेस कंसल्टिंग– (हेल्थ साइंसेस) के कंसल्टिंग मैनेजर श्री सर्वेश कुमार सिन्हा जी रहें। सत्र की शुरुआत में फैकल्टी आफ फार्मास्यूटिकल साइंसेस के डीन डॉ. एम. एन. पुरोहित ने मुख्य अतिथि श्री सर्वेश कुमार सिन्हा का स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया।

श्री सर्वेश कुमार सिन्हा ने अपने संबोधन में छात्रों को फार्मेसी क्षेत्र में उपलब्ध विभिन्न करियर विकल्पों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने यह भी बताया कि आज के युग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) किस प्रकार फार्मेसी उद्योगों में उपयोगी साबित हो रहा है। उन्होंने इसके लाभ और हानियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यदि इसका सही उपयोग किया जाए तो यह शोध, दवा विकास, और रोगी देखभाल में क्रांतिकारी परिवर्तन ला सकता है।

इसके दौरान कुछ छात्रों ने एआई के उद्योग में उपयोग को लेकर श्री सर्वेश

कुमार सिन्हा से प्रश्न भी किए।

इन छात्रों में चंदन यादव, आदित्य कुमार यादव, मोहम्मद साहिल, विश्वजीत सिंह और दीनदयाल गुप्ता शामिल रहें।

उसके पश्चात उन्होंने कहा कि फार्मेसी स्नातकों के लिए अनुसंधान एवं विकास, क्वालिटी कंट्रोल और क्वालिटी एश्योरेंस, क्लिनिकल रिसर्च, रेगुलेटरी अफेयर्स, फार्माकोविजिलेंस, मार्केटिंग और सेल्स, तथा शैक्षणिक क्षेत्र जैसे अनेक अवसर उपलब्ध हैं।

उन्होंने बताया कि छात्र अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार इन क्षेत्रों में न केवल बेहतर करियर बना सकते हैं बल्कि दवा उद्योग और स्वास्थ्य सेवाओं में महत्वपूर्ण योगदान भी दे सकते हैं।

अपने करियर अनुभवों को साझा करते हुए उन्होंने छात्रों को प्रेरित किया कि वे मेहनत, कौशल और निरंतर सीखने की भावना के साथ फार्मेसी के विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ें, क्योंकि इस क्षेत्र में उज्ज्वल भविष्य और असीम संभावनाएँ मौजूद हैं।

सत्र के अंत में डॉ. एम. एन. पुरोहित ने मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि श्री सिन्हा के विचार न केवल छात्रों के लिए मार्गदर्शक हैं

बल्कि उन्हें भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए भी प्रेरित करेंगे।

इस अवसर पर फार्मेसी संकाय के शिक्षकगण श्री दीपक कुमार और सुश्री नंदिनी जायसवाल भी उपस्थित रहे।

इस कार्यक्रम का संचालन बीण्फार्मा तृतीय वर्ष की छात्रा पल्लवि गुप्ता ने व धन्यवाद ज्ञापन श्रुति सोनकर ने किया।

सप्त दिवसीय व्याख्यानमाला

स्थापना दिवस समारोह शुभारंभ

सप्तदिवसीय स्मृति में व्याख्यानमाला में विद्यार्थियों को सम्बोधित करते डॉ. केआरसी रेड्डी

दिनांकः 22 अगस्त, 2025 को युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की पावन स्मृति में सप्त दिवसीय व्याख्यानमाला का आयोजन महायोगी गोरखनाथ विष्वविद्यालय गोरखपुर में एवं विष्वविद्यालय के चतुर्थ स्थापना दिवस सप्ताह के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. क.रामाचन्द्रा रेड्डी व डॉ. अनुराग श्रीवास्तव की अध्यक्षता में हर्षोल्लास के साथ आयोजन किया गया।

इस अवसर पर विष्वविद्यालय परिवार ने एकजुट होकर संस्थान की अब तक की उपलब्धियों का स्मरण किया और भविष्य की योजनाओं को मूर्त रूप देने का संकल्प लिया।

उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. डॉ. के. रामाचन्द्रा रेड्डी, कुलपति, महायोगी गोरखनाथ आयुष विष्वविद्यालय, गोरखपुर ने अपने उद्बोधन में कहा कि महायोगी गोरखनाथ विष्वविद्यालय न केवल पूर्वी उत्तर प्रदेश परन्तु सम्पूर्ण राष्ट्र में आयुर्वेद, नर्सिंग, पैरामेडिकल और आधुनिक चिकित्सा के क्षेत्र में नए प्रतिमान प्रतिदिन स्थापित कर रहा है। विश्वविद्यालय के संस्थापकों द्वारा पूर्वी उत्तर प्रदेश में जिस प्रकार शिक्षा का अलख जगाकर समाज में व्याप्त विभिन्न कुरीतियों का मर्दन कर सामाजिक समरसताए 'सर्व धर्म सम्भाव' का सूत्रपात किया है जिसके प्रति हम सभी सदैव ऋणी है और रहेंगे। गोरक्षपीठ नाथ संप्रदाय का एक प्रधान केन्द्र है। नाथ सम्प्रदाय के ऋषियों द्वारा योग, आयुर्वेद के साथ–साथ समाज की विभिन्न अवस्थाओं पर जाकर सामाजिक उत्थान सामाजिक सौहार्द का अक्षुण्य कार्य का सूत्रपात किया है। इसी क्रम में महायोगी गोरखनाथ विष्वविद्यालय अपने संस्थापकों के कर्मो अनुरूप चिकित्सा की विभिन्न विधाओं में अपनी सहभागिता के लिए न केवल पूर्वी उत्तर प्रदेष में ही जाना जाता है अपितु इतने अल्प समय में पूरे विश्व पटल पर अपना स्थान प्रतिष्ठित किया है तथा इसी दिशा में सतत् अग्रगामी है।

उन्होंने यह भी कहा कि नाथ संप्रदाय का योग और आयुर्वेद पर बल देना आज के समय में और भी प्रासंगिक है, क्योंकि आधुनिक जीवनशैली से उत्पन्न रोगों के समाधान में यह परंपरा अत्यंत सहायक है जिसका प्रमाण कोराना महामारी में देख चुके हैं।

विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस समारोह का आयोजन विष्वविद्यालय परिवार को ऊर्जावान कर नई स्फूर्ति प्रदान करती है ऐसे आयोजन हमें हमारे कर्त्तव्यों के प्रति

निष्ठावान बनाते है एवं भविष्य के योजनाओं एवं चुनौतियों के लिए में प्रेरणा प्रदान करता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे

अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि स्थापना दिवस एवं संस्थापक स्मृति व्याख्यानमाला का आयोजन करना केवल हमारे लिए एक उत्सव ही नहीं परन्तु यह हम सबके लिए एक शुभ अवसर प्रदान करता है जिसमें हम सब विश्वविद्यालय की सामाजिक उपयोगिता के साथ–साथ शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से अपनी उपस्थिति का समाज को सतत् अनुभव कराकर नए कार्ययोजना का सूत्रपात करते है। पिछले चार वर्षों में विष्वविद्यालय ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शोध–कार्य में निरंतर प्रगति की है। आने वाले समय में हमारा लक्ष्य है कि हम छात्रों को वैष्विक स्तर की शिक्षा उपलब्ध कराएं और समाज के वंचित वर्गों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुँचा कर उन्हें कृत.कृत कर विश्वविद्यालय की परिकल्पना को स्थापित कर सकें।

विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस एवं संस्थापक स्मृति व्याख्यानमाला के अवसर पर अगले सात दिनों तक होने वाली विभिन्न गतिविधियों की रूपरेखा कार्यक्रम संयोजक प्रा. शशिकांत सिंह जी द्वारा प्रस्तुत की गई।

अतिथि स्वागत, उद्बोधन, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांत द्वारा किया गया एवं आभार ज्ञापन प्रो. शशिकांत सिंह ने किया। समारोह का संचालन विश्वविद्यालय की छात्रा खुशी उपाध्याय और श्रेया सिंह ने किया।

समारोह का शुभारंभ विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों (कुलगीत कनिका और आशीष चौधरी) द्वारा सरस्वती प्रार्थना कुलगीत एवं स्वागतगीत का गायन किया गया।

कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों द्वारा राष्ट्रीय गीत का गायन कर विश्वविद्यलय स्थापना दिवस एवं सप्तदिवसीय संस्थापक स्मृति व्याख्यानमाला के प्रथम दिवस का समारोप किया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कृषि संकाय के डीन डॉ. विमल दूबे, आयुर्वेद कॉलेज के उप प्राचार्य डॉ. सुमित विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, प्राध्यापकों सहित विद्यार्थी उपस्थित रहें।

फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यशाला

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय

एक दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यशाला का आयोजन

दिनांकः 23 अगस्त, 2025 को शिक्षाए शोध एवं नवाचार के क्षेत्र में उत्तरोत्तर प्रगति की ओर अग्रसर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालयए गोरखपुर में एक दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यशाला के मुख्य विषय जनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (Generative AI) में नवीनतम प्रवृत्तियाँ एवं शैक्षणिक और औद्योगिक उपयोगिताष। पर मुख्य अतिथि सुश्री स्वाति उप्पदीए संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारीए फ्यूचर ओएसण् (Future OS) ने अपने उद्बोधन में जनरेटिव एआई की कार्यप्रणाली, विकास यात्रा एवं इसकी सामाजिक और व्यावसायिक उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहाए जनरेटिव एआई आज के डिजिटल युग की सबसे क्रांतिकारी तकनीकों में से एक है, जो आने वाले वर्षों में लगभग हर उद्योग क्षेत्र को प्रभावित करेगी।

इस कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षकों को नवीनतम तकनीकी प्रवृत्तियों, विशेष रूप से जनरेटिव एआई की गहराई से समझ प्रदान करना तथा उसे शिक्षण, अनुसंधान और उद्योग में प्रभावी रूप से लागू करने की दिशा में मार्गदर्शन देना था। कार्यशाला का उद्घाटन डॉ. एम. एन. पुरोहित, निदेशक –प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट अधिकारी, के करकमलों द्वारा किया गया।

कार्यशाला में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित श्री सतीश कारी, वरिष्ठ परियोजना प्रबंधक, ट्रेंडेंस इंक ने जनरेटिव एआई के क्षेत्र में हो रहे बदलाव पर कहा कि जनरेटिव एआई न केवल कंटेंट निर्माण में उपयोगी है, बल्कि डिजाइन, उत्पाद विकास, स्वास्थ्य सेवाए वित्तीय विश्लेषण एवं साइबर सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में भी इसका प्रभावी उपयोग हो रहा है। उन्होंने वास्तविक औद्योगिक उदाहरणों के माध्यम से प्रतिभागियों को यह समझाया कि किस प्रकार एआई कार्यस्थल को अधिक कुशल एवं उत्तरदायी बना रहा है। इसके अतिरिक्त, कार्यक्रम में विशिष्ट वक्ता के

रूप में उपस्थित थे श्री बालाजी वुप्पुलुरी, वरिष्ठ प्रबंधक, अमेरिकन एक्सप्रेस, जो एक सफल उद्यमी और सॉफ्टवेयर विकास विशेषज्ञ भी हैं।

उन्होंने सॉफ्टवेयर उद्योग में जनरेटिव एआई के नवाचारों एवं कार्यप्रवाह में इसके प्रभाव की विस्तृत जानकारी साझा की।

उन्होंने कहा कि एआई का प्रयोग अब कोड जनरेशन, ऑटोमेटेड टेस्टिंग एवं यूजर इंटरफेस डिजाइनिंग जैसे क्षेत्रों में हो रहा है जिससे समय एवं लागत दोनों की बचत हो रही है।

कार्यशाला का संचालन एवं समन्वयन डॉ. एम. एन. पुरहित निदेशक (प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रमुख) द्वारा किया गया।

उन्होंने जनरेटिव एआई के भविष्य और शिक्षा क्षेत्र में इसके संभावित अनुप्रयोगों की चर्चा की।

डॉ. एम. एन. ने कहा, यह आवश्यक है कि शिक्षकगण तकनीकी प्रगति के साथ कदम से कदम मिलाकर चलें। विश्वविद्यालय में इस प्रकार की कार्यशालाएं शिक्षकों के ज्ञानवर्धन और छात्रों को उद्योगोन्मुख शिक्षा प्रदान करने में सहायक सिद्ध होंगी।

कार्यशाला में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के प्राध्यापकों, शोधार्थियों एवं तकनीकी विशेषज्ञों ने सहभागिता की। सभी प्रतिभागियों को कार्यशाला के अंत में प्रमाण. पत्र प्रदान किए गए।

प्रतिभागियों ने कार्यशाला की विषयवस्तु, विशेषज्ञों के व्याख्यान एवं तकनीकी सत्रों की गुणवत्ता की सराहना की और कहा कि इस प्रकार के आयोजन उन्हें तकनीकी रूप से अधिक दक्ष बनाने में सहायक सिद्ध होंगे।

कार्यशाला के अंत में धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के विभागाध्यक्ष द्वारा प्रस्तुत किया गया।

उन्होंने सभी अतिथियों, वक्ताओं, आयोजकों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया और आश्वस्त किया कि भविष्य में भी विश्वविद्यालय इस प्रकार की शिक्षाप्रद एवं नवाचारोन्मुख कार्यशालाओं का आयोजन करता रहेगा।

कार्यक्रम का मंच संचालन अनुप मिश्रा द्वारा किया गयाए जिन्होंने अपने सटीक संचालन से सत्र को प्रभावी रूप से किया इस कार्यक्रम मे डॉ. विन्नम शर्मा, धनंजय पाण्डेय एवं सभी विभाग के विभागध्यक्ष एवं सभी शिक्षक गण मौजूद रहें।

कार्यक्रम के अंत मे प्राची यादव द्वारा सभी का आभार ज्ञापन किया गया एवं कार्यक्रम का समापन किया।

सप्त दिवसीय व्याख्यानमाला

स्थापना दिवस समारोह शुभारंभ

सप्तदिवसीय स्मृति में व्याख्यानमाला में विद्यार्थियों को सम्बोधित करते डॉ. अनुराग श्रीवास्तव एवं उन्हें स्मृति चिन्ह् भेंट करते डॉ. शशिकांत सिंह

दिनांकः 24 अगस्त, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के सप्तदिवसीय चतुर्थ स्थापना दिवस सप्ताह के अंतर्गत आज दिनांक 24 अगस्त 2025 को आयुर्वेद बहुउद्देशीय हॉल में 'स्वास्थ्य सेवा की वर्तमान चुनौतियाँः बेहतर भविष्य हेतु जटिलताओं का समाधान' विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों और संकाय को वर्तमान स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र की चुनौतियों तथा उनके समाधान के प्रति जागरूक करना था।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और राष्ट्रगान के साथ हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता श्री गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्राचार्य डॉक्टर अनुराग श्रीवास्तव जी ने व्याख्यान के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं की वर्तमान जटिलताओं जैसेकृसमान स्वास्थ्य सेवा की उपलब्धता, गुणवत्ता, प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों की कमी, बढ़ती बीमारियों का बोझ, आधुनिक तकनीक का समुचित उपयोग और स्वास्थ्य नीतियों की चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

साथ ही यह भी बताया गया कि इन समस्याओं का समाधान बहु–आयामी दृष्टिकोण से ही संभव है, जिसमें सरकार, स्वास्थ्यकर्मी, शोधकर्ता और समाज सभी की सहभागिता आवश्यक है।

भविष्य की संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए विशेषज्ञों ने कहा कि डिजिटल हेल्थ और टेलीमेडिसिन स्वास्थ्य सेवा पहुँचाने का एक बड़ा माध्यम बन सकते हैं, विशेषकर ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में।

वहीं, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा एनालिटिक्स के माध्यम से

बीमारियों की शुरुआती पहचान, सटीक निदान और व्यक्तिगत उपचार योजनाएँ संभव हो सकती हैं। इसके साथ ही, ई–हेल्थ रिकॉर्ड और मोबाइल हेल्थ एप्स स्वास्थ्य प्रबंधन को और अधिक सुगम बना रहे हैं। विशेष रूप से नर्सों और स्वास्थ्यकर्मियों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा गया कि वे मरीजों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवा पहुँचाने, जागरूकता फैलाने तथा प्राथमिक स्तर पर रोग प्रबंधन में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में छात्र स्वयंसेवकों दीनदयाल गुप्ता, आदित्य राज सहानी, अर्पिता जायसवाल, शिवानी यादव एवं विवेक मिश्रा का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन सिद्धार्थ दुबे (बी. फार्मा, द्वितीय वर्ष) ने किया। कार्यक्रम के अंत में फैकल्टी आफ फार्मास्यूटिकल साइंसेस के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) शशिकांत सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

स्थापना दिवस

टेबल टेनिस में प्रतिभाग करते विश्वविद्यालय के विद्यार्थी

खेल दिवस

दिनांकः 24 अगस्त, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के चौथे स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में खेल दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का सफलतापूर्वक आयोजन हुआए जिनमें मुख्य रूप से टेबल टेनिस (बालक एवं बालिका वर्ग) तथा बैडमिंटन (बालक एवं बालिका वर्ग) की प्रतियोगिताएँ सम्मिलित रहीं।

कार्यक्रम का संचालन खेल समिति द्वारा किया गया तथा निर्णायक के रूप में श्री अनिल पटेल सर ने बैडमिंटन एवं टेबल टेनिस प्रतियोगिता का मूल्यांकन किया।

इस खेल दिवस में छात्र. छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया और अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विश्वविद्यालय परिवार ने सभी प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दी।

अतिथि व्याख्यान

दर्शन : समग्र जीवन की आधारशिला विषय पर आयोजित व्याख्यान

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज

दिनांकः 25 अगस्त, 2025 को गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज आयुर्वेद कालेज के सभागार में 'दर्शन : समग्र जीवन की आधारशिला' विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो. द्वारकानाथ, पूर्व विभागाध्यक्ष, दर्शनशास्त्र विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय एवं योगीराज बाबा गम्भीरनाथ यूजीसी चेयर प्रोफेसर ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि दर्शन केवल शास्त्र नहींए बल्कि समग्र जीवन की दिशा प्रदान करने वाला मार्ग है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारतीय दर्शन हमें यह सिखाता है कि जीवन केवल भौतिक उपलब्धियों से ही सफल नहीं होता, बल्कि आत्मिक शांति, नैतिक आचरण और समाज के प्रति उत्तरदायित्व ही उसकी असली पहचान है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि गीता का कर्मयोग हमें कर्तव्य पालन की प्रेरणा देता हैए उपनिषद आत्मा और परमात्मा के संबंध को समझाते हैं और जैन–बौद्ध दर्शन करुणा एवं अहिंसा के महत्व को स्थापित करते हैं। इसी प्रकार आज के तनावग्रस्त जीवन में यदि दर्शन और योग को व्यवहारिक जीवन में उतारा जाए तो यह मानसिक शांति, पारस्परिक सद्भाव और सामाजिक समरसता की नींव रख सकता है।

उन्होंने कहा कि वेद मानव जीवन के लिए आचार संहिता प्रस्तुत करते हैं। यदि हम अपने ज्ञान एवं विवेक का समुचित प्रयोग करें तो न केवल व्यक्तिगत दुःखों का निवारण संभव है, बल्कि समाज में स्थायी शांति और सद्भाव भी स्थापित किया जा सकता है। उन्होंने इस तथ्य पर बल दिया कि लोभ, अहंकार और वासनाएँ ही दुःख का कारण हैं, जबकि संयम, साधना और आत्मचिंतन से जीवन में संतुलन संभव है। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे वैदिक आदर्शों को आत्मसात कर आत्मोन्नति तथा राष्ट्रोत्थान में योगदान दें।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य डॉ. गिरिधर

वेदांतम ने कहा कि दर्शन का वास्तविक उद्देश्य जीवन को संतुलित, अनुशासित और सार्थक बनाना है।

उन्होंने कहा कि आज की तेज़ रफ्तार और भौतिकतावादी दुनिया में समग्र जीवन की आधारशिला के रूप में दर्शन विषय अत्यंत प्रासंगिक है, क्योंकि यह व्यक्ति को आत्मचिंतनए नैतिक मूल्यों और समाजोपयोगी जीवन की ओर प्रेरित करता है।

इस अवसर पर आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय ने स्वागत भाषण देते हुए मुख्य अतिथि का अभिनंदन किया और विषय की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि दर्शन की शिक्षा से ही जीवन के विविध आयामों में संतुलन एवं समरसता संभव है।

अंत में डॉ. विनम्र शर्मा ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों एवं आयोजन समिति का आभार प्रकट किया। कार्यक्रम का संचालन बीएएमएस विद्यार्थी शिवानी ने किया।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप उप प्राचार्य डॉ. सुमितए डॉ. शांति भूषण, डॉ. संध्या पाठक, आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय डॉ. नवीन, डॉ. गोपीकृष्ण, डॉ. अर्पित, डॉ. त्रिविक्रम मणि त्रिपाठी सहित सभी प्राध्यापक और विद्यार्थी उपस्थित रहें।

स्थापना दिवस

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय

सप्तदिवसीय स्मृति में व्याख्यानमाला में विद्यार्थियों को सम्बोधित करते पद्मश्री डॉ. राम चेत चौधरी एवं स्मृति चिन्ह् भेंट डॉ. विमल दुबे

दिनांकः 26 अगस्त, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कृषि संकाय द्वारा आयोजित चतुर्थ स्थापना दिवस सप्ताह समारोह एवं युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज तथा राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की पुण्य स्मृति में सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के पंचम दिवस पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में पद्मश्री से सुशोभित, प्रख्यात कृषि वैज्ञानिक एवं खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO) संयुक्त राष्ट्र के पूर्व समन्वयक (डॉ.) राम चेत चौधरी उपस्थित रहें। अपने संबोधन में डॉ. चौधरी ने 'पूर्वांचल में काला नमक चावल के योगदान की विकास यात्रा' विषय पर विशेष व्याख्यान प्रस्तुत करते हुवे काला नमक चावल के ऐतिहासिक महत्व, पारंपरिक खेती की पद्धतियों, पोषण एवं औषधीय गुणों तथा इसके संरक्षण एवं प्रसार के प्रयासों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

उन्होंने बताया कि यह धान न केवल पूर्वांचल की पहचान है, बल्कि किसानों की आजीविका और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने का माध्यम भी है। उन्होंने किसानों और युवाओं से आह्वान किया कि इस धरोहर फसल को आधुनिक तकनीक और विपणन के साथ जोड़कर वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठा दिलाने जाने पर जोर दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. मधुसूदन पुरोहित, अधिष्ठाता, फैकल्टी ऑफ फार्मेसी, उद्यमिता एवं स्टार्टअप ने की।

उन्होंने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि काला नमक चावल हमारी परंपरा और वैज्ञानिकता दोनों का अद्भुत संगम है। इसके संवर्धन से क्षेत्र की कृषि और अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिल सकती है।

कार्यक्रम में अतिथियों स्वागत करते हुवे कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दूबे ने आज के कार्यक्रम के उद्देश्य और महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह व्याख्यानमाला युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज तथा राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की पुण्य स्मृति में आयोजित की जा रही है, दोनों युग पुरुषों का जीवन चरित्र व उनके द्वारा समाज के दिए गए योगदान, सदैव स्मरणीय हैं।

कार्यक्रम की समाप्ति में धन्यवाद ज्ञापन करते हुवे डॉ. आयुष कुमार पाठक, सहायक प्राध्यापक, कृषि संकाय ने सभी अतिथियों, प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया और कहा की आज का व्याख्यान न केवल ज्ञानवर्धक रहा बल्कि छात्रों के लिए एक नयी प्रेरणा देने वाला भी रहा।

इस अवसर पर डॉ. विकाश कुमार यादव, डॉ. सास्वती प्रेमकुमारी, डॉ, नवनीत सिंह, डॉ. सच्चिदानंद सिंह, फार्म सहायक श्री सुरेश निषाद तथा कृषि संकाय के समस्त छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

स्थापना दिवस

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय

विद्यार्थियों को उद्बोधन देते डॉ. प्रदीप कुमार श्रीवास्तव

दिनांकः 26 अगस्त, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के चतुर्थ स्थापना दिवस एवं युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की स्मृति में संयोजित सात दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला के पंचम दिवस पर स्वास्थ्य एवं जीवन विज्ञान संकाय द्वारा विश्वविद्यालय के बहुउद्देशीय सभागार में 'भारतीय ज्ञान परंपराः एक महान विरासत' विषय पर व्याख्यान डॉ. प्रदीप कुमार श्रीवास्तव जी द्वारा दिया गया।

व्याख्यान के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता सीएसआईआर केंद्रीय औषधी अनुसंधान संस्थान लखनऊ के पूर्व उप–निदेशक (वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक) डॉ. प्रदीप कुमार श्रीवास्तव द्वारा 'भारतीय ज्ञान परंपराः एक महान विरासत' पर ज्ञानवर्धक उद्बोधन प्राप्त हुआ जिसमे उन्होंने कहा की वैदिक काल के वैज्ञानिक ज्ञान भारत को न केवल उसकी सांस्कृतिक पहचान के साथ–साथ आध्यात्मिक पक्ष को भी वैश्विक पटल पर स्थापित कर मानवी सभ्यता को संतुलित जीवनशैली अपनाने की प्रेरणा प्रदान करता है। आजके परिदृश्य में हमें आवश्यकता है इस कि एसे गौरवशाली एवं महान धरोहर को आधुनिक संदर्भ में पुनर्परिभाषित कर, उसे संरक्षित, संवर्धित और प्रचारित करने की ताकि ये ज्ञान परंपरा आनेवाली पीढ़ियों के लिए एक वरदान बन सके। भारत, एक प्राचीन और समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा वाला देश, जिसकी जड़ें हजारों वर्षों पूर्व की सभ्यताओं में गहराई तक फैली हुई हैं। यहां की पारंपरिक ज्ञान प्रणाली न केवल भारत की सांस्कृतिक आत्मा की प्रतीक है, बल्कि यह मानवता को प्रकृति, जीवन और ब्रह्मांड के साथ संतुलन में रहने की शिक्षा भी देती है। यह ज्ञान जीवन के हर क्षेत्र में चिकित्सा, गणित, खगोल विज्ञान, वास्तुकला, संगीत, नृत्य, कृषि, योग, आध्यात्म और सामाजिक व्यवस्था में व्याप्त है। डॉ. प्रदीप ने विद्यार्थियों को विज्ञान के साथ पर्यावरण संरक्षण, घरेलू औषधियों, सोशल डिस्टेंसिंग, पुरातत्विक विश्लेषण को कार्टून के माध्यम से संवाद कर विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परंपरा से जोड़ा।

उन्होंने आगे कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा की उपयोगिता को हम सब ने हाल ही में कोरोना महामारी के समय में देखा है कि कैसे गिलोय, आंवला, पीपल, सीता–अशोक एवं वट–वृक्ष मानव जीवन के संरक्षण में उपयोगी साबित हुआ है। यह ज्ञान भगवान राम के वनगमन के दौरान पंचवटी में भी उपलब्ध थे जिनका औषधीय प्रमाण रामचरितमानस में विद्यमान है।

इसी क्रम में विद्यार्थियों द्वारा भारतीय ज्ञान परंपरा से सम्बंधित जिज्ञासाओं एवं प्रश्नों का उत्तर देते हुए डॉ. प्रदीप श्रीवास्तव जी ने अपने उद्गार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा की महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के विद्यार्थियों का भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रति उत्साह इस विश्वविद्यालय के संस्थापकों परिकल्पना के अनुरूप है मेरे अनुसार यही किसी भी संस्था का अपने संस्थापकों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। मुझे खुशी है की यह विश्वविद्यालय पूर्वी उत्तर प्रदेश में भारतीय ज्ञान परम्परा का एक प्रधान केंद्र बन रहा है अपने तप से सम्पूर्ण भारतवर्ष सहित चराचर विश्व को लाभान्वित कर 'वसुधैव कुटुम्बकम' के भारतीय दर्शन को प्रतिस्थापित करेगा।

व्याख्यान की अध्यक्षता कर रहें आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य प्रो. गिरिधर वेदांतम ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में विज्ञान और आयुर्वेद का अद्भुत समन्वय रहा है। संपूर्ण विश्व ने भारत के औषधियों से निरोगी काया का मूल रहस्य सिखा है जिसे पश्चिमी देश नकार नही सकते है। हम सब को वैदिक ज्ञान परम्परा से ज्ञान प्राप्त कर भारतीय संस्कृति को समृद्ध करने का संकल्प अपने जीवन में लेना चाहिए।

स्वास्थ्य एवं जीवन विज्ञान संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. सुनील कुमार सिंह ने वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. प्रदीप कुमार श्रीवास्तव जी का अभिनंदन करते हुए कहा कि फादर ऑफ 'साइंटून के नाम से विख्यात डॉ. प्रदीप कुमार श्रीवास्तव विश्व के पहले वैज्ञानिक हैं जिन्होंने 'साइंटून' (cientoons) नामक एक अनूठी अवधारणा प्रस्तुत कर एक नवाचार विकसित किया है तथा साथ ही, आपन 'साइंटूनिक्स' (Scientoonics) नामक विज्ञान संचार की नई शाखा की स्थापना की है तथा इसके लिए आप को विविध राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। आपने विभिन्न औषधियों एवं औषधि मध्यवर्तियों की तकनीक विकसित की, जिसमें नवीनतम उपलब्धि हल्दी से मस्तिष्काघात (ब्रेन स्ट्रोक) की औषधि हेतु उत्पादन तकनीक का विकास किया है।

व्याख्यान का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं राष्ट्रगान के साथ किया गया। व्याख्यान का संचालन सुश्री सृष्टि यदुवंशी एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ प्रेरणा अदिति ने किया । व्याख्यान में प्रमुख रूप से डॉ. अमित कुमार दुबे, डॉ. रश्मि शाही, डॉ. अवैद्यनाथ सिंह, डॉ. पवन कुमार कन्नौजिया, डॉ. धिरेन्द्र कुमार सिंह, डॉ. किरन कुमार, डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव, डॉ रश्मि झा, अनिल मिश्रा, धनंजय पाण्डेय, सुश्री मिताली पटेल, श्री अनिल कुमार शर्मा सहित विद्यार्थीगण उपस्थित रहें।

स्थापना दिवस : स्वास्थ्य कैंप

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

असाध्य कैंसर रोग का निदान करते डॉ. संजय माहेश्वरी एवं टीम

दिनांकः 27 अगस्त, 2025 को चतुर्थ स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में जटिल एवं दुर्लभ कैंसर के मरीजों का शल्य क्रिया कर मरीजो को आरोग्यता प्रदान किया गया। अब कैंसर जैसे असाध्य रोगों का इलाज और ऑपरेशन गोरखपुर में हुआ संभव।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के चतुर्थ साप्ताहिक स्थापना दिवस एवं युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज तथा राष्ट्रसन्त ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ जी की पावन स्मृति चल रही सप्तदिवसीय व्याख्यान–माला के षष्ठम दिवस पर, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय से संबद्ध महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय में 'विशेष शल्य चिकित्सा कैम्प' का आयोजन डॉ संजय माहेश्वरी जी के नेतृत्व में आयोजित किया गया। जिसमे रोगियों का सफल शल्य प्रक्रिया द्वारा जटिल एवं दुर्लभ कैंसर रोगियों का उच्चस्तरीय उपचार एवं सफल ऑपरेशन डॉ संजय माहेश्वरी के नेतृत्व में किया गया। इस सम्पूर्ण प्रक्रिया में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम और अत्याधुनिक चिकित्सा तकनीक से लैस सुविधाओं का उपयोग किया गया। आने वाले दीनो में कैंसर के रोगियों को अब इलाज के लिए बड़े महानगरों का रुख नहीं करना पड़ेगा। यह उपलब्धि पूर्वांचल ही नहींए अपितु संपूर्ण प्रदेश के लिए एक राहत एवं उम्मीद की किरण साबित होगा ।

'सुपर स्पेशलिटी ऑपरेशन मेगा कैंप' का आयोजनः महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर अपने चतुर्थ स्थापना दिवस सप्ताह समारोह के अंतर्गत 27 अगस्त से 28 अगस्त 2025 तक विश्वविद्यालय से संबद्ध महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय में 'सुपर स्पेशलिटी ऑपरेशन मेगा कैंप' का आयोजन कर मानवता को आरोग्यता प्रदान किया जा रहा है। इस चार दिवसीय मेगा कैंप का मुख्य उद्देश्य पूर्वांचल सहित संपूर्ण प्रदेश के मरीजों को आधुनिक चिकित्सा सुविधाएँ सुलभ कराना है। कैंप के अंतर्गत मरीजों को विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा परामर्श, जाँच और आवश्यकता अनुसार जटिल शल्य क्रियाओं की सुविधा प्रदान की जा रही है। साथ ही शल्य क्रियाओं पर विशेष छूट भी दी जा रही है, जिससे अधिक से अधिक रोगी लाभान्वित हो सकें। सुपर स्पेशलिटी ऑपरेशन मेगा कैंप के अंतर्गत प्रमुख उपलब्धियाँ निचले होंठ के कैंसर का ऑपरेशन कैंसर से संक्रमित निचले होंठ का सफल ऑपरेशन डॉ. संजय माहेश्वरी (विशेषज्ञ : कैंसर सर्जरी एवं एडवांस लैप्रोस्कोपिक सर्जरी) के नेतृत्व में किया गया। इस जटिल शल्य क्रिया में ओटी टीम के सदस्य श्री दीपक पाठक, श्री शुभ पांडेय, सुश्री माधुरी साहनी, सुश्री अर्चिता पटेल, एनेस्थीसिया विशेषज्ञ डॉ. अवध बिहारी तिवारी एवं अन्य ओटी टीम के सहयोग से ऑपरेशन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

एड़ी की हड्डी का ऑपरेशनः डॉ.मोहित अस्थाना (विशेषज्ञ –आर्थोपेडिक्स) द्वारा सफलतापूर्वक संपन्न किया गया।

विशेष ओपीडी सेवाएँः डॉ. रेखा माहेश्वरी (विशेषज्ञ– जनरल सर्जरी, लिवर व बिलियरी सर्जरी एवं लेज़र सर्जरी) डॉ. संजय माहेश्वरी (विशेषज्ञ – कैंसर सर्जरी एवं एडवांस लैप्रोस्कोपिक सर्जरी) दोनों वरिष्ठ चिकित्सकों ने बड़ी संख्या में मरीजों को परामर्श प्रदान किया। आधुनिक तकनीकों पर आधारित इन सेवाओं से मरीजों को आरोग्यता प्रदान कर लाभान्वित किया।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय एवं चिकित्सालय का संकल्प है कि समाज के अंतिम छोर तक बैठे हर व्यक्ति को सस्तीए सुलभ एवं आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएँ, ताकि कोई भी रोगी आर्थिक कारणों से चिकित्सा से वंचित न रहे।

स्थापना दिवस : स्वास्थ्य कैंप

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

असाध्य कैंसर रोग का निदान करते डॉ. रेखा माहेश्वरी एवं टीम

दिनांकः 28 अगस्त, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के चतुर्थ स्थापना दिवस सप्ताह के अंतर्गत आयोजित श्सुपर स्पेशलिटी ऑपरेशन मेगा कैम्पश् का आज दिनांक 28 अगस्त 2025 को सफल समापन हुआ। इस अवसर पर चिकित्सालय के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने विभिन्न जटिल शल्य क्रियाएँ कर मरीजों को नई जीवनदायिनी आशा प्रदान की।

इस कैम्प के अंतर्गत सुप्रसिद्ध डॉण् संजय महेश्वरी ;विशेषज्ञ दृ कैंसर सर्जरी एवं एडवांस लैप्रोस्कोपिक सर्जरीद्ध एवं डॉण् रेखा माहेश्वरी ;विशेषज्ञ –जनरल सर्जरी, लिवर व

बिलियरी सर्जरी एवं लेज़र सर्जरी) ने अनेक जटिल शल्य क्रियाएँ संपन्न कीं। इनमें प्रमुख रूप से– एब्डॉमिनल हिस्टेरेक्टॉमी डॉ. रेखा माहेश्वरी ने गर्भाशय की गंभीर बीमारियों से पीड़ित महिला मरीज का ऑपरेशन अत्याधुनिक तकनीक के माध्यम से किया, जिससे मरीज को न केवल तत्काल राहत मिली, बल्कि आगे चलकर दीर्घकालिक स्वास्थ्य लाभ और बेहतर जीवन– स्तर की भी सुनिश्चितता हुई।

इस ऑपरेशन ने यह प्रमाणित किया कि अब पूर्वांचल में ही उच्चस्तरीय महिला स्वास्थ्य संबंधी जटिल ऑपरेशनों की विश्वसनीय सुविधा उपलब्ध है।

इस जटिल शल्य क्रिया में एनेस्थीसिया विशेषज्ञ डॉ. अवध बिहारी तिवारी, ओटी टीम के सदस्य श्री दीपक पाठक, श्री शुभ पांडेय, सुश्री माधुरी साहनी, सुश्री अर्चिता पटेल एवं अन्य ओटी टीम के सहयोग से ऑपरेशन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

डॉ. प्रशंसा यादव (विशेषज्ञ– नेत्र रोग) ने अपनी विशेषज्ञता का परिचय देते हुए मोतियाबिंद (Cataract) एवं पलकों की गाँठ का जटिल ऑपरेशन सफलतापूर्वक किए। इन शल्य क्रियाओं से मरीजों को दृष्टि की नई रोशनी प्राप्त हुई और वे पुनः सामान्य जीवन जीने में सक्षम हुए।

इन शल्य क्रियाओं के दौरान चिकित्सालय की ओटी टीम, नर्सिंग स्टाफ एवं एनेस्थीसिया विशेषज्ञों ने पूरी निष्ठा के साथ सहयोग प्रदान किया।

इस प्रकार, 'सुपर स्पेशलिटी ऑपरेशन मेगा कैम्प' ने अपने समापन दिवस पर भी मरीजों को आधुनिक चिकित्सा सुविधाएँ प्रदान करते हुए यह सिद्ध कर दिया कि अब पूर्वांचल के मरीजों को जटिल शल्य चिकित्सा हेतु महानगरों की ओर पलायन करने की आवश्यकता नहीं है।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय एवं चिकित्सालय का संकल्प है कि समाज के प्रत्येक वर्ग तक सस्ती, सुलभ एवं उन्नत स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाई जाएँ।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप राव, मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉ. रोहित ऐलानी एवं डायरेक्टर (हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन) डॉ. हरिओम शरण ने पूरी शल्य चिकित्सा टीम, नर्सिंग स्टॉफ और सहयोगी कर्मचारियों को उनके अथक परिश्रम और उत्कृष्ट योगदान के लिए हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया।

स्थापना दिवस समारोह

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

स्थापना दिवस समारोह में उद्बोधन देते डॉ. संजय माहेश्वरी एवं पूर्व कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेयी

दिनांकः 28 अगस्त, 2025 को भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक एवं वर्तमान में यूपी सरकार के सलाहकार डॉ. जी.एन. सिंह ने कहा कि स्थापना के महज चार साल में ही एमजीयूजी, इस विश्वविद्यालय के शिल्पी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन से अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए रोल मॉडल और प्रेरणास्रोत बन गया है। अल्प समय में ही इस विश्वविद्यालय ने अकादमिक उत्कृष्टता, शोध, नवाचार और सामाजिक उत्तरदायित्व के क्षेत्र में अद्वितीय कार्य किए हैं।

डॉ. सिंह गुरुवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के चतुर्थ स्थापना दिवस समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय पूर्वांचल की नई पहचान बनकर हजारों युवाओं को शिक्षा, रोजगार और सामाजिक उत्थान से जोड़ रहा है। यह विश्वविद्यालय शिक्षा, चिकित्सा एवं तकनीक का संगम है जहां विद्यार्थियों के चहुमुखी विकास हेतु समग्र प्रयास किया जाता है। डॉ. सिंह ने कहा कि इस विश्वविद्यालय के परिसर में अध्यात्म, शिक्षा और सेवा की वैचारिक त्रिवेणी प्रवाहमान है। पिछले चार वर्षों में, विश्वविद्यालय ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और शोध कार्यों में लगातार प्रगति की है।

सर्वधर्म सेवा समभाव की परिकल्पना को साकार किया एमजीयूजी ने : डॉण् संजय माहेश्वरीः स्थापना दिवस समारोह के मुख्य वक्ता एमपी बिरला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल के निदेशक, ख्यातिप्राप्त कैंसर सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी ने कहा कि इस विश्वविद्यालय ने शैक्षिक गतिविधियों को नई ऊंचाई देने के साथ लोगों की सेवा के लिए चिकित्सा की विभिन्न विधाओं को एकीकृत किया है। विश्वविद्यालय पूर्वी उत्तर प्रदेश में ही नहीं, बल्कि

विश्वविद्यालय के होनहारो को सम्मानित करते विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेयी एवं डॉ. जी.एन. सिंह

स्थापना दिवस समारोह के समापन अवसर पर उपस्थित विश्वविद्यालय के सदस्यगण

वैश्विक स्तर पर भी अपनी पहचान बना चुका है। यह विश्वविद्यालय चिकित्सा के क्षेत्र में अपनी समाजिक सहभागिता के लिए जाना जाता है और इस दिशा में निरंतर प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा कि एमजीयूजी के महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय ने अनेक कैंसर रोगियों की सफल सर्जरी कर पूर्वी उत्तर प्रदेश में कैंसर जैसे असाध्य रोग के उपचार के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में अपनी स्थिति मजबूत की है। इस उपलब्धि ने विश्वविद्यालय की श्सर्वधर्म सेवा समभावश् की परिकल्पना को साकार किया है, जिसमें बिना किसी भेदभाव के सभी वर्गों के लोगों को उत्कृष्ट चिकित्सा सेवा प्रदान कर आरोग्यता प्रदान किया गया। यह न केवल चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण प्रगति है, बल्कि मानवीय सेवा के प्रति विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता का भी प्रमाण है।

अकादमिक उत्कृष्टता और सामाजिक सेवा का केंद्र है एमजीयूजी : डॉ. अतुल वाजपेयी – समारोह की अध्यक्षता करते हुए एमजीयूजी के पूर्व कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय का लक्ष्य अपने संस्थापकों के विचारों के अनुरूप शत–प्रतिशत ज्ञान का प्रकाश चारों दिशाओं में फैलाना है। एमजीयूजी का उद्देश्य अपने छात्रों को वैश्विक स्तर की शिक्षा प्रदान करना है और समाज के वंचित वर्गों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुँचाकर अपनी परिकल्पना को साकार करना है।

इस प्रकार, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय एक ऐसा केंद्र बन रहा है जो न केवल अकादमिक उत्कृष्टता पर जोर देता है, बल्कि सामाजिक सेवा और मानवीय मूल्यों को भी उतना ही महत्व देता है। यह विश्वविद्यालय अपने संस्थापकों के सपनों को साकार करते हुए एक उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर है।

इस विश्वविद्यालय की स्थापना का उद्देश्य केवल ज्ञान प्रदान करना ही नहीं, अपितु सामाजिक समरसताए के साथ–साथ वंचितों तक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ प्रदान करना भी है।

अनुसंधानए नवाचार एवं उत्कृष्ट शैक्षणिक गतिविधियों के लिए प्रतिबद्ध है एमजीयूजी : डॉ. प्रदीप राव: इस अवसर पर आगतों का स्वागत करते हुए कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि इस विश्वविद्यालय के कुलाधिपति, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में एमजीयूजी का लक्ष्य भारतीय ज्ञान मनीषा के आलोक में मूल्य–संवर्धित एवं

रोजगारपरक शिक्षा को बढ़ावा देना है जो समग्र रूप में सामाजिक व राष्ट्रीय हितों का पोषण करते हुए विश्व पटल पर भारतीय ज्ञान परम्परा एवं भारतीय संस्कृति को पुर्नस्थापित कर सके। कहा कि यह विश्वविद्यालय योगए आयुर्वेद और आधुनिक चिकित्सा का संगम है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय निरंतर अनुसंधान, नवाचार एवं उत्कृष्ट शैक्षणिक गतिविधियों के लिए प्रतिबद्ध है। इस वर्ष विश्वविद्यालय ने रोजगारपरक कोर्स, स्टार्टअप एवं डिजिटल शिक्षण की दिशा में कई नवाचार शुरू किए है। जिससे विद्यार्थियों को वैश्विक स्तर का अनुभव प्राप्त हो रहा है। शिक्षा और चिकित्सा के क्षेत्र में शोध. अनुसंधानए नवाचार और स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए एमजीयूजी ने शिक्षा विभिन्न संस्थानों से साझा समझौता कर के विश्वविद्यालय संसाधनों को चौमुखी मार्ग प्रशस्त किया है।

दो पुस्तकों का हुआ विमोचनः चतुर्थ स्थापना दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा दो पुस्तकों क्रमशः राष्ट्रीय सेवा योजना की सत्र 2024–25 की वार्षिक विवरणिका सेवापथ एवं त्रैमासिक पत्रिका आरोग्य प्रभा का विमोचन मंचस्थ अतिथियों द्वारा किया गया।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. रेखा माहेश्वरी और विशेष अतिथि के रूप में शीलम वाजपेयी की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम का शुभारम्भ पुष्पांजलि एवं द्वीप प्रज्जवलन के साथ हुआ। तत्पश्चात राष्ट्रगीत, सरस्वती वन्दना विश्वविद्यालय के कुलगीत का गायन विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा किया गया।

451 प्रतिभाओं का हुआ सम्मान : समारोह में शैक्षणिक उत्कृष्टता, शोध कार्य, खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कुल 451 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों कुल 6 अलग–अलग समूहों ने प्रतियोगिताओ में प्रतिभाग किया। सर्वश्रेष्ठ समूह के रूप में ब्राउन समूह को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सर्वश्रेष्ठ समूह के रूप में सम्मानित किया गया।

सीएम योगी ने दी विश्वविद्यालय परिवार को बधाईः एमजीयूजी के चतुर्थ स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर मुख्यमंत्री एवं इस विश्वविद्यालय के कुलाधिपति योगी आदित्यनाथ ने बढ़ाई देते हुए इस विश्वविद्यालय को शैक्षिक पुनर्जागरण का सशक्त केंद्र बताया।

सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर अपने बधाई संदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लिखा, शिक्षा, शोध और साधनाश् की त्रिवेणी महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के स्थापना दिवस पर विश्वविद्यालय परिवार को हार्दिक बधाई!

योग, विज्ञान और भारतीय ज्ञान परंपरा से अनुप्राणित यह संस्थान पूर्वांचल में शैक्षिक नवजागरण का सशक्त केंद्र बन रहा है। गुरु परंपरा की दिव्यता और नए भारत की आकांक्षा से जुड़ा यह विश्वविद्यालय नई पीढ़ी को आत्मज्ञान, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता से सशक्त कर रहा है।

खेल दिवस 2025

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

मेजर ध्यान चन्द की जयन्ती के उपलक्ष्य में आयोजित राष्ट्रीय खेल दिवस प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विश्वविद्यालय के विद्यार्थी

दिनांकः 29 अगस्त, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत चिकित्सा विज्ञान संकाय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की शिवाजी इकाई एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर के संयुक्त तत्वाधान में मेजर ध्यान चन्द की जयन्ती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय खेल दिवस 2025 के अवसर पर शपथ ग्रहण एवं खेल–कूद प्रतियोगिता का आयोजन हुआ।

प्रतियोगिता का शुभारंभ चिकित्सा विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. चंद्र शेखर मूर्ति ने भगवान श्रीगणेश की पूजा अर्चना कर खेल दिवस पर शपथ ग्रहण कराया।

चिकित्सा विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. चंद्रशेखर मूर्ति बी. बी. ने कहा कि राष्ट्रीय खेलो का मुख्य उद्देश्य केवल विजेता चुनना नहीं होता, बल्कि युवाओं को एकजुट करना, उनमें खेल भावना का विकास करना और उनके सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित करना होता है।

एनसीसी और एनएसएस के माध्यम से युवा न केवल शारीरिक रूप से सशक्त बनते हैं, बल्कि सामाजिक और नैतिक रूप से भी मजबूत बनते हैं।

हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष्य में खेलों के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने और खिलाड़ियों को सम्मानित करने के लिए समर्पित है। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर एनसीसी और एनएसएस की प्रतियोगिताएँ युवाओं में शारीरिक क्षमता, टीम भावना और अनुशासन का संचार करती हैं।

इन प्रतियोगिताओं में दौड़, सेक रेस, कबड्डी, टग ऑफ वॉर, पिट्ठू खेल से मैत्रीय भावना का संदेश दिया।

प्रतियोगिता में विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया, जिनमें गर्ल्स 200 मीटर रेसए ब्वॉज 200 मीटर रेस, गर्ल्स 400 मीटर रेस, ब्वॉज 400 मीटर रेस, टग ऑफ वॉर ब्वॉज, टग ऑफ वॉर गर्ल्स, शेक रेस ब्वॉज 50 मीटर, शेक रेस गर्ल्स 50 मीटर शामिल रहा। ब्याज कबड्डी, गर्ल्स कबड्डी और पिट्ठू गेम में सभी कैडेट्स और स्वयंसेवकों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता में एनसीसी कैडेट्स रहे विजेता एन् एसएस रहा उप विजेता खेल प्रतियोगिता में 200 मीटर गर्ल्स दौड़ में प्रथम रविता पासवान, द्वितीय संजना शर्मा तृतीय अस्मिता सिंह, 200 मीटर दौड़ ब्याज में प्रथम अरुण विश्वकर्मा, द्वितीय आदित्य सिंह, तृतीय अविनाश पांडेय, 400 मीटर दौड़ गर्ल्स में प्रथम संजना शर्मा, द्वितीय कविता पासवान, तृतीय अस्मिता सिंह, 400 मीटर ब्याज दौड़ में प्रथम तन्मय, द्वितीय अरुण विश्वकर्मा, तृतीय सूरज कुमार, शेक रेस ब्याज में प्रथम तन्मय, द्वितीय–प्रशांत जायसवाल, तृतीय–आदित्य सिंह, शेक रेस गर्ल्स में प्रथम सृष्टि यादव, द्वितीय–खुशी यादव–तृतीय स्थान पर अस्मिता सिंह रहीं।

कबड्डी प्रतियोगिता में रहा छब्ब् का दबदबा : कबड्डी प्रतियोगिता में राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट् विकास यादव, अमित चौधरी एमोती लाल , नीलेश यादव एरितिक निषाद, सूरज कुमार, अमन चौरसिया, अभिषेक चौरसिया, शिखर पांडेय, हर्षव साहनी, श्रद्धा उपाध्याय, शालिनी चौहान, खुशी गुप्ता, अस्मिता, संजना शर्मा, अतीक तिवारी, अंजलि सिंह, खुशी यादव, चांदनी निषाद , उजाला सिंह ने एनएसएस ब्याज और गर्ल्स को चुनौती दिया।

पिट्ठू में रहा एनएसएस का दबदबा : पिट्ठू प्रतियोगिता में एनएसएस ब्याज ने श्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

जिसमें स्वयं सेवक अखंड, अंतेश, प्रशांत एराज, नितिन, करन, आयुष सिंह, सिद्धार्थ शुक्ला, सिद्धार्थ सिंह, रत्नेश विजेता रहें। टग ऑफ वार ब्वॉज में एन सीसी ब्वॉज और एनएसएस गर्ल्स विजेता रहीं।

प्रतियोगिता में डॉ. अभिनव सिंह राठौर, और पीयूष यादव निर्णायक रहें। प्रतियोगिता में राष्ट्रीय कैडेट कोर के एसोशिएट एनसीसी ऑफिसर लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव, एनएसएस समन्वयक डॉ. अखिलेश दुबे, और शिवाजी इकाई के कार्यक्रम अधिकारी श्री अनिल चंद्रवंशी ने प्रतियोगिता में सम्मिलित सभी कैडेट्स और स्वयं सेवकों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए खेल भावना से अपनी क्षमता, प्रदर्शन से श्रेष्ठ प्रदर्शन करने का सामंजस्य संकल्प दिलाया।

प्रतियोगिता में प्रमुख रूप से अभिषेक मिश्रा, आलोक दीक्षित, मनीष गुप्ता, वसुंधरा सिंह, ममता गुप्ता, विवेकानंद , आदित्य पांडेय, सूरज दुबे, अखंड, सृष्टि आदि ने सहयोग किया।

विभागीय आयोजन

गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

12 से 13 सितम्बर, 2025	सक्षम संकाय प्रशिक्षण कार्यशाला
17 से 23 सितम्बर, 2025	राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस
25 से 27 सितम्बर, 2025	सुश्रुत बैच शैक्षणिक यात्रा
18 से 19 सितम्बर, 2025	नागार्जुन बैच शैक्षणिक यात्रा

कृषि संकाय

03 सितम्बर, 2025	अतिथि व्याख्यान
10 से 16 सितम्बर, 2025	प्रथम आंतरिक मूल्यांकन (तृतीय व पंचम सेमेस्टर)
25 से 27 सितम्बर, 2025	प्रथम आंतरिक मूल्यांकन (प्रथम सेमेस्टर)

महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज

04 से 05 सितम्बर, 2025	प्रथम व द्वितीय वर्ष की प्रयोगात्मक परीक्षा ।
09 से 12 सितम्बर, 2025	प्रथम व द्वितीय वर्ष की मुख्य परीक्षा ।

श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेण्टर

01 से 05 सितम्बर, 2025	प्रथम आंतरिक मूल्यांकन (बीएससी एवं एमएससी)
15 से 26 सितम्बर, 2025	यूनिवर्सिटी परीक्षा (एमबीबीएस)

समाचार दर्पण

महिला हिंसा पर तोड़ें चुप्पी, करें सीधा संवाद : चारू चौधरी

नाटक प्रस्तुत कर स्तनपान के प्रति किया जागरूक

महिला हिंसा पर तोड़ें चुप्पी : चारू

गोरखपुर(एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय (एमजीयूजी) में सोमवार को फैकल्टी ऑफ हेल्थ एंड लाइफ साइंस तथा फैकल्टी ऑफ मेडिकल साइंस में नव प्रवेशित विद्यार्थियों का दीक्षारंभ समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित राज्य महिला आयोग उत्तर प्रदेश की उपाध्यक्ष चारू चौधरी ने विद्यार्थियों से संवाद कर महिला उत्पीड़न, रैगिंग और अच्छे और बुरे स्पर्श पर चुप्पी तोड़ने के लिए प्रेरित किया।

- एमजीयूजी में दीक्षारंभ समारोह का आयोजन
- नवप्रवेशित विद्यार्थियों के साथ किया गया संवाद

चारू चौधरी ने कहा कि समाज में महिला उत्पीड़न के खिलाफ संवेदनशील बनें, सहानुभूति से सुनें, साहस से बोलें, चुप्पी तोड़ें और सीधा संवाद करें। महिला सशक्तिकरण के लिए शिक्षित होना आवश्यक है। एक शिक्षित नारी पूरे समाज और परिवार को संबल दे सकती है। महिला हिंसा, रैगिंग, उत्पीड़न, शारीरिक स्पर्श के प्रति जागरूकता (गुड टच-बैड टच) और लिंग संवेदनशीलता (जेंडर सेंसिटिविटी) जैसे विषय आधुनिक युग में अत्यधिक प्रासंगिक हैं और इन पर खुली चर्चा तथा जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष ने कहा कि सरकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने रैगिंग को अपराध घोषित किया है। रैगिंग रोकने को हेल्पलाइन, निगरानी कमेटियां और सख्त दंड की व्यवस्था की गई है। महिला आयोग पीड़ित व्यक्ति या महिला की पहचान गोपनीय रखता है, उन्हें कानूनी सहायता दी जाती है। उन्होंने कहा कि बाल यौन शोषण की बढ़ती घटनाएं आज चिंता का विषय हैं।

दीक्षारंभ में अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन, सत्र का संचालन डा. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने किया। दीक्षारंभ में प्रमुख रूप से डा. अमित कुमार दुबे, डा. प्रेरणा अदिति, डा. रश्मि शाही, डा. अवेद्यनाथ सिंह, डा. पवन कुमार कन्नौजिया, डा. संदीप कुमार श्रीवास्तव, डा. आशुतोष श्रीवास्तव, डा. अखिलेश दुबे, डा. रश्मि झा, सृष्टि यदुवंशी, अनिल कुमार, अनिल मिश्रा, धनंजय पाण्डेय आदि उपस्थित रहे।

विश्व स्तनपान सप्ताह के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित'

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल में बीएससी नर्सिंग की छात्राओं ने सोमवार को विश्व स्तनपान सप्ताह के अंतर्गत महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय की ओपीडी परिसर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं ने जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से एक प्रभावशाली नाटक प्रस्तुत किया। इस वर्ष के विषय, "स्तनपान को प्राथमिकता देंः सतत समर्थन प्रणाली बनाएं" के अंतर्गत उन्होंने स्तनपान की प्राथमिकताओं जैसे जन्म के तुरंत बाद स्तनपान शुरुआत, छह माह तक केवल स्तनपान, और परिवार एवं स्वास्थ्य कर्मियों के समर्थन को दर्शाया। नाटक में माताओं को आने वाली सामाजिक व पारिवारिक चुनौतियों और उन्हें दूर करने के उपायों को भी जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया। नाटक के उपरांत छात्राओं ने चार्ट पेपरों की सहायता से स्तनपान से संबंधित महत्वपूर्ण पहलुओं को समझाया। उन्होंने स्तनपान की परिभाषा, उद्देश्य, लाभ, तकनीक और महत्व को सरल भाषा में प्रस्तुत किया। बताया गया कि स्तनपान शिशु के लिए पूर्ण आहार है जो न केवल पोषण देता है बल्कि रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाता है और मां–बच्चे के बीच भावनात्मक संबंध मजबूत करता है। तकनीकों में सही लैचिंग, आरामदायक स्थिति और डकार दिलाने की प्रक्रिया को समझाया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य था जनसमुदाय में स्तनपान के प्रति सकारात्मक सोच को बढ़ावा देना तथा एक सहयोगात्मक वातावरण तैयार करना जिससे माताएं सहजता से स्तनपान करा सकें। कार्यक्रम का आयोजन बीएससी नर्सिंग सातवीं सेमेस्टर की छात्राओं ने शिक्षिकाओं सुमन यादव, रिंकी सिंह व डॉ. शालिनी के मार्गदर्शन में किया।

एमजीयूजी के आयुर्वेद कॉलेज में बेसिक लाइफ सपोर्ट पर कार्यशाला का आयोजन

स्वतंत्र चेतना, नगर संवाददाता, गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) में सोमवार को बीएएमएस विद्यार्थियों हेतु बेसिक लाइफ सपोर्ट एवं हृदयाघात प्रबंधन विषयक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में जिला अस्पताल, संतकबीरनगर के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. संतोष कुमार त्रिपाठी ने विद्यार्थियों को जीवन रक्षक प्राथमिक तकनीकों का प्रशिक्षण प्रदान किया। उन्होंने कहा कि किसी भी विधा की चिकित्सा में प्राथमिक तौर पर अपनाई जाने वाली जीवन रक्षक तकनीकों की जानकारी उनके शिक्षण-प्रशिक्षण का पहला सोपान होता है। उन्होंने हृदयाघात होने पर अपनाई जाने वाली सावधानियों को भी गहनता से समझाया। कार्यशाला का आयोजन चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अवनीश कुमार द्विवेदी, शिशु व बाल रोग विभागाध्यक्ष डॉ. त्रिविक्रम मणि त्रिपाठी, उप-प्रधानाचार्य डॉ. सुमित कुमार नायर के निर्देशन में हुआ। संचालन व आभार ज्ञापन डॉ. मिनी के. वी. ने किया।

PPGCL

Regd Office: Shatabdi Bhawan, B12 & 13, Sector 4, Gautam Budh Nagar, Noida, Uttar Pradesh-201301
Plant Adress: PO- Lohgara,Tehsil-Bara, Prayagraj (Allahabad), Uttar Pradesh-212107
Phone : +91-120-6102000/6102009 CIN: U40101UP2007PLC032835

NOTICE INVITING EXPRESSION OF INTEREST

Prayagraj Power Generation Company Limited invites expression of interest (EOI) from eligible vendors for below packages of 3x660 MW Thermal Power Plant at Prayagraj Power Generation Company Limited, Bara, Dist. Prayagraj, Uttar Pradesh, India.

1. AMC for Prayag Vihar Township in PPGCL. (PPGCL/DJ/FY26/O&M/881), latest by 18th August 2025.
2. PPGCL Operation & Railway Maintenance in PPGCL Yard (Siding Code-PPGS). (PPGCL/DJ/FY26/O&M/878), latest by 18th August 2025.
3. Transportation of Ash by road to utilize in low laying area, latest by 11th August 2025.

Details of pre-qualification requirements, bid security, purchasing of tender document etc. may be downloaded using the URL- https://www.ppgcl.co.in/tenders.php Eligible vendors willing to participate may submit their expression of interest along with the tender fee for issue of bid document latest date by date with subtitle.

शिशुओं में रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है स्तनपान

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल में बीएससी नर्सिंग की छात्राओं ने सोमवार को विश्व स्तनपान सप्ताह के अंतर्गत महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय की ओपीडी परिसर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में छात्राओं ने जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से एक प्रभावशाली नाटक प्रस्तुत किया। इस वर्ष के विषय, स्तनपान को प्राथमिकता दें, सतत समर्थन प्रणाली बनाएं के अंतर्गत उन्होंने स्तनपान की प्राथमिकताओं जैसे जन्म के तुरंत बाद स्तनपान शुरुआत, छह माह तक केवल स्तनपान और परिवार एवं स्वास्थ्य कर्मियों के समर्थन को दर्शाया। नाटक में माताओं को आने वाली सामाजिक व पारिवारिक चुनौतियों और उन्हें दूर करने के उपायों को भी जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया। नाटक के उपरांत छात्राओं ने चार्ट पेपरों की सहायता से स्तनपान से संबंधित महत्वपूर्ण पहलुओं को समझाया। उन्होंने स्तनपान की परिभाषा, उद्देश्य, लाभ, तकनीक और महत्व को सरल भाषा में प्रस्तुत किया। बताया गया कि स्तनपान शिशु के लिए पूर्ण आहार है जो न केवल पोषण देता है बल्कि रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाता है और मां-बच्चे के बीच भावनात्मक संबंध मजबूत करता है। तकनीकों में सही लैचिंग, आरामदायक स्थिति और डकार दिलाने की प्रक्रिया को समझाया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य था जनसमुदाय में स्तनपान के प्रति सकारात्मक सोच को बढ़ावा देना तथा एक सहयोगात्मक वातावरण तैयार करना जिससे माताएं सहजता से स्तनपान करवा सकें।

विश्व स्तनपान सप्ताह के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

ओपीडी परिसर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया

एमजीयूजी के आयुर्वेद कॉलेज में बेसिक लाइफ सपोर्ट पर कार्यशाला का आयोजन

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

(आयुर्वेद कॉलेज) में सोमवार को बीएएमएस विद्यार्थियों हेतु ब्सेसिक लाइफ सपोर्ट एवं हृदयाघात प्रबंधन॰ विषयक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में जिला अस्पताल, संतकबीरनगर के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. संतोष कुमार त्रिपाठी ने विद्यार्थियों को जीवन रक्षक प्राथमिक तकनीकों का प्रशिक्षण प्रदान किया। उन्होंने कहा कि किसी भी विधा की चिकित्सा में प्राथमिक तौर पर अपनाई जाने वाली जीवन रक्षक तकनीकों की जानकारी उनके शिक्षण–प्रशिक्षण का पहला सोपान होता है। उन्होंने हृदयाघात होने पर अपनाई जाने वाली सावधानियों को भी गहनता से समझाया। कार्यशाला का आयोजन चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अवनीश कुमार द्विवेदी, शिशु व बाल रोग विभागाध्यक्ष डॉ. त्रिविक्रम मणि त्रिपाठी, उप–प्रधानाचार्य डॉ. सुमित कुमार नायर के निर्देशन में हुआ। संचालन व आभार ज्ञापन डॉ. मिनी के. वी. ने किया।

महिला हिंसा पर चुप्पी तोड़ें, करें सीधा संवाद

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। एमजीयूजी में सोमवार को फैकल्टी ऑफ हेल्थ एंड लाइफ साइंस तथा फैकल्टी ऑफ मेडिकल साइंस में छात्रों का दीक्षारंभ समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारू चौधरी ने विद्यार्थियों से संवाद कर महिला उत्पीड़न, रैगिंग और अच्छे और बुरे स्पर्श पर चुप्पी तोड़ने के लिए प्रेरित किया।

- एमजीयूजी में राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारु चौधरी ने छात्रों से किया संवाद

चारू चौधरी ने कहा कि महिला उत्पीड़न के खिलाफ संवेदनशील बनें, सहानुभूति से सुनें, साहस से बोलें, चुप्पी तोड़ें और सीधा संवाद करें। महिला सशक्तिकरण के लिए शिक्षित होना आवश्यक है। एक शिक्षित नारी पूरे समाज और परिवार को संबल दे सकती है। महिला हिंसा, रैगिंग, उत्पीड़न, शारीरिक स्पर्श के प्रति जागरूकता (गुड टच-बैड टच) और लिंग संवेदनशीलता (जेंडर सेंसिटिविटी) जैसे विषय आधुनिक युग में अत्यधिक प्रासंगिक है। इनपर खुली चर्चा तथा जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सामाजिक बदलाव केवल कानूनों से नहीं आते, बल्कि वह हमारी चेतना, दृष्टिकोण और व्यवहार में बदलाव से आते हैं। सत्र का संचालन डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने किया।

आयुर्वेद कॉलेज में हुई कार्यशाला

गोरखपुर। एमजीयूजी के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) में सोमवार को कार्यशाला का आयोजन हुआ। बीएएमएस विद्यार्थियों के लिए बेसिक लाइफ सपोर्ट पर आधारित इस कार्यशाला का विषय हृदयाघात प्रबंधन रहा।

कार्यशाला में संतकबीरनगर के जिला अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. संतोष कुमार त्रिपाठी ने विद्यार्थियों को जीवन रक्षक प्राथमिक तकनीकों का प्रशिक्षण प्रदान किया। उन्होंने कहा कि किसी भी विधा की चिकित्सा में प्राथमिक तौर पर अपनाई जाने वाली जीवनरक्षक तकनीकों की जानकारी उनके शिक्षण-प्रशिक्षण का पहला सोपान होता है।

समाचार दर्पण

बच्चों, किशोरों व बुजुर्गों का किया स्वास्थ्य परीक्षण

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर एमजीयूजी के फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल में अध्ययनरत बीएससी नर्सिंग सप्तम सेमेस्टर और पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग द्वितीय वर्ष की छात्राओं ने सोमवार को विभिन्न आयु वर्ग (पांच वर्ष से कम, किशोर, वयस्क एवं बुजुर्ग) के लिए जांच और जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

- एमजीयूजी की नर्सिंग छात्राओं ने चलाया जागरूकता अभियान
- कठपुतली शो, चार्ट पेपर से सुपरफूड के लाभ बताए
- पोषण सम्बंधी जरूरतों की दी जानकारी

शारिरिक परीक्षण के बाद छात्राओं ने अलग अलग आयु वर्ग के लोगों को पोषण संबंधी जरूरतों की जानकारी देते हुए उनके लिए आवश्यक भोज्य पदार्थों के बारे में अवगत कराया। इस दौरान बच्चों को हाथ धोने और दांत साफ करने का तरीका भी समझाया गया। इस कार्यक्रम में छात्राओं का मार्गदर्शन शिक्षिकाओं गरिमा चौधरी, साक्षी गुप्ता एवं सौम्या ने किया।

इसी क्रम में जीएनएम प्रथम वर्ष की छात्राओं ने शिक्षिकाओं सुमन यादव व सुधा यादव के मार्गदर्शन में खत्रीपुरा गांव में जन स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

इसमें उन्होंने रोल प्ले, कठपुतली शो, चार्ट पेपर और फ्लैश कार्ड के माध्यम से सुपरफूड्स स्वास्थ्य और कल्याण, नशीले पदार्थों के दुरुपयोग और रोकथाम पर जागरूकता फैलाई। बताया कि सुपरफूड से कई प्रकार के स्वास्थ्य लाभ हैं। जैसे आंवला विटामिन सी से भरपूर है रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है। हल्दी में एंटी इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं। अदरक पाचन तंत्र को मजबूत करता है। सर्दी-जुकाम में लाभकारी तुलसी इम्युनिटी बढ़ाती है और संक्रमण से लड़ने में सहायक होती है। मूंग दाल प्रोटीन का अच्छा स्रोत है। बाजरा/रागी फाइबर और आयरन से भरपूर, डायबिटीज में फायदेमंद है जबकि अखरोट और अलसी के बीज ओमेगा-3 फैटी एसिड होते हैं।

एमजीयूजी की नर्सिंग छात्राओं ने चलाया जागरूकता अभियान

गोरखपुर (गो०मे०सं०)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर एमजीयूजी के फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल में अध्ययनरत बीएससी नर्सिंग सप्तम सेमेस्टर और पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग द्वितीय वर्ष की छात्राओं ने सोमवार को विभिन्न आयु वर्ग (पांच वर्ष से कम, किशोर, वयस्क एवं बुजुर्ग) के लिए जांच और जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। शारिरिक परीक्षण के बाद छात्राओं ने अलग अलग आयु वर्ग के लोगों को पोषण संबंधी जरूरतों की जानकारी देते हुए उनके लिए आवश्यक भोज्य पदार्थों के बारे में अवगत कराया। इस दौरान बच्चों को हाथ धोने और दांत साफ करने का तरीका भी समझाया गया। इस कार्यक्रम में छात्राओं का मार्गदर्शन शिक्षिकाओं गरिमा चौधरी, साक्षी गुप्ता एवं सौम्या ने किया। इसी क्रम में जीएनएम प्रथम वर्ष की छात्राओं ने शिक्षिकाओं सुमन यादव व सुधा यादव के मार्गदर्शन में खत्रीपुरा गांव में जन स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम प्रस्तुत किया। इसमें उन्होंने रोल प्ले, कठपुतली शो, चार्ट पेपर और फ्लैश कार्ड के माध्यम से सुपरफूड्स स्वास्थ्य और कल्याण, नशीले पदार्थों के दुरुपयोग और रोकथाम पर जागरूकता फैलाई। बताया कि सुपरफूड से कई प्रकार के स्वास्थ्य लाभ हैं। जैसे आंवला विटामिन सी से भरपूर है रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है। हल्दी में एंटी इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं। अदरक पाचन तंत्र को मजबूत करता है। सर्दी-जुकाम में लाभकारी तुलसी इम्युनिटी बढ़ाती है और संक्रमण से लड़ने में सहायक होती है। मूंग दाल प्रोटीन का अच्छा स्रोत है। बाजरा/रागी फाइबर और आयरन से भरपूर, डायबिटीज में फायदेमंद है जबकि अखरोट और अलसी के बीज ओमेगा-3 फैटी एसिड होते हैं।

एमजीयूजी की नर्सिंग छात्राओं ने चलाया जागरूकता अभियान'

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर एमजीयूजी के फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल में अध्ययनरत बीएससी नर्सिंग सप्तम सेमेस्टर और पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग द्वितीय वर्ष की छात्राओं ने सोमवार को विभिन्न आयु वर्ग (पांच वर्ष से कम, किशोर, वयस्क एवं बुजुर्ग) के लिए जांच और जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। शारिरिक परीक्षण के बाद छात्राओं ने अलग अलग आयु वर्ग के लोगों को पोषण संबंधी जरूरतों की जानकारी देते हुए उनके लिए आवश्यक भोज्य पदार्थों के बारे में अवगत कराया। इस दौरान बच्चों को हाथ धोने और दांत साफ करने का तरीका भी समझाया गया। इस कार्यक्रम में छात्राओं का मार्गदर्शन शिक्षिकाओं गरिमा चौधरी, साक्षी गुप्ता एवं सौम्या ने किया। इसी क्रम में जीएनएम प्रथम वर्ष की छात्राओं ने शिक्षिकाओं सुमन यादव व सुधा यादव के मार्गदर्शन में खत्रीपुरा गांव में जन स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम प्रस्तुत किया। इसमें उन्होंने रोल प्ले, कठपुतली शो, चार्ट पेपर और फ्लैश कार्ड के माध्यम से सुपरफूड्स स्वास्थ्य और कल्याण, नशीले पदार्थों के दुरुपयोग और रोकथाम पर जागरूकता फैलाई। बताया कि सुपरफूड से कई प्रकार के स्वास्थ्य लाभ हैं। जैसे आंवला विटामिन सी से भरपूर है रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है। हल्दी में एंटी इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं। अदरक पाचन तंत्र को मजबूत करता है। सर्दी-जुकाम में लाभकारी तुलसी इम्युनिटी बढ़ाती है और संक्रमण से लड़ने में सहायक होती है। मूंग दाल प्रोटीन का अच्छा स्रोत है। बाजरा/रागी फाइबर और आयरन से भरपूर, डायबिटीज में फायदेमंद है जबकि अखरोट और अलसी के बीज ओमेगा-3 फैटी एसिड होते हैं।

शोध और नवाचार से बढ़ेगी किसानों की आमदनी

कृषि अनुसंधान व नवाचार पर व्याख्यान देते डा. अश्विनी पाठक • मनोवि

गोरखपुर : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कृषि संकाय में शुक्रवार को कृषि अनुसंधान एवं विकास की उन्नत तकनीकों और नवाचारों पर केंद्रित विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ के पूर्व निदेशक डा. अश्विनी पाठक भारत में गन्ना के क्षेत्र में शोध और विकास पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने गन्ना फसल के इतिहास, उन्नत किस्मों के विकास, रोग एवं कीट प्रबंधन, उत्पादन में नवीनतम तकनीकी सुधार, भूमि एवं जल संरक्षण पद्धतियों, गन्ना आधारित उद्योगों के विस्तार और मूल्य संवर्धन की संभावनाओं पर विद्यार्थियों के साथ विचार साझा किए।

कहा कि गन्ना अनुसंधान की चुनौतियों और अवसरों को समझते हुए युवा वैज्ञानिकों और विद्यार्थियों को शोध और नवाचार की ओर उन्मुख होना चाहिए। स्वागत संबोधन अधिष्ठाता कृषि संकाय डा. विमल कुमार दुबे, संचालन डा. आयुष कुमार पाठक और आभार ज्ञापन डा. शाश्वती प्रेम कुमारी ने किया। डा. नवनीत सिंह, डा. सच्चिदानंद सिंह, सुरेश कुमार निषाद आदि मौजूद रहे।

एमजीयूजी की नर्सिंग छात्राओं ने चलाया जागरूकता अभियान

के माध्यम से सुपरफूड्स स्वास्थ्य और कल्याण, नशीले पदार्थों के दुरुपयोग और रोकथाम पर जागरूकता फैलाई। बताया कि सुपरफूड से कई प्रकार के स्वास्थ्य लाभ हैं। जैसे आंवला विटामिन सी से भरपूर है रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है। हल्दी में एंटी इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं। अदरक पाचन तंत्र को मजबूत करता है। सर्दी-जुकाम में लाभकारी तुलसी इम्युनिटी बढ़ाती है और संक्रमण से लड़ने में सहायक होती है। मूंग दाल प्रोटीन का अच्छा स्रोत है। बाजरा/रागी फाइबर और आयरन से भरपूर, डायबिटीज में फायदेमंद है जबकि अखरोट और अलसी के बीज ओमेगा-3 फैटी एसिड होते हैं।

गुप्ता द्वारा एस.पी. प्रिंटर्स, खरैया पोखरा, बशारतपुर गोरखपुर, उ०प्र०-273004 से मुद्रित कराकर कार्यालय 700 एम, गणेशपुरम, राप्तीनगर फेज-1, पो०-

एमजीयूजी की नर्सिंग छात्राओं ने चलाया जागरूकता अभियान

ग्राम स्वराज्य (संवाददाता)

गोरखपुर, 11 अगस्त। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर एमजीयूजी के फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल में अध्ययनरत बीएससी नर्सिंग सप्तम सेमेस्टर और पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग द्वितीय वर्ष की छात्राओं ने सोमवार को विभिन्न आयु वर्ग (पांच वर्ष से कम, किशोर, वयस्क एवं बुजुर्ग) के लिए जांच और जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

शारिरिक परीक्षण के बाद छात्राओं ने अलग अलग आयु वर्ग के लोगों को पोषण संबंधी जरूरतों की जानकारी देते हुए उनके लिए आवश्यक भोज्य पदार्थों के बारे में अवगत कराया। इस दौरान बच्चों को हाथ धोने और दांत साफ करने का तरीका भी समझाया गया। इस कार्यक्रम में छात्राओं का मार्गदर्शन शिक्षिकाओं गरिमा चौधरी, साक्षी गुप्ता एवं सौम्या ने किया।

इसी क्रम में जीएनएम प्रथम वर्ष की छात्राओं ने शिक्षिकाओं सुमन यादव व सुधा यादव के मार्गदर्शन में खत्रीपुरा गांव में जन स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम प्रस्तुत किया। इसमें उन्होंने रोल प्ले, कठपुतली शो, चार्ट पेपर और फ्लैश कार्ड के माध्यम से सुपरफूड्स स्वास्थ्य और कल्याण, नशीले पदार्थों के दुरुपयोग और रोकथाम पर जागरूकता फैलाई। बताया कि सुपरफूड से कई प्रकार के स्वास्थ्य लाभ हैं। जैसे आंवला विटामिन सी से भरपूर है रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है। हल्दी में एंटी इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं। अदरक पाचन तंत्र को मजबूत करता है। सर्दी-जुकाम में लाभकारी तुलसी इम्युनिटी बढ़ाती है और संक्रमण से लड़ने में सहायक होती है। मूंग दाल प्रोटीन का अच्छा स्रोत है। बाजरा/रागी फाइबर और आयरन से भरपूर, डायबिटीज में फायदेमंद है जबकि अखरोट और अलसी के बीज ओमेगा-3 फैटी एसिड होते हैं।

समाचार दर्पण

जटिल कैंसर का इलाज अब गोरखपुर में भी संभव

गोरखपुर (एसएनबी)। कैंसर पीड़ितों को अब दुरूह सर्जरी के लिए मुंबई या अन्य बड़े महानगरों की भागदौड़ नहीं करनी पड़ेगी। जटिल और दुर्लभ कैंसर का इलाज अब गोरखपुर के महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय (एमजीयूजी) के महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय में ही हो जाएगा। इस चिकित्सालय में कन्याकुमारी से आए बुजुर्ग

- एमजीयूजी के हॉस्पिटल में हुई दुर्लभ कैंसर की सफल सर्जरी
- विश्व प्रसिद्ध कैंसर सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी के नेतृत्व में ऑपरेशन
- रेयर पैरोटिड ग्लैंड कैंसर को हटाने में मिली सफलता
- 76 वर्षीय मरीज कन्याकुमारी से इलाज कराने पहुंचा था

मरीज का एमपी बिरला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के मेडिकल डायरेक्टर एवं विश्व प्रसिद्ध कैंसर सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी के नेतृत्व वाली मेडिकल टीम ने ऑपरेशन कर रेयर पैरोटिड ग्लैंड कैंसर को सफलतापूर्वक हटा दिया है। यह चिकित्सालय जटिल कैंसर सर्जरी करने वाले देश के चुनिंदा संस्थानों में शामिल हो गया है।

महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय में दक्षिण भारत के कन्याकुमारी निवासी 76 वर्षीय एक मरीज इलाज कराने आया। उसकी लार ग्रंथि में जटिल और दुर्लभ रूप से पाए जाने वाले कैंसर की बीमारी थी। वह कई जगह इलाज कराने के बाद एक नया विश्वास लेकर एमजीयूजी परिसर के महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय आया था। इस मरीज का गत दिनों सुप्राहायॉइड ब्लॉक विच्छेदन के साथ आरटी साइडेड रेयर पैरोटिड ग्लैंड कैंसर को हटाने के लिए एक जटिल कैंसर की सफल सर्जरी की गई।

सर्जरी करने वाली टीम का नेतृत्व डॉ. संजय माहेश्वरी ने किया जबकि इस मेडिकल टीम में डॉ. सीएम सिन्हा, डॉ. तिवारी, डॉ. नेहा, ओटी व अन्य स्टाफ शुभ, दीपक, रवि, रघुराम आदि शामिल रहे। महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय में दुर्लभ किस्म के जटिल कैंसर की सफल सर्जरी पर एमजीयूजी के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने प्रसन्नता व्यक्त की है। कुलपति ने कहा है कि कन्याकुमारी से आए मरीज का सफल इलाज यह दर्शाता है कि इस चिकित्सालय की ख्याति पूरे देश में विस्तारित हो रही है।

कैंसर सर्जन डॉ. माहेश्वरी का कहना है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन से गोरखपुर देश का ऐसा मेडिकल हब बनने की ओर अग्रसर है जहां भौगोलिक सीमाओं से परे लोगों का विश्वास बढ़ रहा है। सीएम योगी की देखरेख में सरकारी क्षेत्र के साथ ही महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय में चिकित्सा की विश्व स्तरीय सुविधाएं उपलब्ध हैं।

योग, संवाद और रचनात्मक सृजन है तनाव से मुक्ति की संजीवनी

भास्कर ब्यूरो

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में फैकल्टी ऑफ हेल्थ एंड लाइफ साइंस एंड फैकल्टी ऑफ मेडिकल साइंस के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के दीक्षारंभ कार्यक्रम के तहत मंगलवार को तनाव प्रबंधन एवं मानसिक स्वास्थ्य विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

मुख्य वक्ता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान विभाग की प्रोफेसर एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अनुभूति दुबे ने विद्यार्थियों को तनाव से मुक्ति का मंत्र दिया। उन्होंने छात्रों को तनाव के कारण, उसके प्रभाव और उससे निपटने की प्रभावी तकनीकों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। प्रो. अनुभूति दुबे ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में विद्यार्थी जीवन केवल पढ़ाई तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह अनेक मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक चुनौतियों से घिरा हुआ है।

परीक्षा का दबाव, करियर की चिंता, पारिवारिक अपेक्षाएं, सामाजिक तुलना और डिजिटल युग की व्यस्तता ये सभी विद्यार्थियों में तनाव को जन्म देते हैं। प्रो. दुबे ने कहा कि यदि इस तनाव का समय रहते प्रबंधन नहीं किया जाए तो यह उनके मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डाल सकता है। तनाव के मुख्य कारण परीक्षा और अंकों का दबाव, समय प्रबंधन में कठिनाई, साथियों के साथ प्रतिस्पर्धा, आत्म-विश्वास की कमी, करियर को लेकर असमंजस, पारिवारिक विवाद, सोशल मीडिया की लत, और नींद या भोजन की अनियमितता शामिल हैं। विद्यार्थियों को तनाव से मुक्ति के लिए नियमित योग, रचनात्मक सृजन, आध्यात्मिक संस्कारों और सकारात्मक कार्यों को करने के लिए प्रेरित किया। स्वस्थ छात्र आत्मविश्वासी, सकारात्मक सोच वाला, और सामाजिक रूप से सक्रिय होता है। मानसिक रूप से संतुलित विद्यार्थी न केवल शिक्षा में अच्छा प्रदर्शन करता है, बल्कि जीवन के अन्य क्षेत्रों में भी सफल रहता है। उन्होंने विद्यार्थियों को यह समझाया कि कैसे सही समय प्रबंधन, सकारात्मक सोच, आत्म-अभिव्यक्ति, डिजिटल डिटॉक्स और मनोवैज्ञानिक प्रतिरक्षा जैसी तकनीकों को अपनाकर तनाव को नियंत्रित किया जा सकता है। इस अवसर पर संकाय के अधिष्ठाता डॉ. सुनील कुमार,जैव प्रौद्योगिकी विभाग के डॉ. अमित कुमार दुबे, डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव, धनंजय पांडेय, डॉ. आशुतोष श्रीवास्तव, डॉ. प्रेरणा अदिति आदि की सक्रिय सहभागिता रही।

बुजुर्ग की लार ग्रंथि में था कैंसर, गोरखनाथ चिकित्सालय में हुई सर्जरी

गोरखनाथ विवि

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। कैंसर से जूझ रहे मरीजों के लिए राहत की खबर है। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय में जटिल कैंसर की सर्जरी शुरू हो गई है। विवि में कन्याकुमारी निवासी बुजुर्ग मरीज में लार ग्रंथि के कैंसर की सर्जरी हुई। इसे पैरोटिड ग्लैंड कैंसर कहते हैं। यह रेयर कैंसर होता है। यह सर्जरी किया कैंसर सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी के नेतृत्व वाली मेडिकल टीम ने। यह चिकित्सालय अब इस प्रकार की जटिल सर्जरी की क्षमता वाला देश के चुनिंदा संस्थानों में शामिल हो गया है।

योगी के विजन से मेडिकल हब बन रहा गोरखपुर

सुविख्यात कैंसर सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी का कहना है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन से गोरखपुर देश का ऐसा मेडिकल हब बनने की ओर अग्रसर है जहां भौगोलिक सीमाओं से परे लोगों का विश्वास बढ़ रहा है। सीएम योगी की देखरेख में सरकारी क्षेत्र के साथ ही महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय में चिकित्सा की विश्व स्तरीय सुविधाएं उपलब्ध हैं।

महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय में कैंसर की सर्जरी करती डॉक्टरों की टीम।

एमजीयूजी के परिसर में पिछले साल इसके संबद्ध मेडिकल कॉलेज को एमबीबीएस की 100 सीटों की मान्यता मिलने के साथ ही परिसर में महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय भी पूर्ण रूप से क्रियाशील है। इस चिकित्सालय में कैंसर सर्जन और एमपी बिरला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. संजय माहेश्वरी की सेवा भी मिलती है।

बकौल डॉ. माहेश्वरी महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय में पिछले कुछ महीनों से हो रहे कैंसर के इलाज की जानकारी सुदूर दक्षिण भारत के कन्याकुमारी निवासी 76 वर्षीय एक मरीज को भी हुई थी। उसकी लार ग्रंथि में जटिल और दुर्लभ रूप से पाए जाने वाले कैंसर की बीमारी थी। वह कई जगह इलाज कराने के बाद एक नया विश्वास लेकर एमजीयूजी परिसर के महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय आया था।

मरीज की गत दिनों सुप्राहायॉइड ब्लॉक विच्छेदन के साथ आरटी साइडेड रेयर पैरोटिड ग्लैंड कैंसर को हटाने के लिए एक जटिल कैंसर की सफल सर्जरी की गई। सर्जरी करने वाली टीम का नेतृत्व डॉ. संजय माहेश्वरी ने किया जबकि टीम में डॉ. सीएम सिन्हा, डॉ. तिवारी, डॉ. नेहा, शुभ, दीपक, रवि, रघुराम शामिल रहे। विवि में दुर्लभ किस्म के जटिल कैंसर की सफल सर्जरी पर एमजीयूजी के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने प्रसन्नता की है। कुलपति ने कहा है कि कन्याकुमारी से आए मरीज का सफल इलाज यह दर्शाता है कि इस चिकित्सालय की ख्याति पूरे देश में विस्तारित हो रही है।

गौरतलब हो कि पूर्व में इस चिकित्सालय में कैंसर की मॉडिफाइड रेडिकल मास्टेक्टॉमी (एमआरएम) सर्जरी भी सफलतापूर्वक हो चुकी है। महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय के साथ ही देश के अन्य राज्यों के मरीजों के लिए भी विश्वास का बड़ा केंद्र बन रहा है। कन्याकुमारी से आए मरीज के इलाज से पहले गुवाहाटी के एक आईआईटी छात्र का भी सफल इलाज हो चुका है।

गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अस्पताल में हुई जटिल कैंसर की सर्जरी

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : कैंसर पीड़ितों को अब दुरूह सर्जरी के लिए मुंबई या अन्य बड़े महानगरों की भागदौड़ नहीं करनी पड़ेगी। जटिल से जटिल कैंसर का इलाज अब महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय में ही हो जाएगा। कम समय में ही एक के बाद एक कैंसर की सफल सर्जरी करने वाले इस चिकित्सालय में कन्याकुमारी से आए बुजुर्ग मरीज का विश्व प्रसिद्ध कैंसर सर्जन डा. संजय माहेश्वरी के नेतृत्व वाली मेडिकल टीम ने आपरेशन कर रेयर पैरोटिड ग्लैंड कैंसर को सफलतापूर्वक हटाया है। ऐसा करके यह चिकित्सालय जटिल कैंसर सर्जरी करने वाले देश के चुनिंदा संस्थानों में शामिल हो गया है।

विश्वविद्यालय से संबद्ध मेडिकल कालेज को एमबीबीएस की 100 सीटों की मान्यता मिलने के साथ ही परिसर में महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय भी पूर्ण रूप से क्रियाशील है। अनेक अत्याधुनिक

महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय की ओटी में सर्जरी करते डा. संजय माहेश्वरी व उनकी टीम • सौजन्य स्वयं

चिकित्सा सुविधाओं से युक्त इस चिकित्सालय में दुनिया के जाने-माने कैंसर सर्जन और एमपी बिरला ग्रुप आफ हास्पिटल्स के मेडिकल डायरेक्टर डा. संजय माहेश्वरी की सेवा भी मिलती है। डा. माहेश्वरी ने बताया कि महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय में पिछले कुछ महीनों से हो रहे कैंसर के इलाज की जानकारी सुदूर दक्षिण भारत के कन्याकुमारी निवासी 76 वर्षीय एक मरीज को भी हुई थी। उसकी लार ग्रंथि में ऐसे जटिल कैंसर की बीमारी थी, जो बहुत कम लोगों में होती है। वह कई जगह इलाज कराने के बाद एक नया विश्वास लेकर महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय आया था। कन्याकुमारी से आए इस मरीज का बीते दिनों सुप्राहायॉइड ब्लाक

कन्याकुमारी से आया था 76 वर्षीय मरीज, रेयर पैरोटिड ग्लैंड कैंसर से था पीड़ित

सीएम के विजन से मेडिकल का हब बन रहा गोरखपुर

कैंसर सर्जन डा. संजय माहेश्वरी का कहना है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन से गोरखपुर देश का ऐसा मेडिकल हब बनने की ओर अग्रसर है जहां भौगोलिक सीमाओं से परे लोगों का विश्वास बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री की देखरेख में सरकारी क्षेत्र के साथ ही महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय में भी चिकित्सा की विश्वस्तरीय सुविधाएं मरीजों को उपलब्ध हो रही हैं।

विच्छेदन के साथ आरटी साइडेड रेयर पैरोटिड ग्लैंड कैंसर को हटाने के लिए एक जटिल कैंसर की सफल सर्जरी की गई। सर्जरी करने वाली डा. संजय माहेश्वरी की टीम में डा. सीएम सिन्हा, डा. अवध किशोर तिवारी और डा. नेहा शामिल रहीं।

जटिल कैंसर की सफल सर्जरी पर विश्वविद्यालय के कुलपति डा. सुरिंदर सिंह और कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव ने प्रसन्नता जताई है। कुलपति डा. सिंह ने कहा है कि कन्याकुमारी से आए मरीज का सफल इलाज यह दर्शाता है कि इस चिकित्सालय की ख्याति पूरे देश में विस्तारित हो रही है।

इससे पहले भी इस चिकित्सालय में कैंसर की मोडिफाइड रेडिकल मास्टेक्टामी सर्जरी सफलता पूर्वक हो चुकी है। इस चिकित्सालय में कन्याकुमारी से आए मरीज के इलाज से पहले गुवाहाटी के एक आइआइटी छात्र का भी सफल इलाज हो चुका है।

विद्यार्थी के भविष्य पर असर डाल सकता है रैगिंग : डॉ. रघुराम

एमजीयूजी के आयुर्वेद कॉलेज में रैगिंग के खिलाफ युवा विषय पर व्याख्यान

गोरखपुर (गो॰मै॰सं॰)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) में मंगलवार को "रैगिंग के खिलाफ युवा" विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें अतिथि वक्ता विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. रघुराम ने अपने संबोधन में रैगिंग के दुष्परिणामों, कानूनी प्रावधानों और पीड़ितों पर पड़ने वाले मानसिक एवं शारीरिक प्रभावों पर विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ. रघुराम ने कहा कि रैगिंग एक अपराध है, जो छात्रों के भविष्य और जीवन पर गंभीर असर डाल सकता है। रैगिंग के खिलाफ जागरूकता जरूरी है क्योंकि यह इससे पीड़ित विद्यार्थी के अध्ययन, उसके व्यक्तित्व विकास पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को सकारात्मक नेतृत्व, सहयोगी वातावरण और आपसी संवाद को बढ़ावा देना चाहिए, ताकि शिक्षा संस्थान भयमुक्त और सौहार्दपूर्ण बने रहें। कार्यक्रम की अध्यक्षता आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम ने की। कार्यक्रम का संयोजन और संचालन डॉ. दीपू मनोहर और निलेश ने तथा आभार ज्ञापन डॉ. मिनी ने किया। कार्यक्रम में डॉ. सुमित, डॉ. साध्वी नन्दन पाण्डेय, डॉ. गोपीकृष्ण डॉ. रश्मि सहित कई प्राध्यापक और सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

एनसीसी से मिलती है अनुशासन और देशभक्ति की प्रेरणा : लेफ्टिनेंट संदीप

एमजीयूजी में एनसीसी प्री-स्क्रीनिंग कैम्प में शामिल हुए में 187 विद्यार्थी

गोरखपुर (गो॰मै॰सं॰)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) में नामांकन के लिए 102 यूपी बटालियन के सैन्य अधिकारियों की देखरेख में प्री-स्क्रीनिंग शारीरिक दक्षता कैम्प का आयोजन किया गया। इसमें 187 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को प्री-स्क्रीनिंग के नियमों की जानकारी देते हुए कहा कि एनसीसी सैन्य सेवा में प्रवेश का मुख्य द्वार है जहां से राष्ट्र के भविष्य निर्माता अपने सफर की शुरुआत करते हैं। यह केवल एक चयन प्रक्रिया नहीं, बल्कि एक आदर्श कैडेट के निर्माण की पहली सीढ़ी है। जो छात्र इसे गंभीरता से लेते हैं, वे न केवल एनसीसी में, बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में अग्रणी बनते हैं। उन्होंने कहा कि एनसीसी से अनुशासन, नेतृत्व और देशभक्ति की प्रेरणा मिलती है। 102 यूपी बटालियन के जेसीओ सूबेदार धरेश माने ने कहा कि प्री-स्क्रीनिंग में दृढ़ निष्ठा, शारीरिक योग्यता और मानसिक तत्परता की परख होती है। एनसीसी प्री-स्क्रीनिंग में कैडेट्स का चयन विभिन्न चरणों के माध्यम से किया जाता है, जिसमें उनकी शारीरिक क्षमता, मानसिक सजगता, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता तथा संगठन के प्रति समर्पण की परीक्षा ली जाती है।

विद्यार्थी के भविष्य पर असर डाल सकता है रैगिंग

जासं, गोरखपुर : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कालेज) में मंगलवार को 'रैगिंग के खिलाफ युवा' विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया।

अतिथि वक्ता विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण डा. रघुराम ने कहा कि रैगिंग एक अपराध है, जो छात्रों के भविष्य और जीवन पर गंभीर असर डाल सकता है। रैगिंग के खिलाफ जागरूकता जरूरी है क्योंकि यह इससे पीड़ित विद्यार्थी के अध्ययन, उसके व्यक्तित्व विकास पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को सकारात्मक नेतृत्व, सहयोगी वातावरण और आपसी संवाद को बढ़ावा देना चाहिए, ताकि शिक्षा संस्थान भयमुक्त और सौहार्दपूर्ण बने रहें। कार्यक्रम की अध्यक्षता आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डा. गिरिधर वेदांतम ने की। संचालन डा. दीपू मनोहर और नितेश ने तथा आभार ज्ञापन डा. मिनी ने किया। डा. सुमित, डा. साध्वी नन्दन पाण्डेय, डा. गोपीकृष्ण डा. रश्मि एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

'एनसीसी से मिलती है अनुशासन और देशभक्ति की प्रेरणा : लेफ्टिनेंट संदीप'

'एमजीयूजी में एनसीसी प्री-स्क्रीनिंग कैंम्प में शामिल हुए में 187 विद्यार्थी'

गोरखपुर, 12 अगस्त। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) में नामांकन के लिए 102 यूपी बटालियन के सैन्य अधिकारियों की देखरेख में प्री-स्क्रीनिंग शारीरिक दक्षता कैम्प का आयोजन किया गया। इसमें187 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को प्री-स्क्रीनिंग के नियमों की जानकारी देते हुए कहा कि एनसीसी सैन्य सेवा में प्रवेश का मुख्य द्वार है जहां से राष्ट्र के भविष्य निर्माता अपने सफर की शुरुआत करते हैं। यह केवल एक चयन प्रक्रिया नहीं, बल्कि एक आदर्श कैडेट के निर्माण की पहली सीढ़ी है। जो छात्र इसे गंभीरता से लेते हैं, वे न केवल एनसीसी में, बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में अग्रणी बनते हैं। उन्होंने कहा कि एनसीसी से अनुशासन, नेतृत्व और देशभक्ति की प्रेरणा मिलती है। 102 यूपी बटालियन के जेसीओ सूबेदार धरेश माने ने कहा कि प्री-स्क्रीनिंग में दृढ़ निष्ठा, शारीरिक योग्यता और मानसिक तत्परता की परख होती है। एनसीसी प्री-स्क्रीनिंग में कैडेट्स का चयन विभिन्न चरणों के माध्यम से किया जाता है, जिसमें उनकी शारीरिक क्षमता, मानसिक सजगता, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता तथा संगठन के प्रति समर्पण की परीक्षा ली जाती है।

विद्यार्थी के भविष्य पर काफी असर डाल सकती है रैगिंग

एमजीयूजी

आयुर्वेद कॉलेज में रैगिंग के खिलाफ युवा विषय पर व्याख्यान

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) में मंगलवार को रैगिंग के खिलाफ युवा विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें अतिथि वक्ता विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. रघुराम ने अपने संबोधन में रैगिंग के दुष्परिणामों, कानूनी प्रावधानों और पीड़ितों पर पड़ने वाले मानसिक एवं शारीरिक प्रभावों पर विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ. रघुराम ने कहा कि रैगिंग एक अपराध है। जो छात्रों के भविष्य और जीवन पर गंभीर असर डाल सकता है। रैगिंग के खिलाफ जागरूकता जरूरी है क्योंकि यह इससे पीड़ित विद्यार्थी के अध्ययन, उसके व्यक्तित्व विकास पर नकारात्मक प्रभाव डालता है।

एनसीसी में नामांकन के लिए प्री-स्क्रीनिंग शारीरिक दक्षता परीक्षा देतीं महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर की छात्राएं • जागरण

एनसीसी से मिलती अनुशासन और देशभक्ति की प्रेरणा

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) में नामांकन के लिए 102 यूपी बटालियन के सैन्य अधिकारियों की देखरेख में प्री-स्क्रीनिंग शारीरिक दक्षता कैंप का आयोजन किया गया। इसमें 187 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

इस अवसर पर एसोसिएट एनसीसी आफिसर लेफ्टिनेंट डा. संदीप श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को प्री-स्क्रीनिंग के नियमों की जानकारी दी। बताया कि एनसीसी सैन्य सेवा में प्रवेश का मुख्य द्वार है, जहां से राष्ट्र के भविष्य निर्माता अपने सफर की शुरुआत करते हैं। यह केवल एक चयन प्रक्रिया नहीं, बल्कि एक आदर्श कैडेट के निर्माण की पहली सीढ़ी है। जो छात्र इसे गंभीरता से लेते हैं, वे न केवल एनसीसी में, बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में अग्रणी बनते हैं। उन्होंने कहा कि एनसीसी से अनुशासन, नेतृत्व और देशभक्ति की प्रेरणा मिलती है। 102 यूपी बटालियन के जेसीओ सूबेदार धरेश माने ने कहा कि प्री-स्क्रीनिंग में दृढ़ निष्ठा, शारीरिक योग्यता और मानसिक तत्परता की परख होती हैं। एनसीसी प्री-स्क्रीनिंग में कैडेट्स का चयन विभिन्न चरणों के माध्यम से किया जाता है, जिसमें उनकी शारीरिक क्षमता,अनुशासन, नेतृत्व क्षमता तथा संगठन के प्रति समर्पण की परीक्षा ली जाती है।

एनसीसी से मिलती है अनुशासन और देशभक्ति की प्रेरणा : लेफ्टिनेंट संदीप

एमजीयूजी में एनसीसी प्री-स्क्रीनिंग कैम्प में शामिल हुए में 187 विद्यार्थी

ग्राम स्वराज्य (संवाददाता)

गोरखपुर, 12 अगस्त। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) में नामांकन के लिए 102 यूपी बटालियन के सैन्य अधिकारियों की देखरेख में प्री-स्क्रीनिंग शारीरिक दक्षता कैम्प का आयोजन किया गया। इसमें 187 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

इस अवसर पर एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को प्री-स्क्रीनिंग के नियमों की जानकारी देते हुए,कहा कि एनसीसी सैन्य सेवा में प्रवेश का मुख्य द्वार है जहां से राष्ट्र के भविष्य निर्माता अपने सफर की शुरुआत करते हैं। यह केवल एक चयन प्रक्रिया नहीं, बल्कि एक आदर्श कैडेट के निर्माण की पहली सीढ़ी है। जो छात्र इसे गंभीरता से लेते हैं, वे न केवल एनसीसी में, बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में अग्रणी बनते हैं।

उन्होंने कहा कि एनसीसी से अनुशासन, नेतृत्व और देशभक्ति की प्रेरणा मिलती है। 102 यूपी बटालियन के जेसीओ सूबेदार धरेश माने ने कहा कि प्री-स्क्रीनिंग में दृढ़ निष्ठा, शारीरिक योग्यता और मानसिक तत्परता की परख होती है। एनसीसी प्री-स्क्रीनिंग में कैडेट्स का चयन विभिन्न चरणों के माध्यम से किया जाता है, जिसमें उनकी शारीरिक क्षमता, मानसिक सजगता, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता तथा संगठन के प्रति समर्पण की परीक्षा ली जाती है।

विद्यार्थी के भविष्य पर असर डाल सकता है रैगिंग : डॉ. रघुराम

एमजीयूजी के आयुर्वेद कॉलेज में रैगिंग के खिलाफ युवा विषय पर व्याख्यान

ग्राम स्वराज्य (संवाददाता)

गोरखपुर, 12 अगस्त। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) में मंगलवार को "रैगिंग के खिलाफ युवा" विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें अतिथि वक्ता विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. रघुराम ने अपने संबोधन में रैगिंग के दुष्परिणामों, कानूनी प्रावधानों और पीड़ितों पर पड़ने वाले मानसिक एवं शारीरिक प्रभावों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

डॉ. रघुराम ने कहा कि रैगिंग एक अपराध है, जो छात्रों के भविष्य और जीवन पर गंभीर असर डाल सकता है। रैगिंग के खिलाफ जागरूकता जरूरी है क्योंकि यह इससे पीड़ित विद्यार्थी के अध्ययन, उसके व्यक्तित्व विकास पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को सकारात्मक नेतृत्व, सहयोगी वातावरण और आपसी संवाद को बढ़ावा देना चाहिए, ताकि शिक्षा संस्थान भयमुक्त और सौहार्दपूर्ण बने रहें।

कार्यक्रम की अध्यक्षता आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम ने की। कार्यक्रम का संयोजन और संचालन डॉ. दीपू मनोहर और निलेश ने तथा आभार ज्ञापन डॉ. मिनी ने किया। कार्यक्रम में डॉ. सुमित, डॉ. साध्वी नन्दन पाण्डेय, डॉ. गोपीकृष्ण डॉ. रश्मि सहित कई प्राध्यापक और सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सुवर्णप्राशन बुद्धि व स्मरणशक्ति को बढ़ाने में अत्यंत उपयोगी : डॉ. अवनीश

आयुर्वेद कॉलेज में हुआ 250 बच्चों का सुवर्णप्राशन

स्वतंत्र चेतना

नगर संवाददाता, गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) के शिशु एवं बाल रोग विभाग द्वारा चौबेपुर स्थित डीसी एलिमेंट्री स्कूल सहित अन्य बच्चों को सम्मिलित करते हुए कुल 250 बच्चों का सुवर्णप्राशन (आयुर्वेदिक टीकाकरण) कराया गया।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अवनीश कुमार द्विवेदी ने कहा कि सुवर्णप्राशन प्रत्येक माह में पुष्य नक्षत्र के दिन किया जाता है। यह बच्चों को बार-बार होने वाली बीमारियों से बचाने, उनकी बुद्धि व स्मरणशक्ति को बढ़ाने में अत्यंत उपयोगी माना जाता है। उन्होंने कहा कि सुवर्णप्राशन स्वस्थ, मेधावी और बलवान बाल पीढ़ी की ओर सशक्त कदम है। इस अवसर पर डीसी एलिमेंट्री स्कूल के निदेशक विमल चतुर्वेदी, शिशु एवं बाल रोग विभागाध्यक्ष डॉ. त्रिविक्रम मणि त्रिपाठी, डॉ. दीक्षा आदि की सक्रिय सहभागिता रही।

आयुर्वेद कॉलेज में हुआ 250 बच्चों का सुवर्णप्राशन

गोरखपुर।(स्पष्ट आवाज)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) के शिशु एवं बाल रोग विभाग द्वारा चौबेपुर स्थित डीसी एलिमेंट्री स्कूल सहित अन्य बच्चों को सम्मिलित करते हुए कुल 250 बच्चों का सुवर्णप्राशन (आयुर्वेदिक टीकाकरण) कराया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अवनीश कुमार द्विवेदी ने कहा कि सुवर्णप्राशन प्रत्येक माह में पुष्य नक्षत्र के दिन किया जाता है। यह बच्चों को बार-बार होने वाली बीमारियों से बचाने, उनकी बुद्धि व स्मरणशक्ति को बढ़ाने में अत्यंत उपयोगी माना जाता है। उन्होंने कहा कि सुवर्णप्राशन स्वस्थ, मेधावी और बलवान बाल पीढ़ी की ओर सशक्त कदम है। इस अवसर पर डीसी एलिमेंट्री स्कूल के निदेशक विमल चतुर्वेदी, शिशु एवं बाल रोग विभागाध्यक्ष डॉ. त्रिविक्रम मणि त्रिपाठी, डॉ. दीक्षा आदि की सक्रिय सहभागिता रही।

वच्चों को रोगों से बचाता है सुवर्णप्राशन

गोरखपुरः गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेस, आयुर्वेद संकाय, शिशु एवं बाल रोग विभाग की ओर से गुरुवार को सुवर्णप्राशन (आयुर्वेदिक टीकाकरण) कराया गया। चौबेपुर स्थित डीसी एलिमेंट्री स्कूल के बच्चों के साथ ही 250 बच्चों को इसमें शामिल किया गया। विद्यालय के निदेशक विमल चतुर्वेदी ने कि सुवर्णप्राशन हर महीने के पुष्य नक्षत्र के दिन किया जाता है। बच्चों को बार-बार होने वाले रोगों से बचाने में उपयोगी माना जाता है। कार्यक्रम वैदिक मंत्रोच्चार एवं पूर्वाभिमुख विधि से सम्पन्न हुआ मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा. अवनीश कुमार द्विवेदी, शिशु एवं बाल रोग विभागाध्यक्ष डा. त्रिविक्रम मणि त्रिपाठी तथा डा. दीक्षा मौजूद रहीं। (विज्ञप्ति)

आयुर्वेद कॉलेज में हुआ 250 बच्चों का सुवर्णप्राशन

गोरखपुर(एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कलेज) के शिशु एवं बाल रोग विभाग द्वारा चौबेपुर स्थित डीसी एलिमेंट्री स्कूल सहित अन्य बच्चों को सम्मिलित करते हुए कुल 250 बच्चों का सुवर्णप्राशन (आयुर्वेदिक टीकाकरण) कराया गया।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के आयुर्वेद कालेज में हुआ स्वर्णप्राशन संस्कार।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अवनीश कुमार द्विवेदी ने कहा कि सुवर्णप्राशन प्रत्येक माह में पुष्य नक्षत्र के दिन किया जाता है। यह बच्चों को बार-बार होने वाली बीमारियों से बचाने, उनकी बुद्धि व स्मरणशक्ति को बढ़ाने में अत्यंत उपयोगी माना जाता है। उन्होंने कहा कि सुवर्णप्राशन स्वस्थ, मेधावी और बलवान बाल पीढ़ी की ओर सशक्त कदम है। इस अवसर पर डीसी एलिमेंट्री स्कूल के निदेशक विमल चतुर्वेदी, शिशु एवं बाल रोग विभागाध्यक्ष डा. त्रिविक्रम मणि त्रिपाठी, डा. दीक्षा आदि की सक्रिय सहभागिता रही।

सम्पूर्ण विश्व मान रहा आयुर्वेद की वैज्ञानिकता : डॉ. तोमर

गोरखपुर, अमृत विचारः महायोगी गोरखनाथ विवि गोरखपुर एमजीयूजी के फार्मेसी कॉलेज में पद्मश्री प्रो राम हर्ष सिंह की पुण्यतिथि के अवसर पर आरोग्य भारती एवं विश्व आयुर्वेद मिशन के संयुक्त तत्वावधान में भारतीय ज्ञान परम्परा एवं आयुर्वेद विषय पर स्मृति व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में विश्व आयुर्वेद मिशन के संस्थापक अध्यक्ष एवं आरोग्य भारती की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य डॉ. जीएस तोमर उपस्थित रहे। अपने संबोधन में डॉ. तोमर ने वेदों को सृष्टि की उत्पत्ति काल से ही ज्ञान का अजस्र स्रोत बताया। उन्होंने कहा कि अथर्ववेद का उपांग होने के नाते आयुर्वेद की प्राचीनता स्वतः प्रमाणित है। भारतीय वांग्मय में आयुर्वेद, योग, प्राकृत विज्ञान, गणित, ज्योतिष, खगोल विज्ञान, विमान शास्त्र एवं धातु विज्ञान की समृद्ध, बहुआयामी, अद्भुत एवं अकल्पनीय ज्ञान परम्परा का दिग्दर्शन होता है। इसकी वैज्ञानिकता आज सम्पूर्ण विश्व मानने लगा है। मंत्रदृष्टा ऋषियों ने अपनी दिव्य दृष्टि एवं अनुभव से जो ज्ञान तत्कालीन ग्रंथों में उकेरा है वह आज के वैज्ञानिक मापदंडों पर पूरी तरह खरा उतर रहा है। डॉ. तोमर ने कहा कि आयुर्वेद मात्र एक चिकित्सा विधा ही नहीं सम्पूर्ण जीवन दर्शन है। इसकी गुणवत्ता पूर्ण औषधियां जहां प्रभावी एवं निरापद हैं, वहीं इसकी आदर्श जीवनशैली वैश्विक धरातल पर अनुकरणीय एवं लोकप्रिय सिद्ध हो रही हैं। डॉ. तोमर ने कहा कि हम सबके लिए यह प्रसन्नता का विषय है की नई शिक्षा नीति में भारतीय ज्ञान परंपरा को स्कूलों और विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों में शामिल कर लिया गया है। इससे हमारी नई पीढ़ी हमारे ज्ञान परंपरा के गौरव से परिचित हो सकेगी।

आयुर्वेद की वैज्ञानिकता को अब मान रहा पूरा विश्व

डा. जीएस तोमर• सौ. एमजीयूजी

- एमजीयूजी के फार्मेसी कालेज मे पद्मश्री प्रो. रामहर्ष सिंह की पुण्यतिथि पर हुआ व्याख्यान
- अथर्ववेद का उपांग होने के कारण आयुर्वेद की प्राचीनता स्वतः प्रमाणितः डा जीएस तोमर

गोरखपुरः विश्व आयुर्वेद मिशन के संस्थापक अध्यक्ष एवं आरोग्य भारती की राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य डा. जीएस तोमर ने कहा कि सृष्टि की उत्पत्ति काल से ही वेद ज्ञान का अजस्र स्रोत हैं। अथर्ववेद का उपांग होने के कारण आयुर्वेद की प्राचीनता स्वतः प्रमाणित है। भारतीय वांग्मय में आयुर्वेद, योग, प्राकृत विज्ञान, गणित, ज्योतिष, खगोल विज्ञान, विमान शास्त्र एवं धातु विज्ञान की समृद्ध, बहुआयामी, अद्भुत एवं अकल्पनीय ज्ञान परम्परा का दिग्दर्शन होता है। इसकी वैज्ञानिकता आज पूरा विश्व मानने लगा है।

डा. जीएस तोमर, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के फार्मेसी कालेज में पद्मश्री प्रोफेसर राम हर्ष सिंह की पुण्यतिथि पर आरोग्य भारती एवं विश्व आयुर्वेद मिशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित व्याख्यान को संबोधित कर रहे थे। भारतीय ज्ञान परम्परा एवं आयुर्वेद विषय पर आयोजित व्याख्यान में कहा कि मंत्रदृष्टा ऋषियों ने अपनी दिव्य दृष्टि एवं अनुभव से जो ज्ञान तत्कालीन ग्रंथों में उकेरा है वह आज के वैज्ञानिक मापदंडों पर पूरी तरह खरा उतर रहा है। डा. तोमर ने कहा कि आयुर्वेद मात्र एक चिकित्सा विधा ही नहीं सम्पूर्ण जीवन दर्शन है। इसकी गुणवत्ता पूर्ण औषधियां जहां प्रभावी एवं निरापद हैं, वहीं इसकी आदर्श जीवनशैली वैश्विक धरातल पर अनुकरणीय एवं लोकप्रिय सिद्ध हो रही हैं। कहा कि हम सबके लिए यह प्रसन्नता का विषय है की नई शिक्षा नीति में भारतीय ज्ञान परंपरा को स्कूलों और विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों में शामिल कर लिया गया है। इससे हमारी नई पीढ़ी हमारे ज्ञान परंपरा के गौरव से परिचित हो सकेगी। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान- विज्ञान परंपरा न केवल प्राचीन काल में बल्कि आज भी विज्ञान, चिकित्सा, गणित और अन्य क्षेत्रों में अपनी प्रासंगिकता बनाए हुए हैं। उन्होंने कहा कि विकास के शिखर पर वही पहुंचते हैं, जो अपने इतिहास पर गौरवान्वित होकर वर्तमान में कठोर परिश्रम द्वारा ध्येयपथ पर अग्रसर होते हैं।

कहा कि मैं बहुत सौभाग्यशाली हूं कि मुझे पद्मश्री प्रो. रामहर्ष सिंह जैसे विद्वान मनीषी के सानिध्य में विद्याध्ययन करने का अवसर प्राप्त हुआ था।

प्रो. सिंह ने आयुर्वेद के वैज्ञानिक स्वरूप को विश्व के कोने-कोने में पहुंचाने में अमूल्य योगदान दिया। स्वागत भाषण दिलीप मिश्र, अतिथि परिचय प्रवीन कुमार सिंह और आभार ज्ञापन जूही तिवारी ने किया। (विज्ञप्ति)

सम्पूर्ण विश्व मान रहा आयुर्वेद की वैज्ञानिकता : डॉ. तोमर

गोरखपुर(एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के फार्मेसी कालेज में पद्मश्री प्रोफेसर राम हर्ष सिंह की पुण्यतिथि के अवसर पर आरोग्य भारती एवं विश्व आयुर्वेद मिशन के संयुक्त तत्वावधान में 'भारतीय ज्ञान परम्परा एवं आयुर्वेद' विषय पर स्मृति व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में विश्व आयुर्वेद मिशन के संस्थापक अध्यक्ष एवं आरोग्य भारती की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य डॉ. जीएस तोमर उपस्थित रहे।

■ एमजीयूजी के फार्मेसी कॉलेज के पद्मश्री प्रो. रामहर्ष सिंह की पुण्यतिथि पर स्मृति व्याख्यान

अपने संबोधन में डॉ. तोमर ने वेदों को सृष्टि की उत्पत्ति काल से ही ज्ञान का अजस्र स्रोत बताया। उन्होंने कहा कि अथर्ववेद का उपांग होने के नाते आयुर्वेद की प्राचीनता स्वतः प्रमाणित है। भारतीय वांग्मय में आयुर्वेद, योग, प्राकृत विज्ञान, गणित, ज्योतिष, खगोल विज्ञान, विमान शास्त्र एवं धातु विज्ञान की समृद्ध, बहुआयामी, अद्भुत एवं अकल्पनीय ज्ञान परम्परा का दिग्दर्शन होता है। इसकी वैज्ञानिकता आज सम्पूर्ण विश्व मानने लगा है।

उन्होंने पद्मश्री प्रो. राम हर्ष सिंह को याद करते हुए कहा कि वह सौभाग्यशाली है कि उन्हें प्रो. सिंह जैसे विद्वान मनीषी के सानिध्य में विद्याध्ययन करने का अवसर प्राप्त हुआ था। प्रो. सिंह ने आयुर्वेद के वैज्ञानिक स्वरूप को विश्व के कोने कोने तक पहुंचाने में अमूल्य योगदान दिया। स्वागत भाषण दिलीप मिश्र, अतिथि परिचय प्रवीन कुमार सिंह और आभार ज्ञापन जूही तिवारी ने किया।

आयुर्वेद कॉलेज में हुआ 250 बच्चों का सुवर्णप्राशन

गोरखपुर (गो०मे०सं०)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) के शिशु एवं बाल

रोग विभाग द्वारा चौबेपुर स्थित डीसी एलिमेंट्री स्कूल सहित अन्य बच्चों को सम्मिलित करते हुए कुल 250 बच्चों का सुवर्णप्राशन (आयुर्वेदिक टीकाकरण) कराया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अवनीश कुमार द्विवेदी ने कहा कि सुवर्णप्राशन प्रत्येक माह में पुष्य नक्षत्र के दिन किया जाता है। यह बच्चों को बार-बार होने वाली बीमारियों से बचाने, उनकी बुद्धि व स्मरणशक्ति को बढ़ाने में अत्यंत उपयोगी माना जाता है। उन्होंने कहा कि सुवर्णप्राशन स्वस्थ, मेधावी और बलवान बाल पीढ़ी की ओर सशक्त कदम है। इस अवसर पर डीसी एलिमेंट्री स्कूल के निदेशक विमल चतुर्वेदी, शिशु एवं बाल रोग विभागाध्यक्ष डॉ. त्रिविक्रम मणि त्रिपाठी, डॉ. दीक्षा आदि की सक्रिय सहभागिता रही।

आयुर्वेद कॉलेज में हुआ 250 बच्चों का सुवर्णप्राशन

जीवन एक्सप्रेस ब्यूरो गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर एमजीयूजी के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस आयुर्वेद कॉलेज के शिशु एवं बाल रोग विभाग द्वारा चौबेपुर स्थित डीसी एलिमेंट्री स्कूल सहित अन्य बच्चों को सम्मिलित करते हुए कुल 250 बच्चों का सुवर्णप्राशन आयुर्वेदिक टीकाकरण कराया गया।इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अवनीश कुमार द्विवेदी ने कहा कि सुवर्णप्राशन प्रत्येक माह में पुष्य नक्षत्र के दिन किया जाता है। यह बच्चों को बार-बार होने वाली बीमारियों से बचाने, उनकी बुद्धि व स्मरणशक्ति को बढ़ाने में अत्यंत उपयोगी माना जाता है। उन्होंने कहा कि सुवर्णप्राशन स्वस्थ, मेधावी और बलवान बाल पीढ़ी की ओर सशक्त कदम है। इस अवसर पर डीसी एलिमेंट्री स्कूल के निदेशक विमल चतुर्वेदी, शिशु एवं बाल रोग विभागाध्यक्ष डॉ. त्रिविक्रम मणि त्रिपाठी, डॉ. दीक्षा आदि की सक्रिय सहभागिता रही।

समाचार दर्पण

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में एन.सी.सी और एन.एस.एस ने मैत्री भाव से खेला राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता'

- 'सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित करता राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता : डॉ चंद्रशेखर मूर्ति'
- 'खेल प्रतियोगिता में एन. सी. सी हुआ विजेता और एन. एस. एस उपविजेता'

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में एनसीसी-एनएसएस की राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता

एनसीसी कैडेट्स कुल विजेता, एनएसएस उपविजेता

एमजीयूजी के रासेयो स्वयंसेवकों ने लगाया एक दिवसीय शिविर

एमजीयूजी के रासेयो स्वयंसेवकों ने लगाया एक दिवसीय शिविर

नव अमृत प्रभात संवाददाता

एनसीसी और एनएसएस ने मैत्री भाव से खेल प्रतियोगिता में लिया भाग

खेल प्रतियोगिता में एनसीसी हुआ विजेता

एनसीसी बना विजेता, एनएसएस उपविजेता घोषित

सीएम योगी के विजन से रोल मॉडल बना एमजीयूजी : डॉ. जीएन सिंह

गोरखपुर(एसएनबी)। भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक एवं यूपी सरकार के सलाहकार डॉ. जीएन सिंह ने कहा कि महज चार वर्षों में ही महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय (एमजीयूजी) पूर्वांचल ही नहीं बल्कि देशभर में शिक्षा, शोध, नवाचार और सामाजिक सेवा का आदर्श बन चुका है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन से स्थापित इस विश्वविद्यालय ने अकादमिक उत्कृष्टता और चिकित्सा सेवाओं के क्षेत्र में कई उपलब्धियां हासिल की हैं। डॉ. सिंह बृहस्पतिवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के चतुर्थ स्थापना दिवस को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। कहा कि स्थापना के चार वर्ष के भीतर ही एमजीयूजी अन्य संस्थानों के लिए रोल मॉडल बन गया है। यह शिक्षा, चिकित्सा और तकनीक का संगम है, जहां विद्यार्थियों के बहुमुखी विकास के लिए समग्र प्रयास किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि यहां अध्यात्म, शिक्षा और सेवा की वैचारिक त्रिवेणी प्रवाहित हो रही है।

महायोगी गोरखनाथ विवि के चतुर्थ स्थापना दिवस के अवसर पर पुस्तक का विमोचन करते अतिथि।

सर्वधर्म समभाव की परिकल्पना को साकार किया: डॉ. संजय माहेश्वरी : मुख्य वक्ता एवं एमपी बिरला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल के निदेशक एवं ख्यातिप्राप्त कैंसर सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी ने कहा कि विश्वविद्यालय ने शैक्षिक गतिविधियों का नई ऊंचाई देने के साथ ही चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय कार्य किया है तथा वैश्विक स्तर पर भी अपनी पहचान कायम कर चुका है। महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय ने कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के उपचार में उल्लेखनीय कार्य कर पूर्वी उत्तर प्रदेश में नई पहचान बनाई है।

अकादमिक उत्कृष्टता और सेवा का केंद्र है संस्थानः डॉ. अतुल वाजपेयी : समारोह की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि संस्थान केवल ज्ञान ही नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता और वंचितों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कार्यरत है। वहीं, स्वागत भाषण में कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि विश्वविद्यालय योग, आयुर्वेद और आधुनिक चिकित्सा का संगम है तथा रोजगारपरक शिक्षा, स्टार्टअप और डिजिटल शिक्षण को बढ़ावा दे रहा है।

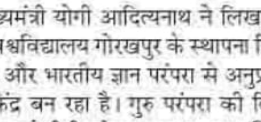

445 विद्यार्थियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन पर किया गया सम्मानित : स्थापना दिवस पर दो पुस्तकों सेवापथ (वार्षिक विवरणिका) और आरोग्य प्रभा (त्रैमासिक पत्रिका) का विमोचन किया गया। इस अवसर पर 451 विद्यार्थियों को शैक्षणिक, शोध, खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। छह समूहों में प्रतियोगिताओं के आयोजन हुए, जिसमें ब्राउन समूह को सर्वश्रेष्ठ घोषित किया गया।

एमजीयूजी पूर्वांचल में शैक्षिक नवजागरण का सशक्त केंद्र : सीएम : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर बधाई देते हुए एमजीयूजी को पूर्वांचल में शैक्षिक नवजागरण का सशक्त केंद्र बताया।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के चतुर्थ स्थापना दिवस समारोह में बोले पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह

योगी के विजन से रोल मॉडल बना एमजीयूजी

आयोजन

- बोले एमजीयूजी युवाओं को शिक्षा, रोजगार और सामाजिक उत्थान से जोड़ रहा

451 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया समारोह में

सामाजिक सेवा का केंद्र है एमजीयूजी : डॉ. अतुल

शैक्षणिक गतिविधियों के लिए प्रतिबद्ध : डॉ. प्रदीप

सर्वधर्म सेवा, समभाव को साकार कर रहा विवि : डॉ. संजय

सीएम योगी ने दी बधाई

सीएम योगी ने दी विश्वविद्यालय परिवार को बधाई

गोरखपुर, २८ अगस्त। एमजीयूजी के चतुर्थ स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर मुख्यमंत्री एवं इस विश्वविद्यालय के कुलाधिपति योगी आदित्यनाथ ने बधाई देते हुए इस विश्वविद्यालय को शैक्षिक पुनर्जागरण का सशक्त केंद्र बताया। सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर अपने बधाई संदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लिखा, शिक्षा, शोध और साधना की त्रिवेणी महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के स्थापना दिवस पर विश्वविद्यालय परिवार को हार्दिक बधाई! योग, विज्ञान और भारतीय ज्ञान परंपरा से अनुप्राणित यह संस्थान पूर्वांचल में शैक्षिक नवजागरण का सशक्त केंद्र बन रहा है। गुरु परंपरा की दिव्यता और नए भारत की आकांक्षा से जुड़ा यह विश्वविद्यालय नई पीढ़ी को आत्मज्ञान, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता से सशक्त कर रहा है।

जनरेटिव एआई उद्योग व शिक्षा जगत में ला रहा क्रांतिकारी बदलाव : स्वाति उप्पदी

- एमजीयूजी में जनरेटिव एआई पर कार्यशाला का आयोजन
- डिजाइन, स्वास्थ्य सेवा और साइबर सुरक्षा तक पहुंचा जनरेटिव एआई का प्रभाव

स्वतंत्र चेतना

नगर संवाददाता, गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर में शनिवार को एक दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में हुआ।

कार्यशाला का विषय जनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में नवीनतम प्रवृत्तियां एवं शैक्षणिक और औद्योगिक उपयोगिता रखा गया। मुख्य वक्ता के रूप में फ्यूचर ओएस की संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुश्री स्वाति उप्पदी ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने जनरेटिव एआई की कार्यप्रणाली, विकास यात्रा तथा सामाजिक और व्यावसायिक उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह तकनीक आज के डिजिटल युग की सबसे क्रांतिकारी उपलब्धियों में से एक है। सुश्री उप्पदी ने कहा कि आने वाले समय में यह लगभग हर उद्योग क्षेत्र को प्रभावित करेगी। विशिष्ट अतिथि सतीश कारी, वरिष्ठ परियोजना प्रबंधक ट्रेडेंस इंक ने कहा कि जनरेटिव एआई का उपयोग अब केवल कंटेंट निर्माण तक सीमित नहीं है। डिजाइन, उत्पाद विकास, स्वास्थ्य सेवा, वित्तीय विश्लेषण और साइबर सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में भी इसका प्रभावी इस्तेमाल हो रहा है। दूसरे विशिष्ट वक्ता बालाजी वुप्पुलुरी, वरिष्ठ प्रबंधक अमेरिकन एक्सप्रेस, ने सॉफ्टवेयर उद्योग में जनरेटिव एआई की नवीन प्रवृत्तियों और कार्यप्रवाह में इसके प्रभाव की विस्तृत जानकारी दी। कार्यशाला का आयोजन प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट सेल के निदेशक डॉ. एम. एन. पुरोहित के नेतृत्व में हुआ। संचालन अनूप मिश्रा ने किया और आभार प्राची यादव ने व्यक्त किया। इस अवसर पर डॉ. विक्रम शर्मा, धनंजय पाण्डेय, सभी विभागाध्यक्ष एवं शिक्षकगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

'जनरेटिव एआई डिजिटल युग की सबसे क्रांतिकारी तकनीक : उप्पदी'

'एमजीयूजी में जनरेटिव एआई में नवीन प्रवृतियां विषयक फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यशाला का आयोजन'

संवाददाता

'गोरखपुर।' महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में शनिवार को एक दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यशाला में 'जनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में नवीनतम प्रवृत्तियां एवं शैक्षणिक और औद्योगिक उपयोगिता' विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित फ्यूचर ओएस की संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुश्री स्वाति उप्पदी ने अनुभव आधारित जानकारी साझा की। सुश्री उप्पदी ने जनरेटिव एआई की कार्यप्रणाली, विकास यात्रा एवं इसकी सामाजिक और व्यावसायिक उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जनरेटिव एआई आज के डिजिटल युग की सबसे क्रांतिकारी तकनीकों में से एक है, जो आने वाले वर्षों में लगभग हर उद्योग क्षेत्र को प्रभावित करेगी। कार्यशाला में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित सतीश कारी (वरिष्ठ परियोजना प्रबंधक, ट्रेडेंस इंक) ने जनरेटिव एआई के क्षेत्र में हो रहे बदलाव पर कहा कि जनरेटिव एआई न केवल कंटेंट निर्माण में उपयोगी है, बल्कि डिजाइन, उत्पाद विकास, स्वास्थ्य सेवा, वित्तीय विश्लेषण एवं साइबर सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में भी इसका प्रभावी उपयोग हो रहा है।

दूसरे विशिष्ट वक्ता बालाजी वुप्पुलुरी (वरिष्ठ प्रबंधक, अमेरिकन एक्सप्रेस) ने सॉफ्टवेयर उद्योग में जनरेटिव एआई के नवाचारों एवं कार्यप्रवाह में इसके प्रभाव की विस्तृत जानकारी साझा की। कार्यशाला का आयोजन प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट सेल के निदेशक डॉ. एम. एन. पुरोहित ने किया। संचालन अनूप मिश्रा और आभार ज्ञापन प्राची यादव ने किया। कार्यक्रम में डॉ. विक्रम शर्मा, धनंजय पाण्डेय एवं सभी विभागाध्यक्ष एवं सभी शिक्षक मौजूद रहे।

जनरेटिव एआई डिजिटल युग की सबसे क्रांतिकारी तकनीक : उप्पदी

एमजीयूजी में 'जनरेटिव एआई में नवीन प्रवृत्तियां विषयक फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यशाला का आयोजन

ग्राम स्वराज्य (संवाददाता)

गोरखपुर, 23 अगस्त। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में शनिवार को एक दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यशाला में 'जनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में नवीनतम प्रवृत्तियां एवं शैक्षणिक और औद्योगिक उपयोगिता' विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित फ्यूचर ओएस की संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुश्री स्वाति उप्पदी ने अनुभव आधारित जानकारी साझा की। सुश्री उप्पदी ने जनरेटिव एआई की कार्यप्रणाली, विकास यात्रा एवं इसकी सामाजिक और व्यावसायिक उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जनरेटिव एआई आज के डिजिटल युग की सबसे क्रांतिकारी तकनीकों में से एक है, जो आने वाले वर्षों में लगभग हर उद्योग क्षेत्र को प्रभावित करेगी। कार्यशाला में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित सतीश कारी (वरिष्ठ परियोजना प्रबंधक, ट्रेडेंस इंक.) ने जनरेटिव एआई के क्षेत्र में हो रहे बदलाव पर कहा कि जनरेटिव एआई न केवल कंटेंट निर्माण में उपयोगी है, बल्कि डिजाइन, उत्पाद विकास, स्वास्थ्य सेवा, वित्तीय विश्लेषण एवं साइबर सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में भी इसका प्रभावी उपयोग हो रहा है। दूसरे विशिष्ट वक्ता बालाजी वुप्पुलुरी (वरिष्ठ प्रबंधक, अमेरिकन एक्सप्रेस) ने सॉफ्टवेयर उद्योग में जनरेटिव एआई के नवाचारों एवं कार्यप्रवाह में इसके प्रभाव की विस्तृत जानकारी साझा की। कार्यशाला का आयोजन प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट सेल के निदेशक डॉ. एम. एन. पुरोहित ने किया। संचालन अनूप मिश्रा और आभार ज्ञापन प्राची यादव ने किया। कार्यक्रम में डॉ. विक्रम शर्मा, धनंजय पाण्डेय एवं सभी विभागाध्यक्ष एवं सभी शिक्षक मौजूद रहे।

स्वास्थ्य सेवाओं का बड़ा माध्यम बन सकती है टेलीमेडिसिनः डॉ. अनुराग'

'एमजीयूजी में चतुर्थ स्थापना दिवस सप्ताह के अंतर्गत विशेष व्याख्यान का आयोजन'

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के चतुर्थ स्थापना दिवस सप्ताह के अंतर्गत रविवार को बहुउद्देशीय हॉल में "स्वास्थ्य सेवा की वर्तमान चुनौतियां: बेहतर भविष्य हेतु जटिलताओं का समाधान" विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया।

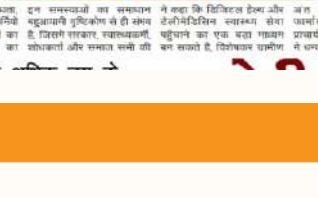

मुख्य वक्ता श्री गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्राचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने व्याख्यान के दौरान समान स्वास्थ्य सेवा की उपलब्धता, गुणवत्ता, प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों की कमी, बढ़ती बीमारियों का बोझ, आधुनिक तकनीकों का समुचित उपयोग और स्वास्थ्य नीतियों की चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की। साथ ही बताया कि इन समस्याओं का समाधान बहुआयामी दृष्टिकोण से ही संभव है, जिसमें सरकार, स्वास्थ्यकर्मी, शोधकर्ता और समाज सभी की सहभागिता आवश्यक है।

भविष्य की संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए डॉ. श्रीवास्तव ने कहा कि डिजिटल हेल्थ और टेलीमेडिसिन स्वास्थ्य सेवा पहुंचाने का एक बड़ा माध्यम बन सकते हैं, विशेषकर ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में। वहीं, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा एनालिटिक्स के माध्यम से बीमारियों की शुरुआती पहचान, सटीक निदान और व्यक्तिगत उपचार योजनाएं संभव हो सकती हैं।

नर्सों और स्वास्थ्यकर्मियों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि कहा कि वे मरीजों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवा पहुंचाने, जागरूकता फैलाने तथा प्राथमिक स्तर पर रोग प्रबंधन में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। कार्यक्रम के अंत में फैकल्टी ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेस के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) शशिकांत सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

नाथपंथ ने दिया सामाजिक समरसता और सर्वधर्म सम्भाव का संदेश : प्रो. रेड्डी

»स्थापना दिवस आत्ममंथन और भावी कार्ययोजना बनाने का अवसर : डॉ. अनुराग
»महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय का चतुर्थ स्थापना दिवस समारोह

स्वतंत्र चेतना

नगर संवाददाता, गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय (एमजीयूजी) गोरखपुर का चतुर्थ स्थापना दिवस समारोह शुक्रवार को धूमधाम से आरंभ हुआ। युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की स्मृति में सातदिवसीय व्याख्यानमाला का भी शुभारंभ किया गया।

मुख्य अतिथि महायोगी गुरु गोरखनाथ राज्य आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के. रामचंद्र रेड्डी ने कहा कि एमजीयूजी आयुर्वेद, नर्सिंग, पैरामेडिकल और आधुनिक चिकित्सा के क्षेत्र में निरंतर नए प्रतिमान स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि नाथपंथ के मनीषियों ने शिक्षा के माध्यम से समाज में व्याप्त कुरीतियों का नाश कर सामाजिक समरसता और सर्वधर्म सम्भाव का संदेश दिया। गोरक्षपीठ सदैव सामाजिक उत्थान और सौहार्द का केन्द्र रहा है। प्रो. रेड्डी ने कहा कि योग और आयुर्वेद की परंपरा आज की जीवनशैली से उत्पन्न रोगों के समाधान में अत्यंत सहायक सिद्ध हो रही है। कोरोना महामारी के समय इसका महत्व सभी ने देखा। समारोह की अध्यक्षता कर रहे श्री गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्राचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि स्थापना दिवस केवल उत्सव नहीं बल्कि आत्ममंथन और भावी कार्ययोजना बनाने का अवसर है। उन्होंने कहा कि चार वर्षों में विश्वविद्यालय ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और शोध में उल्लेखनीय प्रगति की है। आने वाले समय में हमारा लक्ष्य वैश्विक स्तर की शिक्षा उपलब्ध कराना और वंचित वर्गों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है। समारोह का शुभारम्भ विद्यार्थियों द्वारा सरस्वती वंदना, कुलगीत और स्वागत गीत से हुआ। स्वागत संबोधन आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम ने दिया। कार्यक्रम संयोजक प्रो. शशिकांत सिंह ने सात दिनों तक होने वाली विभिन्न गतिविधियों की रूपरेखा प्रस्तुत की। इस अवसर पर कृषि संकाय के डीन डॉ. विमल दूबे, आयुर्वेद कॉलेज के उप प्राचार्य डॉ. सुमित, विभिन्न संकायों के संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

चिकित्सा विज्ञान तक ही सीमित नहीं हैं आयुर्वेद की संहिताएं : डॉ. विष्णुमाया

एमजीयूजी के आयुर्वेद कॉलेज में चरक संहिता पर व्याख्यान का आयोजन

गोरखपुर (गो०मे०सं०)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर (एमजीयूजी) के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) में संहिता सिद्धांत विभाग द्वारा शुक्रवार को चरक संहिता पर शैक्षणिक व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्त्री एवं प्रसूति तंत्र विभागाध्यक्ष डॉ. विष्णुमाया ने मुख्य वक्ता के रूप में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आयुर्वेद की प्राचीन संहिताएं केवल चिकित्सा विज्ञान तक ही सीमित नहीं हैं। बल्कि जीवन की उत्पत्ति, संतति की शुद्धता, मातृ-शिशु स्वास्थ्य और स्वस्थ समाज की परिकल्पना तक का गहन विवेचन प्रस्तुत करती हैं। उन्होंने बताया कि चरक संहिता के अंतर्गत जाति सूत्रीय अध्याय में गर्भ की उत्पत्ति, मातृ एवं पितृ योगदान, आहार-विहार, मानसिक स्थिति तथा पर्यावरणीय प्रभावों का अत्यंत सूक्ष्म और वैज्ञानिक वर्णन मिलता है। यह अध्याय बताता

है कि संतानोत्पत्ति केवल जैविक प्रक्रिया नहीं है, बल्कि इसमें आचार, विचार और भावनाओं का भी महत्वपूर्ण योगदान होता है। उन्होंने कहा कि चरक संहिता का यह अध्याय आधुनिक प्रसूति विज्ञान और स्त्री-रोग विज्ञान की अवधारणाओं से मेल खाता है। गर्भावस्था के समय माता के आहार, दिनचर्या और मनोभाव का शिशु के शारीरिक एवं मानसिक विकास पर गहरा प्रभाव पड़ता है। इसीलिए आयुर्वेद में ह्यगर्भिणी परिचर्याह्न का विशेष उल्लेख किया गया है, जिसका उद्देश्य स्वस्थ संतान एवं निरोगी समाज का निर्माण है। डॉ. विष्णुमाया ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि आयुर्वेद की शाश्वत शिक्षाओं को आधुनिक चिकित्सा दृष्टिकोण के साथ जोड़कर अध्ययन करना चाहिए, ताकि समाज को लाभ मिल सके। कार्यक्रम में संहिता सिद्धांत के विभागाध्यक्ष डॉ शांति भूषण ने विषय की महत्ता पर प्रकाश डाला और विद्यार्थियों को इस ज्ञान के व्यावहारिक पक्ष को समझने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर? आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय आभार ज्ञापन करते हुए कहा कि आयुर्वेद का प्राचीन ज्ञान आज भी वैज्ञानिक दृष्टिकोण से प्रासंगिक है और चिकित्सा शिक्षा के प्रत्येक स्तर पर इनका अध्ययन करना आवश्यक है। कार्यक्रम का संचालन शगुन ने किया। कार्यक्रम में उप प्राचार्य डॉ. सुमित सहित सभी प्राध्यापक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चिकित्सा विज्ञान तक ही सीमित नहीं हैं आयुर्वेद की संहिताएं : डॉ. विष्णुमाया'

'एमजीयूजी के आयुर्वेद कॉलेज में चरक संहिता पर व्याख्यान का आयोजन'

संवाददाता

गोरखपुर,। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर

(एमजीयूजी) के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) में संहिता सिद्धांत विभाग द्वारा शुक्रवार को चरक संहिता पर शैक्षणिक व्याख्यान का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर स्त्री एवं प्रसूति तंत्र विभागाध्यक्ष डॉ. विष्णुमाया ने मुख्य वक्ता के रूप में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आयुर्वेद की प्राचीन संहिताएं केवल चिकित्सा विज्ञान तक ही सीमित नहीं हैं। बल्कि जीवन की उत्पत्ति, संतति की शुद्धता, मातृ-शिशु स्वास्थ्य और स्वस्थ समाज की परिकल्पना तक का गहन विवेचन प्रस्तुत करती है। उन्होंने बताया कि चरक संहिता के अंतर्गत जाति सूत्रीय अध्याय में गर्भ की उत्पत्ति, मातृ एवं पितृ योगदान, आहार-विहार, मानसिक स्थिति तथा पर्यावरणीय प्रभावों का अत्यंत सूक्ष्म और वैज्ञानिक वर्णन मिलता है। यह अध्याय बताता है कि संतानोत्पत्ति केवल जैविक प्रक्रिया नहीं है, बल्कि इसमें आचार, विचार और भावनाओं का भी महत्वपूर्ण योगदान होता है। उन्होंने कहा कि चरक संहिता का यह अध्याय आधुनिक प्रसूति विज्ञान और स्त्री-रोग विज्ञान की अवधारणाओं से मेल खाता है। गर्भावस्था के समय माता के आहार, दिनचर्या और मनोभाव का शिशु के शारीरिक एवं मानसिक विकास पर गहरा प्रभाव पड़ता है। इसीलिए आयुर्वेद में 'गर्भिणी परिचर्या' का विशेष उल्लेख किया गया है, जिसका उद्देश्य स्वस्थ संतान एवं निरोगी समाज का निर्माण है। डॉ. विष्णुमाया ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि आयुर्वेद की शाश्वत शिक्षाओं को आधुनिक चिकित्सा दृष्टिकोण के साथ जोड़कर अध्ययन करना चाहिए, ताकि समाज को लाभ मिल सके।

कार्यक्रम में संहिता सिद्धांत के विभागाध्यक्ष डॉ शांति भूषण ने विषय की महत्ता पर प्रकाश डाला और विद्यार्थियों को इस ज्ञान के व्यावहारिक पक्ष को समझने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर परह आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय आभार ज्ञापन करते हुए कहा कि आयुर्वेद का प्राचीन ज्ञान आज भी वैज्ञानिक दृष्टिकोण से प्रासंगिक है और चिकित्सा शिक्षा के प्रत्येक स्तर पर इनका अध्ययन करना आवश्यक है। कार्यक्रम का संचालन शगुन ने किया। कार्यक्रम में उप प्राचार्य डॉ. सुमित सहित सभी प्राध्यापक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आज मनाया जाएगा महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस

»पूर्व औषधि महानियंत्रक व प्रदेश सरकार के सलाहकार डॉ. जीएन सिंह होंगे मुख्य अतिथि
»एमपी बिरला हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. संजय माहेश्वरी मुख्य वक्ता

स्वतंत्र चेतना

नगर संवाददाता, गोरखपुर। रोजगारपरक शिक्षा और उत्कृष्ट चिकित्सा सेवा में महज चार वर्षों में ही विशिष्ट पहचान बना चुके महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) का 28 अगस्त को विश्वविद्यालय का चतुर्थ स्थापना दिवस समारोह मनाया जाएगा।

पूर्वाह्न 11 बजे से होने वाले कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक और प्रदेश सरकार के सलाहकार डॉ. जीएन सिंह तथा मुख्य वक्ता के रूप में विश्व प्रसिद्ध कैंसर सर्जन और एमपी बिरला हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. संजय महेश्वरी उपस्थित रहेंगे। विशिष्ट अतिथि डॉ. रेखा माहेश्वरी होंगी और कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी करेंगे। बताते चलें कि 28 अगस्त 2021 को तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद द्वारा लोकार्पित यह विश्वविद्यालय आज पूर्वी उत्तर प्रदेश में उच्च, रोजगारपरक और चिकित्सा शिक्षा का केंद्र बन चुका है। यहां एमबीबीएस, बीएएमएस, नर्सिंग समेत दो दर्जन से अधिक पाठ्यक्रम संचालित हैं। इसके साथ ही शोध-अनुसंधान के लिए कई प्रतिष्ठित संस्थाओं से एमओयू कर विश्वविद्यालय ने शैक्षिक प्रौद्योगिकी और गुणवत्ता पर विशेष जोर दिया है। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बतौर कुलाधिपति विश्वविद्यालय के मार्गदर्शक हैं। उनकी मंशा 2032 तक गोरखपुर को नॉलेज सिटी के रूप में स्थापित करने की है।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने बताया कि

विश्वविद्यालय में चिकित्सा, नर्सिंग, पैरामेडिकल, एग्रीकल्चर, फार्मेसी, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन और विज्ञान के विभिन्न विषयों में डिप्लोमा से लेकर स्नातकोत्तर तक के पाठ्यक्रम चल रहे हैं। इनमें एएनएम, जीएनएम, बीएससी नर्सिंग, एमएससी नर्सिंग, बीएससी एग्रीकल्चर, बी फार्मा, डी फार्मा, एमएससी बायोटेक्नोलॉजी, एमएससी एनवायरमेंटल साइंस, बीबीए लॉजिस्टिक सहित कई रोजगारपरक कार्यक्रम शामिल हैं। श्री राव ने बताया कि शोध, नवाचार और स्टार्टअप को प्रोत्साहित करने के लिए एमजीयूजी ने अंतरराष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (ईरी), लुम्बिनी बौद्ध विश्वविद्यालय नेपाल, एम्स गोरखपुर, केजीएमयू लखनऊ, आरएमआरसी गोरखपुर, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय सहित कई राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय संस्थानों से समझौता किया है। विश्वविद्यालय से संबद्ध अस्पताल में कैंसर जैसी जटिल सर्जरी तक सफलतापूर्वक की जा रही है। आयुर्वेद अस्पताल और विश्वस्तरीय पंचकर्म केंद्र भी कम समय में ही मरीजों के लिए भरोसेमंद साबित हुआ है।

नित नए प्रतिमान स्थापित कर रहा महायोगी गोरखनाथ विवि : प्रो. रेड्डी

○ एमजीयूजी के चतुर्थ स्थापना दिवस सप्ताह समारोह एवं सातदिवसीय स्मृति व्याख्यानमाला का शुभारंभ
○ नाथपंथ के मनीषियों का सदैव ऋणी रहेगा समाज : प्रो. रेड्डी

गोरखपुर (विधान केसरी)। [illegible]

चिकित्सा विज्ञान तक सीमित नहीं आयुर्वेद की संहिताएं : डा. विष्णुमाया

»चरक संहिता में मातृ-शिशु स्वास्थ्य व समाज निर्माण का गहन विवेचन

स्वतंत्र चेतना

नगर संवाददाता, गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय (एमजीयूजी) के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) में संहिता सिद्धांत विभाग द्वारा शुक्रवार को चरक संहिता पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर स्त्री एवं प्रसूति तंत्र विभागाध्यक्ष डॉ. विष्णुमाया ने कहा कि आयुर्वेद की प्राचीन

संहिताएं केवल चिकित्सा विज्ञान तक सीमित नहीं हैं, बल्कि जीवन की उत्पत्ति, मातृ-शिशु स्वास्थ्य और स्वस्थ समाज की परिकल्पना तक का गहन विवेचन करती हैं। डॉ. विष्णुमाया ने बताया कि चरक संहिता के जाति सूत्रीय अध्याय में गर्भ की उत्पत्ति, माता-पिता का योगदान, आहार-विहार, मानसिक स्थिति और पर्यावरणीय प्रभावों का वैज्ञानिक विश्लेषण मिलता है। यह सिद्धांत स्पष्ट करता है कि संतानोत्पत्ति केवल जैविक प्रक्रिया नहीं है, बल्कि इसमें आचार-विचार और भावनाओं की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। कार्यक्रम में संहिता सिद्धांत विभागाध्यक्ष डॉ. शांति भूषण ने विषय की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को इसके व्यावहारिक पक्ष को समझने के लिए प्रोत्साहित किया। आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय ने आभार ज्ञापन करते हुए कहा कि आयुर्वेद का यह प्राचीन ज्ञान आज भी वैज्ञानिक दृष्टिकोण से प्रासंगिक है और चिकित्सा शिक्षा के प्रत्येक स्तर पर इसका अध्ययन आवश्यक है। संचालन शगुन ने किया। इस अवसर पर उप प्राचार्य डॉ. सुमित सहित सभी प्राध्यापक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

समाचार दर्पण

एमजीयूजी के हॉस्पिटल में कैम्प लगाकर हुई कैंसर की सर्जरी

गोरखपुर, २७ अगस्त। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के चतुर्थ स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में साप्ताहिक समारोह के तहत बुधवार को जटिल एवं दुर्लभ कैंसर के मरीजों की शल्य क्रिया कर उन्हें आरोग्यता प्रदान की गई इस अवसर पर मरीजों का इलाज करने के लिए उपस्थित ख्यातिप्राप्त कैंसर सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी ने बताया कि कैंसर जैसे असाध्य रोगों का इलाज और ऑपरेशन एमजीयूजी के हॉस्पिटल में सफलतापूर्वक हो रहा है। मरीजों को बड़े पैमाने पर सुविधा देने के लिए स्पेशल कैम्प लगाकर जटिल एवं दुर्लभ कैंसर रोगियों का उच्चस्तरीय उपचार एवं सफल ऑपरेशन किया गया। डॉ. माहेश्वरी ने कहा कि कैंसर के रोगियों को अब इलाज के लिए बड़े महानगरों का रुख नहीं करना पड़ेगा। एमजीयूजी के हॉस्पिटल में इलाज की सुविधा पूर्वांचल ही नहीं, अपितु संपूर्ण प्रदेश के लिए एक राहत एवं उम्मीद की किरण साबित होगी। उन्होंने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय एवं चिकित्सालय का संकल्प है कि समाज के अंतिम छोर तक बैठे हर व्यक्ति को सस्ती, सुलभ एवं आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएँ। ताकि कोई भी रोगी

आर्थिक कारणों से चिकित्सा से वंचित न रहे।

स्पेशल कैम्प में विशेष रूप से कैंसर से संक्रमित निचले होंठ का सफल ऑपरेशन डॉ. संजय माहेश्वरी के नेतृत्व में किया गया। इस जटिल शल्य क्रिया में ओटी टीम के सदस्य दीपक पाठक, शुभ पांडेय, माधुरी साहनी, अर्चिता पटेल, एनेस्थीसिया विशेषज्ञ

❖ख्यातिप्राप्त कैंसर सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी ने किया ऑपरेशन, ओपीडी में बड़ी संख्या में मरीजों को मिला परामर्श

डॉ. अवध बिहारी तिवारी का सहयोग रहा। इस कैम्प में एड़ी की हड्डी का ऑपरेशन डॉ. मोहित अस्थाना (आर्थोपेडिक्स विशेषज्ञ) द्वारा सफलतापूर्वक किया गया। कैम्प की ओपीडी में डॉ. संजय माहेश्वरी, डॉ. रेखा माहेश्वरी (जनरल सर्जरी, लिवर, बिलियरी सर्जरी एवं लेजर सर्जरी विशेषज्ञ) ने बड़ी संख्या में मरीजों को परामर्श प्रदान किया।

एमजीयूजी हॉस्पिटल में विशेष शिविर में हुई जटिल सर्जरी

कैंसर रोगियों को मिला आधुनिक इलाज और बड़ी संख्या में मरीजों ने लिया परामर्श

ग्राम स्वराज्य (संवाददाता)

गोरखपुर, 27 अगस्त। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के चतुर्थ स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में साप्ताहिक समारोह के तहत बुधवार को जटिल एवं दुर्लभ कैंसर के मरीजों की शल्य क्रिया कर उन्हें आरोग्यता प्रदान की गई।

इस अवसर पर मरीजों का इलाज करने के लिए उपस्थित ख्यातिप्राप्त कैंसर सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी ने बताया कि कैंसर जैसे असाध्य रोगों का इलाज और ऑपरेशन एमजीयूजी के हॉस्पिटल में सफलतापूर्वक हो रहा है। मरीजों को बड़े पैमाने पर सुविधा देने के लिए स्पेशल कैम्प लगाकर जटिल एवं दुर्लभ कैंसर रोगियों का उच्चस्तरीय उपचार एवं सफल ऑपरेशन किया गया।

डॉ. माहेश्वरी ने कहा कि कैंसर के रोगियों को अब इलाज के लिए बड़े महानगरों का रुख नहीं करना पड़ेगा। एमजीयूजी के हॉस्पिटल में इलाज की

सुविधा पूर्वांचल ही नहीं, अपितु संपूर्ण प्रदेश के लिए एक राहत एवं उम्मीद की किरण साबित होगी। उन्होंने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय एवं चिकित्सालय का संकल्प है कि समाज के अंतिम छोर तक बैठे हर व्यक्ति को सस्ती, सुलभ एवं आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएं ताकि कोई भी रोगी आर्थिक कारणों से चिकित्सा से वंचित न रहे।

स्पेशल कैम्प में विशेष रूप से कैंसर से संक्रमित निचले होंठ का सफल ऑपरेशन डॉ. संजय माहेश्वरी के नेतृत्व में किया गया। इस जटिल शल्य क्रिया में ओटी टीम के सदस्य दीपक पाठक, शुभ पांडेय, माधुरी साहनी, अर्चिता पटेल, एनेस्थीसिया विशेषज्ञ डॉ. अवध बिहारी तिवारी का सहयोग रहा।

इस कैम्प में एड़ी की हड्डी का ऑपरेशन डॉ. मोहित अस्थाना (आर्थोपेडिक्स विशेषज्ञ) द्वारा सफलतापूर्वक किया गया। कैम्प की ओपीडी में डॉ. संजय माहेश्वरी, डॉ. रेखा माहेश्वरी (जनरल सर्जरी, लिवर, बिलियरी सर्जरी एवं लेजर सर्जरी विशेषज्ञ) ने बड़ी संख्या में मरीजों को परामर्श प्रदान किया।

हॉस्पिटल में कैम्प लगा हुई कैंसर की सर्जरी

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में चतुर्थ स्थापना दिवस मनाया जा रहा है। इसी के तहत बुधवार को जटिल एवं दुर्लभ कैंसर के मरीजों की शल्य क्रिया कर उन्हें आरोग्यता प्रदान की गई।

कैंसर सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी ने बताया कि कैंसर जैसे असाध्य रोगों का इलाज और ऑपरेशन एमजीयूजी के हॉस्पिटल में सफलतापूर्वक हो रहा है। मरीजों को सुविधा देने के लिए स्पेशल कैम्प लगाकर दुर्लभ कैंसर रोगियों का उपचार एवं सफल ऑपरेशन किया गया। डॉ. माहेश्वरी ने कहा कि कैंसर के रोगियों को अब इलाज के लिए बड़े महानगरों का रुख नहीं करना पड़ेगा। कैंसर से संक्रमित निचले होंठ का ऑपरेशन डॉ. संजय माहेश्वरी के नेतृत्व में किया गया। एड़ी की हड्डी का ऑपरेशन डॉ. मोहित अस्थाना ने। ओपीडी में डॉ. संजय माहेश्वरी, डॉ. रेखा माहेश्वरी मरीजों को परामर्श दिया।

एमजीयूजी के हॉस्पिटल में कैम्प लगाकर हुई कैंसर की सर्जरी

गोरखपुर। (स्पष्ट आवाज)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के चतुर्थ स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में साप्ताहिक समारोह के तहत बुधवार को जटिल एवं दुर्लभ कैंसर के मरीजों की शल्य क्रिया कर उन्हें आरोग्यता प्रदान की गई।

इस अवसर पर मरीजों का इलाज करने के लिए उपस्थित ख्यातिप्राप्त कैंसर सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी ने बताया कि कैंसर जैसे असाध्य रोगों का इलाज और ऑपरेशन एमजीयूजी के हॉस्पिटल में सफलतापूर्वक हो रहा है। मरीजों को बड़े पैमाने पर सुविधा देने के लिए स्पेशल कैम्प लगाकर जटिल एवं दुर्लभ कैंसर रोगियों का उच्चस्तरीय उपचार एवं सफल ऑपरेशन किया गया। डॉ. माहेश्वरी ने कहा कि कैंसर के रोगियों को अब इलाज के लिए बड़े महानगरों का रुख नहीं करना पड़ेगा। एमजीयूजी के हॉस्पिटल में इलाज की सुविधा पूर्वांचल ही नहीं, अपितु संपूर्ण प्रदेश के लिए एक राहत एवं उम्मीद की किरण साबित होगी। उन्होंने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय एवं चिकित्सालय का संकल्प है कि समाज के अंतिम छोर तक बैठे हर व्यक्ति को सस्ती, सुलभ एवं आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध

कराई जाएँ। ताकि कोई भी रोगी आर्थिक कारणों से चिकित्सा से वंचित न रहे। स्पेशल कैम्प में विशेष रूप से कैंसर से संक्रमित निचले होंठ का सफल ऑपरेशन डॉ. संजय माहेश्वरी के नेतृत्व में किया गया। इस जटिल शल्य क्रिया में ओटी टीम के सदस्य दीपक पाठक, शुभ पांडेय, माधुरी साहनी, अर्चिता पटेल, एनेस्थीसिया विशेषज्ञ डॉ. अवध बिहारी तिवारी का सहयोग रहा। इस कैम्प में एड़ी की हड्डी का ऑपरेशन डॉ. मोहित अस्थाना (आर्थोपेडिक्स विशेषज्ञ) द्वारा सफलतापूर्वक किया गया। कैम्प की ओपीडी में डॉ. संजय माहेश्वरी, डॉ. रेखा माहेश्वरी (जनरल सर्जरी, लिवर, बिलियरी सर्जरी एवं लेजर सर्जरी विशेषज्ञ) ने बड़ी संख्या में मरीजों को परामर्श प्रदान किया।

रोजगारपरक शिक्षा और चिकित्सा का नया आयाम बना एमजीयूजी

चार साल में एमबीबीएस, बीएएमएस समेत दो दर्जन पाठ्यक्रम, शोध और नवाचार पर खास जोर

दो राष्ट्रपतियों का हो चुका है आगमन, रियायती दर पर आधुनिक व आयुर्वेदिक चिकित्सा की उपलब्धि

ग्राम स्वराज्य (संवाददाता)

गोरखपुर, 27 अगस्त। स्थापना के महज चार साल में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) रोजगारपरक शिक्षा और चिकित्सा सेवा का प्रमुख केंद्र बन गया है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में उच्च, विशिष्ट और रोजगारदायी शिक्षा को नई दिशा देने वाले इस विश्वविद्यालय में एमबीबीएस, बीएएमएस, नर्सिंग और पैरामेडिकल समेत दो दर्जन से अधिक पाठ्यक्रम संचालित हो रहे हैं। यहां से निकलने वाले विद्यार्थी मेडिकल साइंस, नर्सिंग, फार्मेसी, पैरामेडिकल, कृषि, बायोटेक्नोलॉजी और बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन जैसे क्षेत्रों में रोजगार पा रहे हैं। शोध व नवाचार को बढ़ावा देने के लिए एमजीयूजी ने एम्स गोरखपुर, केजीएमयू लखनऊ, अंतरराष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, लुम्बिनी बौद्ध विश्वविद्यालय नेपाल, भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान और अन्य प्रतिष्ठित संस्थाओं से एमओयू किया है। इसके जरिये यहां रिसर्च, स्टार्टअप और तकनीकी विकास को नई दिशा मिल रही है।

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति और गोरक्षपीठाधीश्वर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का लक्ष्य गोरखपुर को 2032 तक 'नॉलेज सिटी' के रूप में स्थापित करना है। इसी सोच के अनुरूप यहां भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक शिक्षा तकनीक का

समन्वय कर पाठ्यक्रम तैयार किए गए हैं। नर्सिंग, पैरामेडिकल और फार्मेसी में दर्जनों रोजगारपरक डिप्लोमा और डिग्री कोर्स संचालित हो रहे हैं, जिनकी वर्तमान समय में विशेष मांग है।

सिर्फ शिक्षा ही नहीं, बल्कि चिकित्सा क्षेत्र में भी एमजीयूजी की बड़ी पहचान बनी है। विश्वविद्यालय से संबद्ध मेडिकल कॉलेज अस्पताल में कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का सफल इलाज हो रहा है। वहीं आयुर्वेद अस्पताल और पंचकर्म केंद्र ने भी अल्प समय में ही अपनी गुणवत्ता और परिणामों से विश्वास अर्जित किया है। यहां आधुनिक व आयुर्वेदिक चिकित्सा का संतुलन रोगियों को सहज दरों पर उपलब्ध कराया जा रहा है।

28 अगस्त 2021 को तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने एमजीयूजी का लोकार्पण किया था। महज चार साल में ही यह उपलब्धि मिली कि 1 जुलाई 2025 को वर्तमान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी यहां आईं और अकादमिक भवन, ऑडिटोरियम तथा पंचकर्म चिकित्सा केंद्र का उद्घाटन किया। यह संभवतः प्रदेश का पहला निजी विश्वविद्यालय है जहां चार वर्षों के भीतर दो राष्ट्रपतियों का आगमन हुआ है।

गुरुवार 28 अगस्त को विश्वविद्यालय अपना चतुर्थ स्थापना दिवस समारोह मनाएगा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक और वर्तमान में प्रदेश सरकार के सलाहकार डॉ. जीएन सिंह उपस्थित रहेंगे, जबकि मुख्य वक्ता एम्सी विशाल ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के निदेशक व विख्यात कैंसर सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी होंगे। समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी करेंगे।

रोजगारपरक शिक्षा और चिकित्सा सेवा में प्रतिमान गढ़ रहा एमजीयूजी , चार साल बेमिसाल

- शैक्षिक प्रौद्योगिकी और गुणवत्ता पर खास जोर दे रहा एमजीयूजी
- एमबीबीएस, बीएएमएस, नर्सिंग समेत दो दर्जन से अधिक विशिष्ट पाठ्यक्रम संचालित
- गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हैं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति
- 28 अगस्त 2021 को तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने किया था लोकार्पण
- 1 जुलाई 2025 को वर्तमान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का भी हुआ आगमन

रोजगारपरक शिक्षा और चिकित्सा सेवा में प्रतिमान गढ़ रहा एमजीयूजी

गोरखपुर, (संवाददाता) स्थापना के महज चार साल में ही महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) रोजगारपरक शिक्षा और चिकित्सा सेवा के प्रतिमान गढ़ रहा है। इस विश्वविद्यालय ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में उच्च, विशिष्ट, रोजगारपरक और चिकित्सा शिक्षा को नई राह दिखाई है। मात्र चार साल में ही एमबीबीएस, बीएएमएस समेत दो दर्जन से अधिक रोजगारपरक पाठ्यक्रमों की शुरुआत, शोध–अनुसंधान के लिए कई प्रतिष्ठित संस्थाओं के साथ एमओयू कर इस विश्वविद्यालय ने शैक्षिक प्रौद्योगिकी और गुणवत्ता पर विशेष जोर देकर गोरखपुर को ज्ञान की नगरी बनाने की दिशा में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। 28 अगस्त 2021 को तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के हाथों लोकार्पित महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय चार वर्ष में ही शिक्षा के विशिष्ट व प्रमुख केंद्र के रूप में विख्यात हो चुका है। यहां भारतीय ज्ञान मूल्यों का संरक्षण व संवर्धन, वर्तमान और भावी समय को ध्यान में रखकर अनुसंधानिक तरीके से किया जा रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के परिप्रेक्ष्य में यहां पाठ्यक्रम ऐसे हैं जो समाज के लिए लाभकारी, विद्यार्थी के लिए सहज रोजगारदायी है। इस विश्वविद्यालय के कुलाधिपति (गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री) योगी आदित्यनाथ की मंशा 2032 तक गोरखपुर को इनॉलेज सिटीज के रूप में ख्यातिलब्ध कराने की है। उल्लेखनीय है कि 10 दिसम्बर 2018 को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह में आए तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने परिषद के शताब्दी वर्ष 2032 तक गोरखपुर को नॉलेज सिटी बनाने का आह्वान किया था।

एमजीयूजी के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव बताते हैं कि इस विश्वविद्यालय की नींव में युग पुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज व राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज के विचार हैं जिनका मानना था कि दासता से मुक्ति, स्वावलंबन व सामाजिक विकास के लिए शिक्षा ही सबसे सशक्त माध्यम है। वर्तमान गोरक्षपीठाधीश्वर एवं कुलाधिपति योगी आदित्यनाथ इसी वैचारिक परंपरा के संवाहक हैं। उनके मार्गदर्शन में इस विश्वविद्यालय का लक्ष्य भारतीय ज्ञान मनीषा के आलोक में मूल्य संवर्धित, रोजगारपरक उस शिक्षा को बढ़ावा देना है जो समग्र रूप में सामाजिक व राष्ट्रीय हितों का पोषण कर सके। इसी लक्ष्य की दिशा में कदम बढ़ाते हुए यहां श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में एमबीबीएस और महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में बीएएमएस की पढ़ाई का सफलतापूर्वक संचालन हो रहा है। इसके अलावा विश्वविद्यालय की नर्सिंग फैकल्टी में दर्जनभर रोजगारदायी पाठ्यक्रम पूर्ण क्षमता से संचालित हैं। विश्वविद्यालय में मेडिकल साइंस, नर्सिंग, पैरामेडिकल, एग्रीकल्चर, एलॉयड हेल्थ साइंसेज और फार्मेसी, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन से संबंधित डिप्लोमा से लेकर मास्टर तक के दो दर्जन से अधिक पाठ्यक्रम हैं। मसलन दो वर्षीय एएनएम, तीन वर्षीय जीएनएम, चार वर्षीय बीएससी नर्सिंग, दो वर्षीय पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग, दो वर्षीय एमएससी नर्सिंग, डिप्लोमा इन डायलिसिस, डिप्लोमा इन आटिमेंट्री, डिप्लोमा इन इमरजेंसी एंड ट्रामा केयर, डिप्लोमा इन एनेस्थिसिया एंड क्रिटिकल केयर, डिप्लोमा इन आर्थोपेडिक एंड प्लास्टर टेक्निशियन, डिप्लोमा इन लैब टेक्निशियन (सभी दो वर्षीय), चार वर्षीय बीएससी एग्रीकल्चर, बीएससी ऑनर्स बॉयोटेक्नालोजी, बीएससी आनर्स बॉयोकेमिस्ट्री, बीएससी आनर्स माइक्रोबॉयोलोजी, दो वर्षीय एमएससी बॉयोटेक्नालोजी, तीन वर्षीय एमएससी मेडिकल बॉयोकेमिस्ट्री, तीन वर्षीय एमएससी मेडिकल माइक्रोबॉयोलोजी, दो वर्षीय एमएससी एनवायरमेंटल साइंस, चार वर्षीय बी फार्म, दो वर्षीय डी फार्म, बीबीए लॉजिस्टिक आदि। वर्तमान दौर में ये सभी पाठ्यक्रम रोजगारपरक हैं और उनकी बहुत मांग है। आने वाले समय में नवाचार आधारित पाठ्यक्रमों की लंबी श्रृंखला दिखेगी। एमजीयूजी देश का पहला ऐसा विश्वविद्यालय है जहां छात्र संसद का चुनाव स्वनिर्मित सॉफ्टवेयर से ऑनलाइन कराया गया।

शोध, नवाचार व स्टार्टअप को बढ़ावा देने वाले एमओयू

शिक्षा और चिकित्सा के क्षेत्र में शोध–अनुसंधान, नवाचार और स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए एमजीयूजी ने अंतरराष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (इरी), लुम्बिनी बौद्ध विश्वविद्यालय नेपाल, दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजाति विश्वविद्यालय, एम्स गोरखपुर, केजीएमयू लखनऊ, आरएमआरसी गोरखपुर, महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद, वैद्यनाथ आयुर्वेद, इंडो–यूरोपियन चैंबर ऑफ स्माल एंड मीडियम इंटरप्राइजेज, बाबा साहब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय लखनऊ, राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, राष्ट्रीय कृषि उपयोगी सूक्ष्मजीव ब्यूरो, भारतीय बीज विज्ञान संस्थान, जुबिलेंट एग्रीकल्चर रूरल डेवलपमेंट सोसाइटी, लॉजिस्टिक सेक्टर स्किल काउंसिल आदि के साथ एमओयू किया है।

आरोग्य पथ

मासिक ई-पत्रिका

निर्माणाधीन परिसर

01 निर्माणाधीन क्रीडांगन

02 निर्माणाधीन फार्मेसी संकाय

03 निर्माणाधीन प्रेक्षागृह

04 निर्माणाधीन शिक्षक आवास

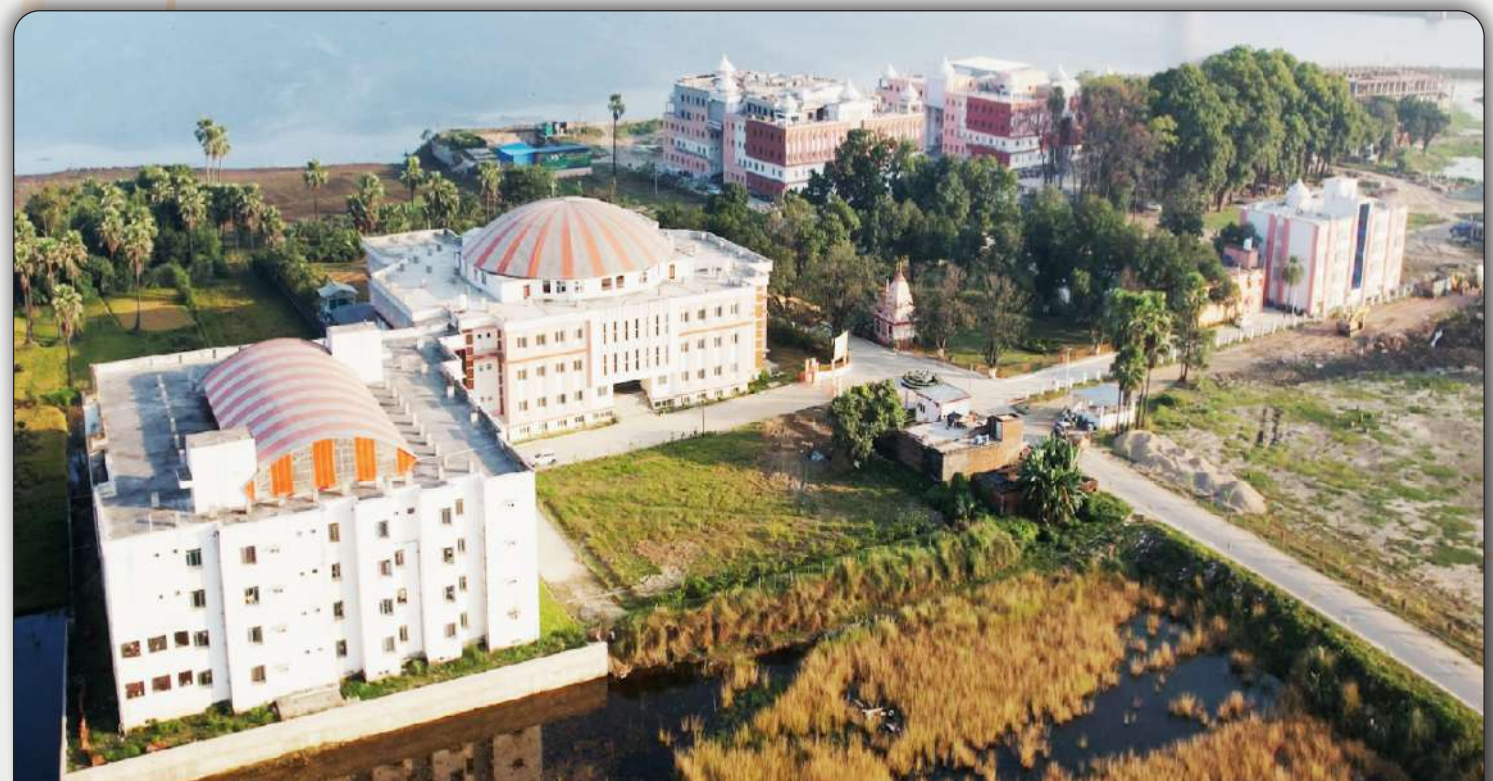

05 विश्वविद्यालय परिसर का वायवीय दृश्य

आरोग्य पथ

मासिक ई-पत्रिका

01 डॉ. संजय माहेश्वरी

02 डॉ. केआरसी रेड्डी

03 डॉ. जी. एन. सिंह

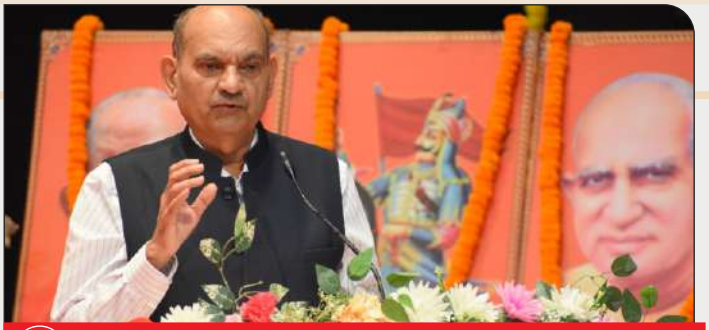

04 मेजर जनरल (डॉ.) अतुल कुमार वाजपेयी

05 डॉ. अनुभूति दुबे

06 श्रीमती चारु चौधरी

07 पद्मश्री डॉ. राम चेत चौधरी

08 कैंसर रोग के निदान के दौरान डॉ. रेखा माहेश्वरी एवं मेडिकल टीम

प्रधान सम्पादक
डॉ. विमल कुमार दूबे

सम्पादक
आचार्य साध्वीनन्दन पाण्डेय

संपादक मण्डल
श्री रोहित श्रीवास्तव, डॉ. अनुपमा ओझा

ग्राफिक्स डिजाइनर: श्री शारदानन्द पाण्डेय

mguniversitygkp@mgug.ac.in
https://www.mgug.ac.in/
+91-9415266014, +91-9935904499, +91-9794299451
Arogya Dham, Balapar Road, Sonbarsa, Gorakhpur